www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

صنعة الله بيكبولاط

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

مبدأ القراءة

МАБДАЪ УЛ-ҚИРОАТ

(ЎҚИШ АСОСЛАРИ)

Нашрга тайёрловчи:
Анвар АҲМАД

طشـــقند
«ما وراء النهر»
2005

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

СУНЪАТУЛЛОҲ НЕЪМАТУЛЛОҲ ЎҒЛИ БЕКЧЎЛАТ

Атоқли татар-турк олими, кўплаб асарлар муаллифи Сунъатуллоҳ Неъматуллоҳ ўғли Бекчўлат 1885 йили таваллуд тошган. 1894–1905-йилларда Уфадаги «Ҳусайния» мадрасасида, кейинчалик эса Қоҳирадаги машҳур «ал–Азҳар» дорилфунунида таҳсил олган. Ўн тўққизинчи асрнинг улуғ маърифатпарварларидан ва диний арбобларидан бўлган Сунъатуллоҳ Бекчўлат «Ҳусайния» мадрасаси ва бошқа билим даргоҳларида араб тили ҳамда Ислом ва тарихидан кўп йиллар сабоқ берди. Кейинчалик ҳукмдорлар таъқибига учраб, ўрта Осиёга кетишга мажбур бўлади. Муҳожирликда ўзбек, қирғиз, қозоқ, уйғур, тожик тилларини мукаммал эгаллайди. 1928 йилдан Қозонда яшаб, фаолият олиб боради.

Сунъатуллоҳ Бекчўлат дарс бериш билан бирга илмий-ижодий фаолиятини ҳам тўхтатмади. Унинг «Шарқ тарихи» «Тўрт халифа», «Ҳазрати Муҳаммад», «Мабда ус-сарф», «Мабдаун наҳв» каби дарсликлари узоқ йиллар илм-маърифатга хизмат қилди ва ҳозирда ҳам аҳамиятини йўқотмаган.

Машҳур аллома, моҳир педагог С. Бекчўлат 1954 йили Қозонда вафот этди. *(Аллоҳ бу зотни ўз раҳматига олсин.)*

Fikr media

Масъул муҳаррир
Шуҳрат ИСМОИЛОВ
Муҳаррир
Аҳмад МУҲАММАД
Ношир
Мубашшир АҲМАД
Техник муҳаррир
Аббос ТУРСУНОВ
Мусаҳҳиҳлар
Абдуносир ОРТИҚҚОРИЕВ
Абдураҳим Абдулмажид ўғли

© Fikr-media 2005-йил.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

بسم الله الرحمن الرحيم

الدَّرْسُ الأَوَّلُ

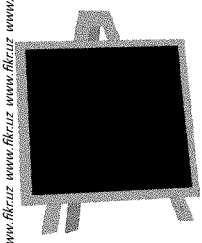

لَوْحٌ

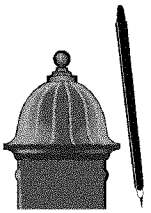

مِحْبَرَةٌ.

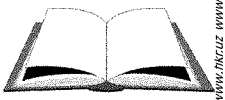

كِتَابٌ

قَلَمٌ كُرَّاسٌ نَشَّافَةٌ مِسْطَرٌ رِيْشَةٌ وَرَقٌ

هَذَا أَيْنَ مَا خُذْ هَاتِ

هَـــذَا كِـــتَابٌ. هَذَا مِسْطَرٌ. أَيْنَ اللَّوحُ؟ أَيْنَ الْمِحْبَرَةُ؟ خُذِ القَلَمَ. هَاتِ الكُـــرَّاسَ. هَذَا وَرَقٌ. خُذِ الكِتَابَ. مَا هَذَا؟– كُرَّاسٌ مَا هَذَا؟– مِسْطَرٌ. هَاتِ الرِّيْشَةَ. خُذِ الرِّيْشَةَ. أَيْنَ الكُرَّاسُ؟ أَيْنَ الوَرَقُ؟ أَيْنَ النَّشَّافَةُ؟

1-машқ. Қуйидаги гапларни араб тилига таржима қилинг.

Дафтар қаерда? Чизғич қаерда? Бу қалам. Бу қоғоз. Сиёҳ-донни бер. Китобни ол. Бу нима?- тахта. Перо қаерда? Босма-ни Ол. Дафтарни бер. Қоғоз қаерда? Қалам қаерда?

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الدَّرْسُ الثَّانِي

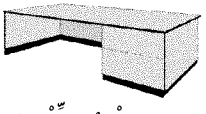

مَقْعَدُ التِّلْمِيذِ

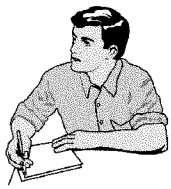

يَكْتُبُ



كُرْسِيٌّ



تِلْمِيذٌ



مُعَلِّمٌ

مَدْرَسَةٌ فَصْلٌ مَكْتَبُ الْمُعَلِّمِ دَرْسٌ حِبْرٌ مِمْحَاةٌ

مَاسِكَةٌ. هُنَا فِي. يَقْرَأُ.

أَيْنَ الْحِبْرُ؟ أَيْنَ مَقْعَدُ التِّلْمِيذِ؟ هَذَا مَكْتَبُ الْمُعَلِّمِ. خُذِ الوَرَقَ. هَاتِ الْمَاسِكَةَ. مَا هَذَا؟– كُرْسِيٌّ. أَيْنَ الْمِمْحَاةُ؟– هُنَا. فَرِيدٌ يَقْرَأُ الدَّرْسَ. هَاتِ الْمِمْحَاةَ. هَاتِ الْمِسْطَرَ. مَا هَذَا؟– هَذَا كِتَابٌ. التِّلْمِيذُ يَقْرَأُ الدَّرْسَ. الْمُعَلِّمُ يَكْتُبُ. أَيْنَ الْمُعَلِّمُ؟– فِي الفَصْلِ. أَيْنَ التِّلْمِيذُ؟– فِي الْمَدْرَسَةِ. عُثْمَانُ يَقْرَأُ الدَّرْسَ فِي الفَصْلِ. أَيْنَ عَبْدُ اللهِ؟– فِي الفَصْلِ يَكْتُبُ. أَيْنَ الْمَاسِكَةُ؟

2- машқ. Бу курси. Бу стол. Бу нима? Дафтар. Бу нима? Курси. Ўқитувчи қаерда? Мадрасада. Ўқувчи ёзяпти. Ўқувчи дарсни ўқияпти. Дафтарни ол. Босма қаерда? Бу ерда. Абдураҳмон дарсни ўқияпти. Абдураҳмон ёзяпти. Абдуллоҳ қаерда? Синфда дарсни ўқияпти. Ручка қаерда? Бу ерда. Ўчирғич қаерда?

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَلدَّرْسُ الثَّالِثُ

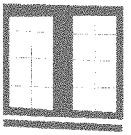





مِحْفَظَةٌ مِبْرَاةٌ شُبَّاكٌ

مِقْلَمَةٌ. سَاعَةٌ. مِصْبَاحٌ. كِبْرِيتٌ.

حُجْرَةٌ. إِقْرَأْ. إِفْهَمْ. أُدْخُلْ.

أُقْعُدْ. عَلَي. مَنْ. تَبَاشِيرُ.

أَيْنَ الْمِبْرَاةُ؟ خُذِ الْمِقْلَمَةَ. خُذِ الْكِبْرِيتَ. هَاتِ الْمِحْفَظَةَ. أُدْخُلِ الرَّدْهَةَ. مَا هَذَا؟– شُبَّاكٌ. أَيْنَ الْمِصْبَاحُ؟ هَاتِ الْمِبْرَاةَ. اقْرَأِ الدَّرْسَ. مَنْ هَذَا؟– مُعَلِّمٌ. اُدْخُلِ الْحُجْرَةَ. افْهَمِ الدَّرْسَ. أُقْعُدْ عَلَي الْكُرْسِيِّ. أَيْنَ التَّبَاشِيرُ؟– عَلَي مَكْتَبِ الْمُعَلِّمِ. مَنْ يَقْرَأُ الْكِتَابَ فِي الْفَصْلِ؟– عَبْدُ اللهِ. مَنْ فِي الْفَصْلِ؟ مَنْ يَحْفَظُ الدَّرْسَ؟ إِقْرَأْ هُنَا. أَيْنَ الْقَلَمُ؟ هَاتِ. الْمُعَلِّمُ يَقْعُدُ عَلَي الْكُرْسِيِّ. أَيْنَ السَّاعَةُ؟ كَرِيْمٌ يَفْهَمُ الدَّرْسَ. أَيْنَ الْمَاسِكَةُ؟– هُنَا فِي الْمِقْلَمَةِ.

3-машқ. Қаламтарошни бер. Курсига ўтир. Хонага кир. Партага ўтир. Китобни ўқи. Бу ким? Бу нима? Дафтар. Дарсни ўқи. Бу ерда ким ўқияпти. Чизғич қаерда? Бу ерда. Дарсни фаҳмла. Ким ёзяпти? Ким ўқияпти? Ким дарсни фаҳмлаяпти? Ким хонага киряпти? Салим дарсни ўқияпти.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الدَّرْسُ الرَّابِعُ

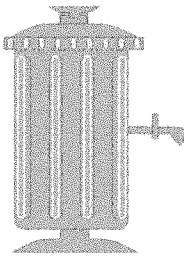

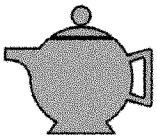

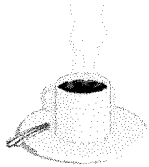

سَخَّانَةُ الْمَاءِ سَخَّانَةُ الشَّايِ فِنْجَانٌ

بَيْتٌ. دَارٌ. رَفٌّ. وَلَدٌ. طَبِيخٌ. شَايٌ. قَهْوَةٌ.

سُكَّرٌ. يَأْكُلُ. يَشْرَبُ. يَا. بِ.

أَيْنَ الْكِتَابُ؟– الكِتَابُ عَلَي مَكْتَبِ الْمُعَلِّمِ. أَيْنَ الوَلَدُ؟– فِي الدَّارِ. هَذَا رَفٌّ. سَعِيدٌ يَشْرَبُ الشَّايَ بِالفِنْجَانِ. عُثْمَانُ يَأْكُلُ الطَّبِيخَ. أَيْنَ سَخَّانَةُ الْمَاءِ؟– هَاتِ سَخَّانَةَ الشَّايِ. مَنْ يَقْرَأُ فِي البَيتِ؟ مَنْ يَأْكُلُ الطَّبِيخَ؟ مَا هَذَا فِي الرَّفِّ؟– فِنْجَانٌ. مَنْ هَذَا فِي الفَصْلِ؟ هَاتِ الْمِبْرَاةَ يَا سَعِيدُ. اشْرَبِ الشَّايَ بَالسُّكَّرِ. كُلِ الطَّبِيخَ. خُذِ النَّشَّافَةَ يَا كَرِيْمُ. اقْرَا الدَّرْسَ يَا فَرِيدُ. مَحْمُودٌ يَشْرَبُ الْقَهْوَةَ. اشْرَبِ الْقَهْوَةَ بَالسُّكَّرِ. هَذَا الوَلَدُ يَأْكُلُ الطَّبِيخَ.

4-машқ. Пиёла. Перо. Ўчирғич. Чой. Шакар. Дафтар қаерда? Бу ерда. Ўқувчи каравотда ухлаяпти. Усмон овқатни еяпти. Чойни ич. Овқатни егин. Эй Маҳмуд чизғични бер. Эй Аҳмад босмани ол. Ким бу? Бу нима? Бўр билан ёз. Дафтарга қалам билан ёз. Ўқувчи қаерда? Ўқитувчи қаерда? Бу болақаҳвани ичяпти.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَلدَّرْسُ الخَامِسُ



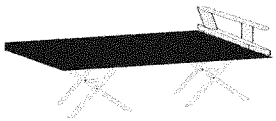

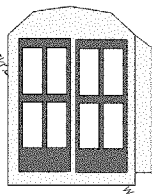

يَنَامُ

سَرِيرٌ

خِزَانَةٌ

مِسْوَاكٌ. مُصَلِّي. هُنَاكَ. رَدْهَةٌ. لَحْمٌ.

خُبْزٌ. تَعَالَ اِحْفَظْ. بَابٌ.

أَيْنَ الْمُصَلِّي. هَاتِ الْمِسْوَاكَ. أُدْخُلِ الرَّدْهَةَ. سَلِيمٌ يَحْفَظُ الدَّرْسَ. اِحْفَظِ الدَّرْسَ. هَذَا بَابٌ. مَنْ يَحْفَظُ الدَّرْسَ؟– كَرِيمٌ. الوَلَدُ يَنَامُ عَلَي السَّرِيرِ. مَحْمُودٌ يَأْكُلُ الْخُبْزَ. كُلِ اللَّحْمَ. أَيْنَ الْمِسْوَاكُ– هُنَاكَ عَلَي مَكْتَبِ الْمُعَلِّمِ. احْفَظِ الدَّرْسَ. تَعَالَ هُنَا. مُحَمَّدٌ يَأْكُلُ اللَّحْمَ. هَاتِ الْمِبْرَاةَ. أَيْنَ الكُرَّاسُ؟– هُنَاكَ عَلَي مَقْعَدِ التِّلْمِيذِ. الكِتَابُ فِي الخِزَانَةِ. سَلِيمٌ يَشْرَبُ الشَّايَ. مَنْ فِي البَيْتِ؟ مَنْ فِي الدَّارِ؟ اِشْرَبِ القَهْوَةَ بِالسُّكَّرِ.

5-машқ. Фарид дарсини ёдлаяпти. Муҳаммад овқатни еяпти. Бу ерга кел. Дарсни ёдла. Бола каравотда ухлаяпти. Қаламтарошни ол. Залга кир. Бу жойнамоздир. Бу тиш чўткадир. Салим қаерда? У ерда дарсини ўқияпти. Бу эшикдир. Бу деразадир. Китоб қаерда? Шкафда. Ўқувчи гўшт еяпти. Саид нон еяпти. Саид бу ерга кел.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَلدَّرْسُ السَّادِسُ



كَلْبٌ



دِيكٌ

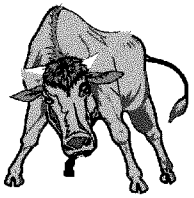

ثَوْرٌ



بَقَرَةٌ. عِجْلٌ

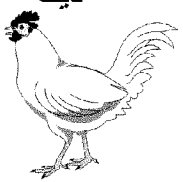

يَصِيحُ

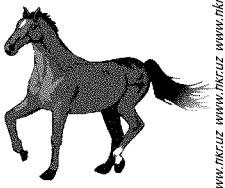

فَرَسٌ مُهْرٌ

يَرْكُضُ دَجَاجَةٌ أَنَا أَنْتَ هُوَ مَتَي مِنْ أُخْرُجْ

هُـــوَ تِلْمـــيذٌ. أَنَا مُعَلِّمٌ. أَنْتَ تِلْميذٌ. الفَرَسُ يَرْكُضُ. أَيْنَ الْمُهْرُ؟ الدِّيكُ يَصِـــيحُ. أَيْـــنَ الثَّورُ؟ مَتَي تَقْرَأُ؟ أُرْكُضْ يَا سَعِيدُ. أُخْرُجْ مِنَ الفَصْلِ. أَنَا أَكْـــتُبُ. هُوَ يَصِيحُ. أَنَا تِلْميذٌ. أُكْتُبْ يَا عُثْمَانُ. الْمُهْرُ يَرْكُضُ فِي الدَّارِ. أَيْـــنَ البَقَرَةُ؟ هُوَ يَشْرَبُ الشَّايَ. أَنْتَ تَشْرَبُ الشَّايَ. أَيْنَ الفَرَسُ؟– فِي الـــدَّارِ. أَنَـــا أَقْرَأُ الدَّرْسَ. أَنْتَ تَفْهَمُ الدَّرْسَ يَا سَعِيدُ. أَنَا أَحْفَظُ الدَّرْسَ. أَنْـــتَ تَـــنَامُ عَلَي السَّرِيرِ. الثَّورُ يَأْكُلُ. أَنَا أَرْكُضُ. اِشْرَبِ الشَّايَ. كُلِ الْخُبْـــزَ. الْمُهْـــرُ يَرْكُضُ. أَيْنَ الكَلْبُ؟– فِي الدَّارِ. تَعَالَ هُنَا يَا كَرِيمُ. هُوَ يَأْكُلُ اللَّحْمَ. العِجْلُ فِي الدَّارِ. أَيْنَ الدَّجَاجَةُ؟

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

6-машқ. От, сигир, тойчоқ, бузоқ. Бу нима? Жойнамоз. От югуряпти. Сигир қаерда? Бу ерда. Карим дарс ўқияпти. Сен дарсни ўқияпсан. Эй Фарид югур. Сен залга киряпсан. Мен хонадан чиқяпман. У чойни ичяпти. Сен чойни ичяпсан. Фарид қаерда? Ҳовлида. Ўқитувчи Қаерда? Залдан чиқ. Хўроз қичқиряпти. Бу от. От қаерда? Бузоқ югуряпти. Тойчоқ бу ерда, ҳовлида.

الدَّرْسُ السَّابِعُ



يَسْبَحُ



قِنِّينَةٌ



سِكِّينٌ

كُرَةٌ سَمَكٌ مَاءٌ لَبَنٌ بَعْدَ قَبْلَ

يَقُومُ يَنْظُرُ يَلْعَبُ هَلْ نَعَمْ

التِّلْمِيذُ يَلْعَبُ بِالكُرَةِ. السَّمَكُ يَسْبَحُ فِي الْمَاءِ مَنْ يَلْعَبُ بِالكُرَةِ فِي الدَّارِ؟– فَرِيدٌ. أُنْظُرْ مِنَ الشُّبَّاكِ. اشْرَبِ الْمَاءَ. يَقُومُ التِّلْمِيذُ. أَنَا أَشْرَبُ اللَّبَنَ. أَنَا أَلْعَبُ بَعْدَ الدَّرْسِ. أَنْتَ تَقْعُدُ عَلَي الكُرْسِيِّ. خُذِ القِنِّينَةَ. هَاتِ السِّكِّينَ. كُلْ لَحْمَ البَقَرِ. أَيْنَ السِّكِّينُ؟– هُنَا فِي الخِزَانَةِ. مَا هَذَا؟ أَنَا أَنْظُرُ مِنَ الشُّبَّاكِ. قُمْ وَاقْرَا الدَّرْسَ. كَرِيمٌ يَشْرَبُ القَهْوَةَ. أَنَا أَلْعَبُ بَعْدَ الدَّرْسِ.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

7-машқ. Коптокни ол. Бу ерга ўтир. Партага ўтир. Сен деразадан қараяпсан. Мен деразадан қараяпман. Балиқ сувда сузяпти. Синфга кир. Мен ўтираяпман. Эй Саид! дарсдан кейин коптокни ўйна. Шиша қаерда? Бу ерда, шкафда. Мен ҳовлида югуряпман. Мушук гўштни еяпти. Дарсдан кейин ўйнайсанми? Ҳа, ўйнайман. Деразадан қарадингми? Бузоқ сув ичяпти.

الدَّرْسُ الثَّامِنُ





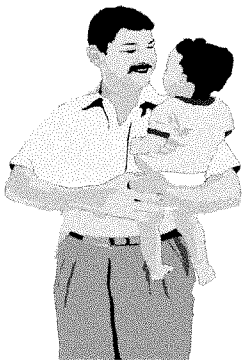

اِبْنٌ. أَبٌ　　أُمٌّ. بِنْتٌ　　أَخٌ. أُخْتٌ

قَلَمٌ مَحْمُود　　هُ. كَ. ى.　　يُحِبُّ　　يُطِيعُ

هَذَا قَلَمٌ فَرِيد. هَذَا مسطَرٌ مَحْمُود. هَذَا قَلَمُكَ. هَذَا قَلَمِي. خُذْ فنجَانَكَ. اشْـــرَبْ شَـــايَكَ. هَـــذَا فَرَسُ سُلَيمَانَ وَهَذَا ثَورُهُ. أَيْنَ محْفَظَتِي؟ هَاتِ كُرَّاســـي. التِّلْمـــيذُ يَقْرَأُ دَرْسَهُ. فَرِيدٌ يَحْفَظُ دَرْسَهُ. هُوَ يُطِيعُ أُمَّهُ. أَيْنَ مُهِمَّـــرُكَ؟ أَيْـــنَ مِقْلَمَتُكَ؟ الأَخُ يُحِبُّ أُخْتَهُ. فَرَسِي يَرْكُضُ. أَيْنَ كِتَابِي يَا أُمِّـــي. أُخْرُجْ مِنَ الرَّدْهَةِ يَا أَخِي. خُذْ هَذَا القَلَمَ يَا أَخِي. اقْرَأْ دَرْسَكَ يَا كَرِيْمُ. ابْنُكَ يَنَامُ عَلَي سَرِيرِه. هَذَا أَبِي. أَبِي يَكْتُبُ. أَنَا أَدْخُلُ فَصْلِي. أَنَا

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

أَطِيعُ مُعَلِّمِي. أَنْتَ تُطِيعُ مُعَلِّمَكَ. أَبِي يَكْتُبُ. هَاتِ مِحْبَرَتِي. اِشْرَبْ قَهْوَتَكَ. هَذَا الْعِجْلُ يَشْرَبُ الْمَاءَ. الْمُهْرُ يَخْرُجُ مِنَ الدَّارِ.

8-машқ. Бу Орифнинг тахтаси. Бу менинг қаламим. Чизғични ол. Қаламимни бер. Дарсингни ўқи. Соатингни ол. Фарид дарсини ўқияпти. Салим синглисини яхши кўради. Дарсингни ёдла Эй Саид. Салим қаерда? Каравотда ухлаяпти. Отам қаерда? Уйда. Акам қаерда? Ҳовлида копток ўйнаяпти. Бу менинг ўқувчим. Бу сенинг ўқувчинг.

اَلدَّرْسُ التَّاسِعُ

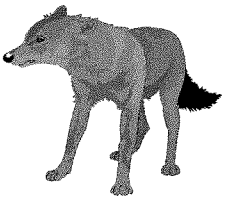

ذِئْبٌ

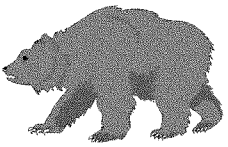

دُبٌّ

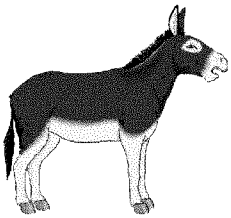

حِمَارٌ

غَابٌ جُنَيْنَةٌ مَكْتُوبٌ اِلَى يُوجَدُ فَتَحَ فَأْرٌ

هِرٌّ رَكِبْتُ ذَهَبْتَ حِصَانٌ

هَـذَا فَأْرٌ. رَكِبَ أَبِي حِصَانَهُ. فَتَحَ سَلِيمٌ الشُّبَّاكَ. فَتَحَ أَخِي الْبَابَ. هَذَا حِمَارِي وَهَذَا مُهْرُ أَخِي. رَكِبَ أَبِي الْفَرَسَ. التِّلْمِيذُ ذَهَبَ إِلَي الْمَدْرَسَةِ.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

أَنَا فَتَحْتُ الشُّبَّاكَ. افْتَحِ الشُّبَّاكَ يَا كَرِيْمُ. الْحِمَارُ فِي الدَّارِ. يُوجَدُ الذِّئْبُ فِي الغَابِ. أَيْنَ تَذْهَبُ؟– إِلَى الْمَدْرَسَةِ . أَيْنَ سَعِيدٌ؟– فِي الْجُنَينَةِ يَلْعَبُ. أَنَا قَرَأْتُ الدَّرْسَ. أَنْتَ كَتَبْتَ الْمَكْتُوبَ. أُكْتُبِ الْمَكْتُوبَ. أَنَا شَرِبْتُ الشَّايَ. سَلِيْمٌ فَهِمَ دَرْسَهُ. ارْكَبِ الْحِصَانَ. مَحْمُودٌ حَفِظَ الدَّرْسَ. الْمُعَلِّمُ دَخَلَ الفَصْلَ. أَنْتَ أَخَذْتَ قَلَمِي يَا عَبْدَ اللهِ. قَامَ التِّلْمِيذُ. قَعَدَ الْمُعَلِّمُ. نَظَرَ التِّلْمِيذُ مِنَ الشُّبَّاكِ. مَنْ فَتَحَ البَابَ؟– أَنَا فَتَحْتُ. مَنْ أَخَذَ مَنْشَافَتِي؟– أَنَا أَخَذْتُ. هَاتِ مِسْطَرِي. أَنْتَ أَخَذْتَ. خُذِ الكِتَابَ. أَيْنَ الْهِرُّ؟ الْهِرُّ يَأْكُلُ الْفَأْرَ. رَكِبْتُ حِصَانِي. الْهِرُّ يَشْرَبُ اللَّبَنَ.

9-машқ. Ўқувчи қаерда? Боғда. Фарид эшикни очди. Ўқитувчи синфга кирди. Мен синфга кирдим. Қаерга кетяпсан. Ўрмонда айиқ бор. Усмонга хат ёз. Акамга хат ёздим. Дарсни қаерда ўқидинг? Уйда. Сен босмамни олдинг. Мадрасага бордим. Сут ичдим. Сут ичдинг. Мушук қаерда? Мушук сичқонни еяпти. Мушук ўйнаяпти. Графинни бер. Эшак қаерда?

الدَّرْسُ العَاشِرُ



ملْعَقَةٌ



مِملْحَةٌ

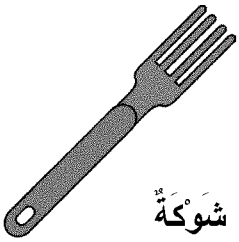

شَوْكَةٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

طَبَقٌ مِلْحٌ فَوقَ تَحْتَ

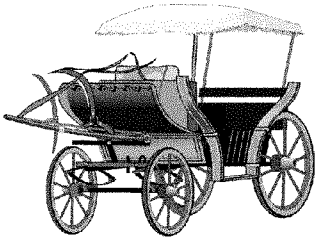

سُكُوتٌ لِمَ يَضْحَكُ يَبْكِي

مَرْكَبٌ

هَذَا مَرْكَبٌ. هَاتِ الشَّوكَةَ. هَذَا طَبَقٌ. أَيْنَ قَلَمِي؟ سَلِيمٌ يَضْحَكُ وَأَخُوهُ يَبْكِي. هَاتِ الطَّبَقَ. أُسْكُتْ يَا أَخِي. لِمَ تَضْحَكُ يَا فَرِيدُ؟ لِمَ تَبْكِي يَا سَعِيدُ؟ سَلِيمٌ يَرْكَبُ الحِصَانَ. لِمَ فَتَحْتَ الشُّبَّاكَ؟ مَنْ هُوَ فِي الْجُنَيْنَةِ؟ قُمْتُ فَقَرَأْتُ دَرْسِي. لِمَ يَضْحَكُ هَذَا الوَلَدُ؟ قُمْ فَاقْرَأِ الدَّرْسَ. قَامَ التِّلْمِيذُ فَقَرَأَ كِتَابَهُ. لِمَ تَسْكُتُ؟ اقْرَأْ يَا سَلِيمُ. أَيْنَ الْمِلحُ؟ شَرِبْتُ فِنْجَانًا شَايًا. اشْرَبْ هَذَا الشَّايَ. لِمَ خَرَجْتَ مِنَ الفَصْلِ؟ أَيْنَ كُرَتِي يَا أُمِّي؟– هُنَا تَحْتَ السَّرِيرِ يَا وَلَدِي. أَيْنَ التَّبَاشِيرُ؟– فَوقَ مَكْتَبِ الْمُعَلِّمِ. رَكِبْتُ حِمَارِي فَذَهَبْتُ إِلَي أَخِي. مُحَمَّدٌ يَأْكُلُ الطَّبِيخَ بِالْمِلْعَقَةِ.

10-машқ. Мадрасага бордим. Хатни ёздим. Абдуллоҳ хат ёзди. Бир пиёла чой ичдим. Чойни ич. Тур ва дарсни ўқи. Нега йиғлаяпсан? Менинг отим. Нега куляпсан? Бу ўқувчи нега куляпти? Ҳўкиз қаерда? Дарсни ўқи. Ўқитувчимни яхши кўраман. Дарсни ёз. Китоб партани устида. Копток столнинг тагида ёки устида. Эшакни миндинг.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَلدَّرْسُ الْحَادِي عَشَرَ



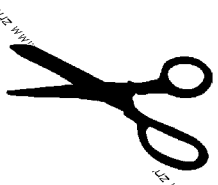

مِقَصٌّ عَطَشٌ قَطْعٌ كَثِيرٌ قَدَحٌ

قَلِيلٌ غَنِيٌّ فَقِيرٌ رَجُلٌ ذٰلِكَ أَمَامَ وَرَاءَ

هٰذَا سِكِّينٌ وَذٰلِكَ مِقَصٌّ. خُذْ هٰذَا السِّكِّينَ وَاقْطَعِ الْخُبْزَ. رَكِبْتُ الْحِصَانَ فَذَهَبْتُ إِلَي الْغَابِ. أَيْنَ الْقَدَحُ يَا أُمِّي؟– هُنَا يَا ابْنِي. أَيْنَ الدَّجَاجَةُ؟– هُنَاكَ فِي الدَّارِ. عَطِشْتُ كَثِيرًا فَشَرِبْتُ قَدَحًا مَاءً. هٰذَا الرَّجُلُ غَنِيٌّ وَذٰلِكَ فَقِيرٌ. قَطَعْتُ الْخُبْزَ بِالسِّكِّينِ. هَاتِ قَدَحًا مَاءً. اشْرَبْ فِنْجَانًا شَايًا. هٰذَا قَلِيلٌ وَهٰذَا كَثِيرٌ. هٰذَا غَنِيٌّ وَهٰذَا فَقِيرٌ. التِّلْمِيذُ يَقْرَأُ دَرْسَهُ أَمَامَ مُعَلِّمِه. قَرَأْتُ دَرْسِي أَمَامَ مُعَلِّمِي. أَيْنَ الْفَرَسُ؟– هُنَاكَ وَرَاءَ الدَّارِ. اقْطَعِ الْخُبْزَ. الْمُهْرُ يَرْكُضُ وَرَاءَ الدَّارِ. هَاتِ الْمِمْلَحَةَ يَا بِنْتِي. الْعِجْلُ يَشْرَبُ الْمَاءَ.

11-машқ. Қайчи қаерда? Қадаҳ қаерда? Нонни кесдим. Чанқаганимдан кейин сув ичдим. Бу эркак камбағал, буниси эса бой. Бу кўп. Бу оз. Кўп ўқидим. Курси қаерда? У ерда столни орқасида. Фарид ўқитувчисининг олдида дарсини ўқияпти. Бу онамнинг қайчиси. Бу менинг қаламтарошим. Бу Заҳронинг қадаҳи. Бу менинг эшагим. Сигир қаерда?

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الدَّرْسُ الثَّاني عَشَرَ



كُتُبٌ



أَقْلامٌ



يَقْرَؤُونَ

مَساطِرُ كَراريسُ أَلْواحٌ دُرُوسٌ نَشَّافاتٌ تَلامِذَةٌ

أَبْوابٌ نَحْنُ أَنْتُمْ هُمْ اِقْرَؤُوا مُصَلَّياتٌ

أَيْنَ الْمُصَلَّيَاتُ؟ أَيْنَ الْمَساوِيكُ؟ هَاتِ الْمَساطِرَ. خُذِ الأَقْلامَ. افْتَحِ الأَبْوَابَ. أَيْنَ الكُتُبُ؟– هُنَا فِي الخِزَانَةِ. التَّلامِذَةُ يَقْرَؤُونَ الدَّرْسَ. نَحْنُ نَلْعَبُ بَعْدَ الدَّرْسِ فِي سَاحَةِ الدَّارِ. الْعَبُوا بَعْدَ الدَّرْسِ فِي سَاحَةِ الدَّارِ. اشْرَبُوا الشَّايَ. افْهَمُوا الدَّرْسَ. هُمْ يَفْهَمُونَ الدَّرْسَ. لِمَ تَفْتَحُونَ الأَبْوَابَ؟ أَنْتُمْ تَحْفَظُونَ الدَّرْسَ. نَحْنُ نَحْفَظُ الدَّرْسَ. هُمْ يَقْرَؤُونَ كَثِيرًا وَيَنَامُونَ قَلِيلاً. اقْرَأْ كَثِيرًا. نَخْرُجُ مِنَ الفَصْلِ بَعْدَ الدَّرْسِ. هَاتِ كُتُبِي. حَفِظْتُ دُرُوسِي. فَهِمْتَ دُرُوسَكَ. لِمَ تَضْحَكُونَ؟ لِمَ تَبْكُونَ؟ لِمَ تَسْكُتُونَ؟ اقْرَؤُوا. هَاتِ ذَلِكَ القَلَمَ. أَيْنَ تَذْهَبُونَ؟ نَحْنُ نَقْرَأُ كَثِيرًا.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

12-машқ. Қаламлар билан ёзамиз. Чизғичлар қаерда? Уқувчилар дарсни ўқияптилар. Дарсингизни ўқингиз. Босмаларим қаерда? Қаламларим қаерда. Эй Саид дафтаримни бер. Нега жим турибсан? Қаерга кетяпсан? Сиз кўп ўйнаяпсиз. Сиз оз ўйнаяпсиз. Қаерга кетяпсиз? Мадрасага. Улар овқатни еяптилар. Улар чойни ичяптилар. Чанқаганимдан кейин кўп чой ичдим. Қаҳвани ичдим.

اَلدَّرْسُ الثَّالِثُ عَشَرَ

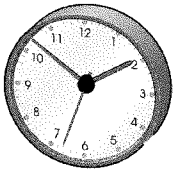

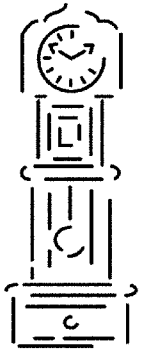



جَدٌّ أَجْدَادٌ جَدَّةٌ جَدَّاتٌ

سَاعَاتٌ

أَوْرَاقٌ مَدَارِسُ فُصُولٌ شَبَابِيكُ اِخْوَةٌ أَخَوَاتٌ أَبْنَاءٌ

بَنَاتٌ أَوْلَادٌ آبَاءٌ أُمَّهَاتٌ هَؤُلَاءِ هُمْ. كُمْ. نَا

بَلْدَةٌ أَيُّهَا

هَذَا جَدِّي. ذَلِكَ جَدُّكَ. بِالْأَقْلَامِ يَكْتُبُونَ عَلَي الْأَوْرَاقِ. هَؤُلَاءِ التَّلَامِذَةُ يَحْفَظُونَ دُرُوسَهُمْ. بِالتَّبَاشِيرِ يَكْتُبُونَ عَلَي الْأَلْوَاحِ. هَذَا ابْنِي. هَؤُلَاءِ أَبْنَاؤُكَ. أَيْنَ بِنْتِي فَاطِمَةُ؟– هُنَا فِي الْجُنَيْنَةِ. أَنَا أُحِبُّ جَدَّتِي كَثِيرًا. اِفْتَحُوا

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الشَّبَابيكَ أَيُّهَا الأَولاَدُ. الأَوْلاَدُ يُطيعُونَ آبَاءَهُمْ. الاٰبَاءُ يُحبُّونَ أَبْنَاءَهُمْ كَثيرًا. هُمْ يَلْعَبُونَ فِي الدَّار. نَحْنُ نُحبُّ اخْوَتَنَا كَثيرًا. اقْرَؤُوا دُرُوسَكُمْ أَيُّهَا التَّلاَمذَةُ. فِي بَلْدَة قَازَانَ يُوجَدُ مَدَارِسُ كَثيرَةٌ. هَؤُلاَء بَنَاتي. هَؤُلاَء أَخَوَاتُكَ. أَطِيعُوا أُمَّهَاتِكُمْ أَيُّهَا الأَوْلاَدُ. هَؤُلاَء الأَولاَدُ يَلْعَبُونَ بِالكُرَة. لِمَ تَلْعَبُونَ؟ اقْرَؤُوا دُرُوسَكُمْ. فَهِمْتُ دَرْسِي. احْفَظْ دَرْسَكَ. أَيْنَ السَّاعَاتُ؟ التَّلاَمذَةُ يَخْرُجُونَ مِنَ الفَصْلِ. اخْوَتِي يَذْهَبُونَ إِلَي الغَاب.

13-машқ. Эй бола эшикни оч. Бобомни ва бувимни жуда яхши кўраман. Қоғозлар қаерда? Эшикларни очингиз? Қоғозларни ол эй Абдуллоҳ. Нега ўйнаяпсан. Эй Абдулазиз! ўқи. Дарсдан кейин ўйна. Дарсдан кейин ўйнангиз. Булар менинг сингилларим. Бу болалар кўп ўйнаяптилар. Мадрасага бордим. Ўқувчилар синфлардан чиқишди. Отга миняпти. Булар сенинг укаларинг. Дарсимни ўқидим.

الدَّرْسُ الرَّابِعُ عَشَـــرَ

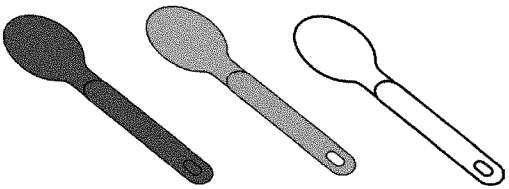

فَنَاجِينُ

أَفْرَاسٌ

سَكَاكِينُ

كِلاَبٌ

مَلاَعِقُ

أَيْضًا مَشْيٌ وَضْعٌ بَرْيٌ مَجِيءٌ تَعَلُّمٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

بِالسَّـــكَاكِينِ نَقْطَـــعُ الْخُبْزَ وَبِالْمَلاَعِقِ نَأْكُلُ الطَّبِيخَ وَبِالفَنَاجِينِ نَشْرَبُ الشَّايَ. تَعَالَ يَا فَرِيدُ نَشْرَبُ الشَّايَ. مَشَيتُ كَثِيرًا. أَيْنَ وَضَعْتَ كِتَابِي يَا فَـــرِيدُ؟– وَضَعْتُ هُنَا فِي الخِزَانَة. التِّلْمِيذُ يَضَعُ كِتَابَهُ فِي مَقْعَدِ التِّلْمِيذ. ضَعُوا الْكُتُبَ فِي الصُّنْدُوق. هَؤُلاَءِ التِّلاَمِذَةُ يَتَعَلَّمُونَ فِي بَلْدَة قَازَانَ. نَحْنُ نَتَعَلَّمُ فِي الْمَدْرَسَة الحُسَيْنِيَّة فِي أُورِنْبُورغْ. أَنْتُمْ تَتَعَلَّمُونَ فِي بَلْدَة أُوفَا. جَاءَ التِّلْمِيذُ إِلَي الْمَدْرَسَة. هُمْ يُحِبُّونَ آبَاءَهُمْ. جَاءَ الْمُعَلِّمُ إِلَي الْمَدْرَسَة. تَعَالَ يَا كَرِيمُ نَلْعَبُ فِي دَارِنَا بِالكُرَة. لِمَ جِئْتَ هُنَا يَا عَلِيمُ؟ ضَعِ الكِتَابَ فِـــي الخِـــزَانَة. هَلْ قَرَأْتَ دَرْسَكَ؟– نَعَمْ قَرَأْتُ. وَأَنَا أَيْضًا قَرَأْتُ. بَرَيْتُ القَلَمَ. نَبْرِي القَلَمَ بِالْمِبْرَاة. ابْرِ القَلَمَ بِالْمِبْرَاة. بِالفِنْجَان يَشْرَبُونَ الشَّايَ. امْشِ أَيُّهَا الوَلَدُ. ابْرِ قَلَمَكَ. جَاءَ أَخِي. الْحِصَانُ يَمْشِي أَمَامَ البَيت.

14-машқ. Отлар. Итлар. Пичоқлар. Қошиқлар. Пиёлалар. Нонни пичоқ билан кес. Пичоқлар қаерда? Пичоқни токчага қўй. Китобни шкафга қўй. Нега ўйнаяпсан? Қаерда ўқийсан? Сен ўқийсанми? Ҳа ўқийман. Қаерда ўқийсан? Ислом мадрасасида. Қаламингни учладингми? Ҳа учладим. Кўп ўқинглар. Кам ўйнанглар. Кел дарсимизни ўқиймиз. Эй Абдуллоҳ дарсингни ўқидингми?

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الدَّرْسُ الخَامِسُ عَشَرَ

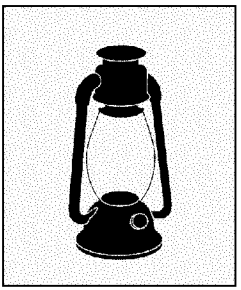

كَرَاسِيٌّ مُعَلِّمُونَ اِشْتِرَاءٌ

بَيْعٌ الآنَ فَقَطْ رُؤْيَةٌ

الْمِصْبَاحُ

صَاحِبٌ مَعَ كَتَبْنَا قَرَأْتُمْ ذَهَبُوا ثُمَّ

أَيْــنَ الكَرَاســيُّ؟ خَرَجَ الْمُعَلِّمُ مِنَ الفَصْلِ ثُمَّ التَّلاَمِذَةُ. مَتَي جِئْتَ إِلَي الْمَدْرَسَــةِ يَــا سَعِيدُ؟– الآنَ فَقَطْ يَا كَرِيْمُ. مَعَ مَنْ جِئْتَ؟ مَعَ صَاحِبِي عُــثْمَانَ. اشْتَرَيتُ قَلَمًا وَمِسْطَرًا وَكِتَابًا. اشْتَرَينَا كُتُبًا وَنَشَّافَات وَمَسَاطِرَ وَأَقْلاَمًا وَالْوَاحًا وَكَرَارِيسَ. ذَهَبْنَا إِلَي الْمَدْرَسَة. جِئْتُمْ إِلَي الْبَيْت. قَرَأْتُمُ الــدَّرْسَ. رَأَيْــتُ فِي سَاحَةِ الدَّارِ تَلاَمِذَةَ يَلْعَبُونَ بَالكُرَة. رَأَيْتُ صَاحِبِي فَــرِيدًا يَلْعَبُ فِي الْجُنَينَة. هَؤُلاَءِ الْمُعَلِّمُونَ يُحِبُّونَ تَلاَمِذَتَهُمْ كَثِيرًا. أَبِي اشْتَرَي مَصَابِيحَ. هَلْ قَرَأْتُمْ دُرُوسَكُمْ أَيُّهَا التَّلاَمِذَةُ؟ – نَعَمْ قَرَأْنَا. مَشَيْتُمْ قَلِيلاً. هَلْ وَضَعْتُمُ الْكُتُبَ فِي الْخِزَانَة؟ – نَعَمْ وَضَعْنَا. مَتَي بِعْتَ فَرَسَكَ؟ العِجْــلُ يَمْشِي مَعَ أُمِّه. هَلْ بَاعَ أَبُوكَ بَقَرَتَهُ؟ مَتَي رَأَيْتَ سَعِيدًا يَا صَالِحُ؟ – الآنَ فَقَــطْ يَــا أَخِي. اشْتَرَينَا حِصَانًا وَثَورًا وَبَقَرَةً. خَرَجَ الْخَادِمُ إِلَي السُّوقِ فَاشْتَرَي دَجَاجَةً وَدِيكًا.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

15-машқ. Соатлар қаерда? Дарсларингизни ўқинглар. Уканга хат ёздингми? Бу ерга қачон келдинг? Ҳозиргина. Ким билан келдинг? ўртоғим Наим билан. Нега йиғладинг? Нега кулдинг? Ўқувчилар чойни ичдилар. Чой ичдик. Болалар овқат едилар. Мадрасага бордингизми? Бордик. Бу ерга кел, ўйнаймиз. Дарсларингизни ўқинглар. Хат ёздингми? Курсилар қаерда?

اَلدَّرْسُ السَّادِسُ عَشَرَ





طَبَّاخٌ مَطْبَخٌ اِلْتِفَاتٌ

اِحْتِرَامٌ قَوْلٌ طَبْخٌ

خَادِمَةٌ

خَادِمٌ سُوقٌ سَمَاعٌ دَائِمًا

يَمِينٌ شِمَالٌ مَحَابِرُ لاَ تَلْعَبْ لاَ تَلْعَبُوا

اِحْتَرِمْ مُعَلِّمَكَ دَائِمًا. اَلْمُهْرُ يَرْكُضُ اَمَامَ الْحِجْرِ. اِحْتَرِمْ اَبَاكَ وَاُمَّكَ وَجَدَّكَ وَجَدَّتَكَ وَاِخْوَتَكَ وَاَخَوَاتِكَ. لاَ تَلْعَبْ وَقْتَ الدَّرْسِ. اِسْمَعْ قَوْلِي. اُنْظُرْ وَقْتَ الدَّرْسِ اَمَامَكَ دَائِمًا وَلاَ تَلْتَفِتْ يَمِينًا وَشِمَالاً. اَلطَّبَّاخُ يَطْبَخُ الطَّبِيخَ فِي الْمَطْبَخِ. اَيْنَ السِّكِّينُ؟ – فِي الْمَطْبَخِ. لِمَ تَنْظُرُونَ مِنَ الشُّبَّاكِ؟ – لاَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

تَنْظُـــرُوا. رَكِبَ الخَادِمُ الحِصَانَ. لاَ تَضْحَكُوا وَقْتَ الدَّرْسِ. خَرَجْتُ اِلَي السُّوقِ فَاشْتَرَيْتُ اَقْلاَمًا وَمَسَاطِرَ وَكَرَارِيسَ وَمَحَابِرَ. لاَ تَأْخُذْ قَلَمِي، لِمَ اَخَذْتَ كُرَّاسِي يَا سُلَيْمَانُ؟ سَمِعْنَا قَوْلَكَ. سَمِعْتُ قَوْلَهُ. هَلْ سَمِعْتُمْ قَوْلِي؟ – نَعَـــمْ سَمِعْنَا. اَيْنَ الطَّبَّاخُ؟ – فِي الْمَطْبَخِ يَطْبَخُ الطَّبِيخَ. لاَ تَقْعُدْ عَلَي الْكُرُســيِّ. لاَ تَقْعُدُوا عَلَي الكَرَاسِيِّ. اَيْنَ الخَادِمَةُ؟ يَقُولُ الْمُعَلِّمُ لاَ تَلْعَبُوا اَيُّهَا التَّلاَمِذَةُ. التَّلاَمِذَةُ يَسْمَعُونَ قَوْلَ مُعَلِّمِهِمْ فَيَقْرَؤُنَ دُرُوسَهُمْ.

16-машқ. Дарс вақтида ўйнама. Нега ўйнаяпсан? Дарс вақтида ўнга ва чапга қарама. Хизматчи аёл қаерда? Бу ерда, ошхонада. Бу боғда юрма. Бу ерда ўйна. Бизнинг ҳовлида ўйна. Муаллимнинг олдида кулма. Бозорга чиқдингми? Ҳа, чиқдим. Қачон келдинглар? Ҳозиргина. Деразадан қараманглар. Сўзимни тингланглар. Муаллимингни ҳурмат қил. Нега жим турибсан? Ўқи. Бозорга чиқиб қаламларни сотиб олдим. Қаерда ошпаз? Ошхонада

اَلدَّرْسُ السَّابِعُ عَشَرَ



فَأْسٌ مِنْشَارٌ مِطْرَقَةٌ مِكْنَسَةٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

مُجْتَهِدٌ كَسْلاَنُ كَبِيرٌ صَغِيرٌ طَوِيلٌ قَصِيرٌ

جَدِيدٌ قَدِيمٌ حَادٌّ كَهَامٌ كَنْسٌ

تِلْمِيذٌ مُجْتَهِدٌ. تِلْمِيذٌ كَسْلاَنُ. شُبَّاكٌ كَبِيرٌ. بَابٌ صَغِيرٌ. قَلَمٌ طَوِيلٌ. عِجْلٌ كَبِيرٌ. مِسْطَرٌ قَصِيرٌ. فَأْسٌ كَهَامٌ. اَيْنَ الْمِكْنَسَةُ؟ كِتَابٌ قَدِيمٌ. قَلَمٌ جَدِيدٌ. مِنْهَـــرٌ صَـــغِيرٌ. رَجُلٌ طَوِيلٌ. سِكِّينٌ حَادٌّ. مِنْشَارٌ كَبِيرٌ. لَوْحٌ كَبِيرٌ. اِفْتَحِ الـــبَابَ الكَـــبِيرَ. اَيْـــنَ السِّكِّينُ الحَادُّ؟ اُكْتُبْ عَلَي اللَّوْحِ الكَبِيرِ. هَاتِ الْمِطْرَقَةَ. لاَ تَلْعَبْ اَيُّهَا التِّلْمِيذُ الكَسْلاَنُ. خُذْ قَلَمَكَ القَدِيمَ. هَاتِ كِتَابِي الْجَدِيـــدَ. فَتَحَ الْخَادِمُ البَابَ الكَبِيرَ. التِّلْمِيذُ الْمُجْتَهِدُ يَكْتُبُ عَلَي اللَّوْحِ الكَبِيرِ بِالتَّبَاشِيرِ. اُكْنُسِ البَيْتَ اَيُّهَا الخَادِمُ. ابْرِ قَلَمَكَ بِالْمِبْرَاةِ الحَادَّةِ. لِمَ اشْتَرَيْتَ كِتَابًا قَدِيمًا. احْتَرِمُوا آبَاءَكُمْ وَاُمَّهَاتِكُمْ. لاَ تَلْعَبُوا وَقْتَ الدَّرْسِ اَيُّهَا التَّلاَمِذَةُ الكُسَالَي. هَؤُلاَءِ التَّلاَمِذَةُ الْمُجْتَهِدُونَ يَقْرَؤُونَ دُرُوسَهُمْ.

17-машқ. Бу тиришқоқдир. Бу дангасадир. Кичкина дераза. Катта эшик. Катта эшикни оч. Эски қаламни бер. Қисқа қалам. Ўтмас пичоқ. Кичкина қадаҳ. Узун қаламни ол. Кичкина курсига ўтир. Нега ўқмаяпсан эй дангаса. Дарсни ўқи эй тиришқоқ ўқувчи. Катта эшикни очингиз. Катта эшикни очдик. Кичкина пиёла билан чой ичдим. Уйни супурги билан супур. Янги қаламни бер. Кичкина тойчоқ қаерда?

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَلدَّرْسُ الثَّامِنُ عَشَرَ

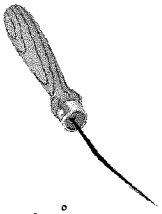

مِخْرَزٌ

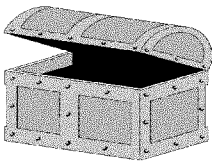

صُنْدُوقٌ

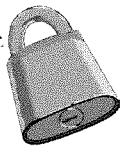

قُفْلٌ

مِفْتَاحٌ مَفَاتِيحُ صَنَادِيقُ مَخَارِزُ رَفِيعٌ وَضِيعٌ وَاسِعٌ

ضَيِّقٌ مُطِيعٌ عَاصٍ مُؤَدَّبٌ غَيْرُ مُؤَدَّبٍ جَمِيلٌ

قَبِيحٌ اِقْفَالٌ نَشْرٌ خَشَبٌ هُ. كَ. نِي.

كُرْسِيٌّ رَفِيعٌ. كُرْسِيٌّ وَضِيعٌ. وَلَدٌ مُطِيعٌ. وَلَدٌ عَاصٍ. تِلْمِيذٌ مُؤَدَّبٌ. قَلَمٌ جَمِيلٌ. مِنْشَارٌ كَبِيرٌ. صُنْدُوقٌ صَغِيرٌ. مِخْرَزٌ كَبِيرٌ. وَلَدٌ قَبِيحٌ. اَخِي يُقْفِلُ الصُّنْدُوقَ الكَبِيرَ. اَيْنَ الْمِفْتَاحُ؟ – هُنَا يَا اَخِي. هَاتِ القُفْلَ اُقْفُلِ البَابَ. التِّلْمِيذُ الْمُطِيعُ يُحِبُّهُ مُعَلِّمُهُ. نَشَرْتُ الخَشَبَ بِالْمِنْشَارِ الكَبِيرِ. قَطَعْتُ الخَشَبَ بِالْفَأْسِ الكَبِيرِ. الْمُعَلِّمُ يُحِبُّ التِّلْمِيذَ الْمُطِيعَ. الوَلَدُ العَاصِي لاَ يُحِبُّهُ مُعَلِّمُهُ. فَتَحْتُ الصُّنْدُوقَ الصَّغِيرَ. اُدْخُلِ الرَّدْهَةَ الوَاسِعَةَ. دَخَلْتُ الحُجْرَةَ الضَّيِّقَةَ. اَبُوكَ يُحِبُّكَ. اَخِي يُحِبُّنِي. اَكْتُبُ الْمَكْتُوبَ بِهَذَا القَلَمِ الجَمِيلِ. هَذَا وَلَدٌ مُؤَدَّبٌ اَنَا اُحِبُّهُ كَثِيرًا.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

18-машқ. Одобли бола. Одобсиз бола. Итоатли ўқувчи. Катта бузоқ. Катта курси. Чиройли қалам. Чиройли қаламни бер. Кичкина болтани ол. Кичкина арра. Узун ичоқ. Катта болта. Китоблар қаерда? Катта шкафда. Катта деразани очдим. Эшикни қулфладим. Катта эшикни қулфла. Бу катта сандиқ. Яхши курси. Супурги қаерда?

الدَّرْسُ التَّاسِعُ عَشَرَ

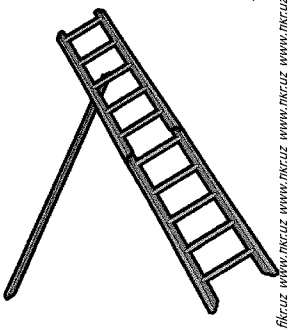

سُلَّمٌ

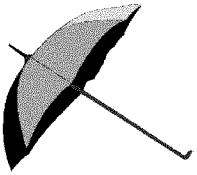

مِظَلَّةٌ

شَارِعٌ	مُرُورٌ	بَاكِرًا	مُتَأَخِّرًا	مَفْتُوحٌ	مُقْفَلٌ
اليَوْمَ	اللَّيْلَةَ	مَحْبُوبٌ	مَمْقُوتٌ	جَيِّدًا	سُقُوطٌ

هَذَا الشَّارِعُ طَوِيلٌ. هَذَا الوَلَدُ مَحْبُوبٌ. هَذَا الْمِقَصُّ جَمِيلٌ. اَقْفِلِ الْبَابَ جَيِّدًا. خُذْ هَذَا الْمِقَصَّ الجَمِيلَ. مَرَرْتُ بِالشَّارِعِ الجَدِيدِ. مَرَرْتُ بِالشَّارِعِ الكَبِيرِ مَعَ صَاحِبِي سَلِيمٌ. نَمْ بَاكِرًا وَقُمْ بَاكِرًا. جِئْتُ اليَوْمَ اِلَي الْمَدْرَسَةِ بَاكِرًا جِدًّا. سَقَطَ الوَلَدُ فِي الشَّارِعِ الكَبِيرِ فَبَكَي كَثِيرًا. التِّلْمِيذُ الْمُجْتَهِدُ مَحْبُوبٌ وَالتِّلْمِيذُ الكَسْلاَنُ مَمْقُوتٌ. البَابُ الكَبِيرُ مَفْتُوحٌ وَالبَابُ الصَّغِيرُ مُقْفَلٌ. جِئْتُ الْيَوْمَ إِلَي الْمَدْرَسَةِ مُتَأَخِّرًا. هَلْ قَرَأْتَ دَرْسَكَ يَا سَعِيدُ؟ —

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

نَعَـــمْ قَـــرَأْتُهُ وَحَفِظْـــتُهُ جَيِّدًا. وَلَدِي مُؤَدَّبٌ. لِمَ جِئْتَ مُتَأَخِّرًا؟ تِلْمِيذُكَ مُجْـــتَهِدٌ. هَذَا الكُرْسِيُّ رَفِيعٌ وَهَذَا وَضِيعٌ. اَنَا جِئْتُ اِلَي الْمَدْرَسَةِ بَاكِرًا وَجَاءَ اَخِي مَحْمُودٌ مُتَأَخِّرًا.

19-машқ. Бу курси кичкинадир. Бу эшик очиқдир. Бу бола одоблидир. Бу ўқувчи тиришқоқдир. Бу кўча каттадир. Менинг қаламим чиройлидир. Сенинг қаламинг узундир. Сенинг ўғлинг одоблидир. Тиришқоқ ўқувчи суюклидир. Дангаса ўқувчи суюксиздир. Эй ўғлим! ушбу яхши қаламни келиб олгин. Беринг, эй отам. Отга миниб кейин ўртоғимникига бордим.

الدَّرْسُ العِشْرُونَ

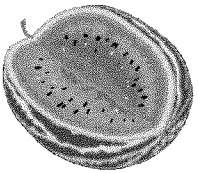

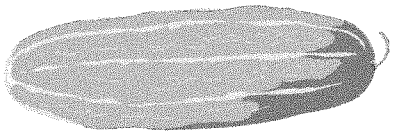

شَمَّامٌ بِطِّيخٌ

عِنَبٌ جِدًّا رَطْلٌ لَذِيذٌ مُرٌّ بِكُلِّ ارْتِيَاحٍ

بِكُلِّ سُرُورٍ تُفَّاحٌ بُرْتُقَالٌ لَيْمُونٌ لِ لِيَكْتُبَ لِيَقْرَأَ

سَـــلِيمٌ يُحِبُّ الْبُرْتُقَالَ كَثِيرًا. أَنَا اُحِبُّ التُّفَّاحَ جِدًّا. هُمْ يُحِبُّونَ الْبِطِّيخَ كُلْ هَذَا التُّفَّاحَ يَا فَرِيدُ. التُّفَّاحُ لَذِيذٌ جِدًّا. اِشْرَبِ الشَّايَ بِاللَّيْمُونِ. هَلْ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

تُحِبُّ الشَّمَّامَ يَا كَرِيْمُ؟– نَعَمْ أُحِبُّهُ جِدًّا. وَأَنَا أَيْضًا أُحِبُّهُ يَا كَرِيْمُ. أَبِي اِشْتَرَي رَطْلاً عِنَبًا. أَيُّوكَ اشْتَرَي بِطِّيخًا كَبِيرًا. هَذَا التُّفَّاحُ صَغِيرٌ جِدًّا. مَا هَـذَا يَا أَخِي؟– بُرْتُقَالٌ يَا أَخِي. مِنْ أَيْنَ أَخَذْتَهُ؟– اِشْتَرَيْتُهُ فِي السُّوقِ. مَنْ جَاءَ إِلَيْكَ الْيَومَ يَا صَابِرُ؟– صَاحِبِي سَعِيدٌ. مَتَي جِئْتَ إِلَي هُنَا؟– الآنَ فَقَطْ. هَلْ تَذْهَبُ مَعِي إِلَي السُّوقِ لِنَشْتَرِيَ اللَّيْمُونَ؟– بِكُلِّ سُرُورٍ. هَلْ تَذْهَبُ مَعِي إِلَي جُنَيْنَتِنَا؟– بِكُلِّ ارْتِيَاحٍ. هَلْ تَذْهَبُونَ إِلَي الْمَدْرَسَةِ؟ اِشْرَبُوا الشَّايَ. تَعَالَ يَا مَحْمُودُ نَذْهَبُ إِلَي الْجُنَيْنَةِ لِنَأْكُلَ التُّفَّاحَ. أَنَا أَذْهَبُ إِلَي الْبَيتِ لآخُذَ أَخِي ثُمَّ نَذْهَبُ إِلَي الْجُنَيْنَةِ.

20-машқ. Апелсин лаззатлидир. Лимон аччиқдир. Бу тарвуз. Бир қадоқ олмани сотиб олдим. Апелсинни яхши кўрасанми? Ҳа жуда яхши кўраман. Мен билан бирга боғга борасанми? Бораман. Бир қадоқ узумни сотиб олдим. Бу қовун лаззатлидир. У олмани яхши кўради. Мен қовунни яхши кўраман. Олма ейиш учун боғга жўнадик. Мен билан бирга бозорга борасанми?

اَلدَّرْسُ الحَادِي وَالعِشْرُونَ



وَاحِدٌ اِثْنَانِ ثَلاثَةٌ اَربَعَةٌ خَمسَةٌ سِتَّةٌ

مِلِّيمٌ وَاحِدٌ

سَبعَةٌ ثَمَانِيَةٌ تِسعَةٌ عَشَرَةٌ مِلِّيمٌ رُوبِلٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

قرشٌ جَنبِيهٌ قيمَةٌ كَمْ يُسَاوِى

ثَلاثَةُ كُتُب. تِسعَةُ أَقْلامٍ. عَشَرَةُ كَرَاريسَ. خَمسَةُ اَلوَاحٍ. سَبعَةُ مَسَاطِرَ. سِتَّةُ فُصُولٍ. ثَمَانِيَةُ شَبَابِيكَ. اَربَعَةُ سَكَاكِينَ. ثَمَانِيَةُ بُيُوت. تِسعَةُ سُرُرٍ. رَأَيتُ فِي سَاحَةِ الدَّارِ خَمسَةَ تَلامِذَةَ يَلعَبُونَ. رَأَيتُ سِتَّةَ تَلامِذَةَ يَقرَؤُونَ دُرُوسَهُم اَمَامَ مُعَلِّمِهِم. شَرِبتُ اَربَعَةَ فَنَاجِينَ شَايًا. فِي بَلْدَتِنَا يُوجَدُ سَبعَةُ مَسَاجِدَ. هَذَا الكِتَابُ يُسَاوِي قِرشًا. اشتَرَي اَبِي فَرَسًا قِيمَتُهُ خَمسُ جِنِيهَات. بِكَم اشتَرَيتَ هَذَا الكِتَابَ يَا اَخِي؟ بِعَشرِ مَلِّيمَات. عَطِشتُ كَثِيرًا فَشَرِبتُ خَمْسَةَ فَنَاجِينَ شَايًا. وَاحِدٌ وَوَاحِدٌ اثنَان. اثنَان وَاثنَان اَربَعَةٌ .نِمتُ اليَومَ كَثِيرًا. نِمتُ عَشْرَ سَاعَات. اشتَرَينَا اليَومَ خَمسَةَ اَرطَالٍ شَايًا وَتِسعَةَ اَرطَالٍ سُكَّراً وَشَمَّامًا وَبِطِّيخًا. قِيمَةُ هَذَا الثَّورِ خَمْسُ جِنِيهَاتٍ. اِشتَرَينَا هَذَا الدِّيكَ بِثَلاثَةِ قُرُوشٍ.

21-машқ. Бешта китоб. Учта қалам. Тўртта қадаҳ. Олтита каравот. Тўрт қадаҳ чойни ичдим. Олтита дафтарни сотиб олдим. Бу китоб тўққиз тийин туради. Бу қалам беш тийин туради. Буниси тўрт тийин туради. Бугун тўққиз соат ухладим. Ўн соат ухладим. Бир отни сотиб олдим. Баҳоси олти олтиндир. Битта каравотни саккиз сўмга сотиб олдим.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَلدَّرْسُ الثَّانِي وَالعِشْرُونَ

مَكْتَبَةٌ كُتُبِيٌّ اِشْتِغَالٌ عِشْرُونَ ثَلاَثُونَ

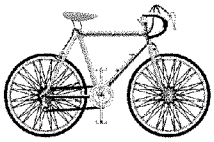

اَرْبَعُونَ خَمْسُونَ سِتُّونَ سَبْعُونَ

دَرَّاجَةٌ

ثَمَانُونَ تِسْعُونَ

عِشْــرُونَ كِــتَابًا. ثَلاَثُونَ تِلْمِيذًا. سِتُّونَ قَلَمًا. ثَمَانُونَ كُرَّاسًا. تِسْعُونَ مَلِّــيمًا. اِشْــتَرَيْتُ اليَوْمَ عِشْرِينَ كُرَّاسًا. فِي هَذَا الفَصْلِ يَتَعَلَّمُ ثَلاَثُونَ تِلْمِــيذًا. هَــذَا الكِتَابُ يُسَاوِي عِشْرِينَ مَلِّيمًا وَذَلِكَ ثَلاَثِينَ مَلِّيمًا. بَاعَ الكُتُبِيُّ عِشْرِينَ قَلَمًا وَسِتَّةَ كَرَارِيسَ وَاَرْبَعَةَ اَلْوَاحٍ وَثَلاَثِينَ مِسْطَرًا وَمِحْبَرَةً وَنَشَّافَةً. خَرَجَ الخَادِمُ اِلَي السُّوقِ فَاشْتَرَي ثَلاَثِينَ رَطْلاً عِنَبًا. اِشْتَغَلْنَا اليَوْمَ عَشْرَ سَاعَات. بِكَم اشْتَرَيْتَ هَذَا البِطِّيخَ يَا اَخِي؟ – بِعِشْرِينَ مَلِّيمًا. كَمْ يُسَــاوِي هَــذَا الفَرَسُ؟ – عَشْرَ جَنِيهَات. ذَهَبْتُ اِلَي مَكْتَبَةِ الْمَعَارِفِ فَاشْــتَرَيْتُ كُتُــبًا وَاَقْلاَمًا وَكَرَارِيسَ. اِرْكَبْ دَرَّاجَتَكَ. اَرْكَبُ دَرَّاجَتِي. اِرْكَبُوا دَرَّاجَاتِكُمْ. هَذَا الحِصَانُ يُسَاوِي تِسْعِينَ رُوبِلاً. اِشْتَرَيْنَا هَذَا الثَّوْرَ بِاَرْبَعِينَ رُوبِلاً ثُمَّ بِعْنَا بِخَمْسٍ وَخَمْسِينَ رُوبِلاً.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

22-машқ. Бешта бола. Тўққизта ўқувчи. Унта қалам. Йигирмата тахта. Отам бу ҳўкизни олтмиш сўмга сотиб олди. Қирқта дераза. Элликта дарс. Йигирмата пиёла. Ўттизта сиёҳдон. Бу ош эллик сўм туради. Буниси етмиш сўм. Бу ҳўкизнинг баҳоси қирқ сўм. Беш пиёла чой ичдим. Китоблар, қаламлар, дафтарлар, сиёҳлар ва чизғичлар кутубхонада сотилади.

اَلدَّرْسُ الثَّالِثُ وَالعِشْرُونَ



سَنَةٌ فَصْلٌ شَهْرٌ أُسْبُوعٌ يَوْمٌ

نَهَارٌ لَيْلٌ دَقِيقَةٌ ثَانِيَةٌ رَبِيعٌ

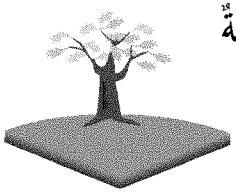

صَيْفٌ خَرِيفٌ شِتَاءٌ خَمْسَةَ عَشَرَ

ثَلاَثَةٌ وَعِشْرُونَ مِئَةٌ اَلْفٌ مِئَةٌ وَخَمْسَةَ عَشَرَ

فِي اليَوْمِ اَرْبَعٌ وَعِشْرُونَ سَاعَةً. فِي الشَّهْرِ اَرْبَعَةُ اَسَابِيعَ. فِي الأُسْبُوعِ سَبْعَةُ اَيَّامٍ: اَلْجُمْعَةُ، السَّبْتُ، الأَحَدُ، الإِثْنَان، الثُّلاَثَاءُ، الأَرْبِعَاءُ، الخَمِيسُ. ذَلِكَ البَيْتُ يُسَاوِي اَلْفَ رُوبِلٍ. اِشْتَغَلْتُ اللَّيْلَةَ خَمْسَ سَاعَاتٍ. فِي النَّهَارِ نَشْتَغِلُ وَفِي اللَّيْلِ نَنَامُ. فِي السَّنَةِ اَرْبَعَةُ فُصُولٍ: فَصْلُ الرَّبِيعِ، فَصْلُ الصَّيْفِ، فَصْلُ الخَرِيفِ، فَصْلُ الشِّتَاءِ. خَرَجْتُ اِلَى السُّوقِ فَدَخَلْتُ مَكْتَبَةً فَاشْتَرَيْتُ اَحَدَ عَشَرَ قَلَمًا وَمِئَةَ كُرَّاسٍ وَاَلْفَ رِيشَةٍ. كَمْ يُسَاوِي قَلَمُكَ؟ – خَمْسَ مَلِّيمَاتٍ. اِشْتَرَيْتُ هَذَا الكِتَابَ بِاَرْبَعٍ بِعِشْرِينَ مَلِّيمًا.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

فِـــي الشِّتَاءِ نَتَعَلَّمُ فِي الْمَدْرَسَةِ وَفِي الصَّيْفِ نَسْتَرِيحُ. فِي هَذَا الأُسْبُوعِ نَـــذْهَبُ اِلَـــى الغَابِ. فِي السَّنَةِ اثْنَي عَشَرَ شَهْرًا: اَلْمُحَرَّمُ، صَفَرٌ، رَبِيعُ الأَوَّلُ، رَبِـــيعُ الآخِرُ، جُمَادَي الأُولَي، جُمَادَي الآخِرَةُ، رَجَبٌ، شَعْبَانُ، رَمَضَانُ، شَوَّالٌ، ذُوالقَعْدَةِ، ذَوالحِجَّةِ.

23-машқ. Йил, фасл, кундуз, ҳафта, кеч, ой. Йигирма беш тийин. Ўттиз тўртта қалам. Ўттиз кун. Қирқта бузоқ. Ўттиз тўртта калит. Бизнинг мадрасада ўттиз тўртта ўқувчи ўқийди. Бизнинг синфда йигирма олти ўқувчи ўқийди. Мен ёз фаслини яхши кўраман. Ёз фаслини яхши кўрамиз. Қиш фаслида мадрасада ўқиймиз. Ёз фаслида дам оламиз.

اَلدَّرْسُ الرَّابِعُ وَالعِشْرُونَ

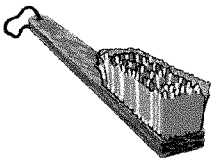

فُرْشَةٌ



اِبْرِيقٌ

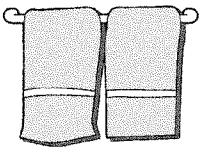

مِنْشَفَةٌ

يَتَوَضَّأُ يُصَلِّي صَابُونٌ غَسْلٌ تَنْشِيفٌ وَجْهٌ

صَلَاةٌ فَجْرٌ ظُهْرٌ عَصْرٌ مَغْرِبٌ عِشَاءٌ عِيدٌ طَسْتٌ

اَيْـــنَ الإِبْرِيقُ؟ اَيْنَ الْمِنْشَفَةُ؟ هَاتِ الصَّابُونَ اَغْسِلُ وَجْهِي. هَاتِ الإِبْرِيقَ اَتَوَضَّـــأُ. سَلِيمٌ يُصَلِّي الْمَغْرِبَ. صَلَّيْتُ الظُّهْرَ الْيَوْمَ فِي الْمَسْجِدِ الكَبِيرِ.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

صَلَّيْنَا الْجُمْعَةَ. صَلِّ الْعِشَاءَ. هَؤُلَاءِ الرِّجَالُ يُصَلُّونَ الْمَغْرِبَ. سَلِيمٌ يَتَوَضَّأُ وَفَرِيدٌ يُصَلِّي. تَوَضَّأَ عُثْمَانُ فَنَشَّفَ وَجْهَهُ بِالْمِنْشَفَةِ الْجَدِيدَةِ. تَوَضَّأْ ثُمَّ صَلِّ الْمَغْرِبَ. مَتَى صَلَّيْتَ الْعِشَاءَ؟ – الْآنَ فَقَطْ. هَذَا الْإِبْرِيقُ كَبِيرٌ جِدًّا. أَيْنَ الطَّسْتُ؟ أَيْنَ وَضَعْتَهُ؟ هَاتِ الْفُرْشَةَ. اشْتَرَى الْخَادِمُ سَبْعَةَ أَرْطَالٍ صَابُونًا. أَيْنَ الْخَادِمَةُ؟ اغْسِلْ وَجْهَكَ يَا عُمَرُ. اذْهَبْ إِلَى أَخِي مُحَمَّدٍ بَعْدَ صَلَاةِ الْعِيدِ. هَاتِ الْمِنْشَفَةَ يَا أَخِي. أَيْنَ صَلَّيْتَ الْعِيدَ يَا مَرْوَانُ؟ – صَلَّيْتُ فِي الْمَسْجِدِ الْحُسَيْنِيِّ. وَأَنْتَ أَيْنَ صَلَّيْتَهُ؟

24-машқ. Аср намози. Бомдод намози. Бугун хуфтон намозини масжидда ўқидим. Ҳайит намозини катта масжидда ўқидим. Юзимни /бетимни/ сочиқ билан артдим. Юзимни совун билан ювдим. Чўтка қаерда? Бу ерда. Сочиқни бер юзимни артаман. Кўза қаерда? Таҳорат олиб, кейин пешин намозини ўқидим. Шом намозини ўқи. Ҳайит намозини қаерда ўқидинг?

الدَّرْسُ الْخَامِسُ وَالْعِشْرُونَ



أُذُنٌ



عَيْنٌ

إِنْسَانٌ نَاسٌ رَأْسٌ شَعْرٌ جَبْهَةٌ حَاجِبٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

شَفَةٌ أَنْفٌ فَمٌ لِسَانٌ يَدٌ إِصْبَعٌ إِمْسَاكٌ

كَذِبٌ بَعْضٌ كُلٌّ لِي لَكَ

هَذَا اِنْسَانٌ. هَذَا أَنْفٌ. لِلإِنْسَانِ رَأْسٌ وَاحِدٌ وَأَنْفٌ وَاحِدٌ وَفَمٌ وَاحِدٌ وَلِسَانٌ وَاحِدٌ. بِالأُذُنِ نَسْمَعُ وَبِاللِّسَانِ نَتَكَلَّمُ وَبِالفَمِ نَأْكُلُ. بِاليَدِ نُمْسِكُ وَبِالعَيْنِ نَرَي. اَمْسِكْ هَذَا الْقَلَمَ بِيَدِكَ. احْفَظْ لِسَانَكَ مِنَ الكَذِبِ. شَعْرُ مَحْمُود طَوِيلٌ وَشَعْرُ اَحْمَدَ قَصِيرٌ. اغْسِلْ يَدَكَ قَبْلَ الأَكْلِ وَبَعْدَ الأَكْلِ. مَتَي رَأَيْتَ سَلِيمًا يَا اَخِي؟ – رَأَيْتُهُ الْيَوْمَ قَبْلَ الظُّهْرِ. رَأَيْتُ صَاحِبِي فَرِيدًا بَعْدَ الْمَغْرِبِ يَلْعَبُ فِي الْجُنَيْنَةِ. نِمْتَ اليَوْمَ بَاكِرًا جِدًّا. بَعْضُ التَّلاَمِذَةِ مُجْتَهِدُونَ وَبَعْضُهُمْ كُسَالَي. لِكُلِّ يَدٍ خَمْسُ اَصَابِعَ، الإِبْهَامُ، السَّبَّابَةُ، الْوُسْطَي، الْبِنْصَرُ، الخِنْصَرُ. فِي السَّنَةِ اثْنَي عَشَرَ شَهْرًا افْرَنْجِيًّا يَنَايِرُ، فِبْرَايِرُ، مَارِسُ، اَبْرِيلُ، مَايُو، يُونْيُو، يُولْيُو، اَغُسْطُسُ، سِبْتَمْبِرُ، اُكْتُوبِرُ، نُوفَمْبِرُ، دِسَمْبِرُ.

25-машқ. Ўн икки ойнинг номларини ёддан айтиб беринг. Бу бурундир. Бу оғиздир. Бу нима? Салимнинг боши каттадир. Фариднинг боши кичкинадир. Кимнинг боши каттадир? Кимнинг боши кичик? Кимнинг сочи қисқа? Кимнинг сочи узун? Менинг укамнинг сочи узун. Қўлингни овқатлангандан кейин ювгин. Қўлларингизни овқатланишдан олдин ювинглар. Тилингни ёлғондан сақла.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَلدَّرْسُ السَّادِسُ وَالعِشْرُونَ



جَفْنٌ هُدْبٌ



عُنُقٌ كَفٌّ اَنْمُلٌ ظُفْرٌ شَارِبٌ فَخِذٌ

تَحْرِيكٌ اَبَدًا لاَ لاَ يَكْذِبُ اَسْوَدُ اَبْيَضُ

شَـــارِبٌ اَبْـــيَضُ. شَارِبٌ اَسْوَدُ. عُنُقِي طَوِيلٌ. هَذَا الْهُدْبُ اَسْوَدُ. عُنُقُكَ قَصِيرٌ. احْفَظُوا لِسَانَكُمْ مِنَ الكَذِبِ. التِّلْمِيذُ الْمُؤَدَّبُ لاَ يَكْذِبُ اَبَدًا. لِمَ لاَ تَكْتُبُ مَكْتُوبَكَ. الأَوْلاَدُ الْمُؤَدَّبُونَ لاَ يَكْذِبُونَ. خَمْسُ اَنَامِلَ. هَلْ تُحِبُّ الْبُرْتُقَالَ؟– نَعَمْ اُحِبُّهُ جِدًّا. وَهَلْ تُحِبُّ اللَّيْمُونَ؟– لاَ، لاَ اُحِبُّهُ. هَذَا اَنْفِي. هَـــذَا رَأْسُـــكَ. شَعْرُ جَدِّي اَبْيَضُ. شَارِبُ اَبِي اَبْيَضُ. لِكُلِّ كَفٍّ خَمْسُ اَصَـــابِعَ وَلِكُلِّ اِصْبَعٍ ظُفْرٌ. شَعْرُ سَلِيمٍ اَسْوَدُ. لاَ تَكْذِبْ اَبَدًا. لاَ تَكْذِبُوا اَبَـــدًا. هُـــدْبُكَ اَسْوَدُ. هَؤُلاَءِ التِّلاَمِذَةُ لاَ يَكْذِبُونَ. نَحْنُ لاَ نَكْذِبُ اَبَدًا. التِّلاَمِذَةُ الْمُجْتَهِدُونَ لاَ يَلْعَبُونَ وَقْتَ الدَّرْسِ. اِخْوَتُكَ لِمَ لاَ يَقْرَؤُونَ؟

26-машқ. Онамнинг сочи оқдир. Сенинг сочинг қорадир. Менинг кипригим қорадир. Узун киприк. Қисқа киприк. Укамнинг мўйлови узундир. Аҳмаднинг юзи оқдир. Дарс вақтида ҳечам ўйнамайман. Олмани жуда яхши кўраман. Лимонни ёқтирмайман. Ўйнама. Ўйнаманглар. Нега ўйнаяпсан. Нега ўқияпсиз. Булар куляптилар. Булар йиғлаяптилар.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَلدَّرْسُ السَّابِعُ وَالعِشْرُونَ

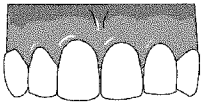

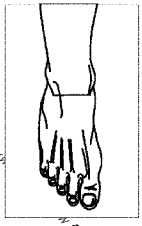

لِحْيَةٌ يَدٌ يُمْنَي يَدٌ يُسْرَي

سِنٌّ

شَفَةٌ عُلْيَي شَفَةٌ سُفْلَي

قَدَمٌ

رِجْلٌ رَاحَةٌ كَعْبٌ مِرْفَقٌ رُكْبَةٌ كُلُّ اَحَدٍ

مَا قَرَاَ مَا فَهِمَ اَحَدٌ مَا جَاءَ اَحَدٌ

رِجْـــلٌ يُمْنَـــي. رِجْـــلٌ يُسْرَي. جَفْنٌ اَعْلَي. جَفْنٌ اَسْفَلُ. لاَ تَأْكُلْ بِيَدِكَ الْيُسْـــرَي. كُلْ بِيَدِكَ الْيُمْنَي. لِكُلِّ يَدٍ مِرْفَقٌ وَلِكُلِّ رِجْلٍ رُكْبَةٌ. لاَ تُحَرِّكْ رِجْلَكَ وَقْتَ الدَّرْسِ. وَلاَ تَلْتَفِتْ يَمِينًا وَشِمَالاً. لِحْيَةُ اَبِي طَوِيلَةٌ. كُلُّكُمْ مُجْتَهِدُونَ. هَلْ قَرَأْتَ دَرْسَكَ الْيَوْمَ؟ لاَ، مَا قَرَأْتُهُ؟ هَلْ فَهِمْتُمُ الدَّرْسَ اَيُّهَا التِّلاَمِذَةُ؟– نَعَمْ فَهِمْنَاهُ جَيِّداً. هَلْ حَفِظْتُمُ الدَّرْسَ؟– لاَ، مَا حَفِظْنَاهُ. لِمَ، مَا حَفِظْتُمْ؟ هَلْ فَهِمْتُمُ الدَّرْسَ كُلُّكُمْ؟– نَعَمْ فَهِمْنَا كُلُّنَا. هَلْ كَتَبْتَ الْيَوْمَ اِلَي اَبِيكَ مَكْتُوبًا؟– لاَ، مَا كَتَبْتُ. فَهِمَ الدَّرْسَ الْيَوْمَ بَعْضُنَا وَمَا فَهِمَ بَعْضُنَا. لِكُلِّ كَفٍّ رَاحَةٌ. اِغْسِلْ يَدَكَ اِلَي الْمِرْفَقِ. غَسَلْتُ رِجْلِي اِلَي الْكَعْبِ.

27-машқ. Устки лаб. Остки лаб. Ўнг оёқ. Чап оёқ. Соқол. Мўйлов. Тизза. Тирсак. Бугун Фаридга хат ёздингми? Ҳа ёздим. Дарсингни ёдладингми? Йўқ ёдламадим. Бозорга чиқдингми? Йўқ чиқмадим. Дарсингни ўқидингми? Ўқитувчи келдими? Йўқ келмади. Дарсни ҳаммангиз фаҳмладингизми? Ҳаммамиз фаҳмладик.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَلدَّرْسُ الثَّامِنُ وَالعِشْرُونَ



قِطَارٌ

صَبَاحًا مَسَاءً غَداً اَمْسِ كَيْفَ كَيْفَ حَالُكَ؟

حَفِظَكَ اللهُ سَيِّدِي عِنْدِي عِنْدَكَ عِنْدَهُ

مَحَطَّةٌ تَوَجُّهٌ سِكَّةٌ حَدِيدِيَّةٌ

هَذَا قِطَارٌ. هَلْ رَأَيْتَ القِطَارَ؟ نَعَمْ رَأَيْتُهُ. عِنْدَكَ مَالٌ كَثِيرٌ. عِنْدَ فَرِيد قَلَمٌ جَمِيلٌ. رَأَيْتُ القِطَارَ فِي الْمَحَطَّة. عِنْدِي كِتَابُ مَبْدَا القِرَاءَة. مَتَي جِئْتَ اِلَـــي بَلْدَتِنَا؟– اَمْسِ وَقْتَ الظُّهْرِ. جِئْتُ اليَوْمَ اِلَي الْمَدْرَسَة بَاكِرًا جِدًّا، جِئْتُ فِي السَّاعَة السَّابِعَة. هَلْ عَرَفْتَ دَرْسَكَ؟– نَعَمْ عَرَفْتُهُ جَيِّدًا. اِقْرَأْهُ اِسْـــمَعَ. كَـــيْفَ حَالُـــكَ يَا سَعِيدُ؟– حَفِظَكَ اللهُ يَا كَرِيمُ. اَيْنَ سَلِيمٌ يَا فَاطِمَةُ؟– ذَهَبَ اِلَي الْمَدْرَسَة. مَتَي؟– الآنَ. اِشْتَغَلْتُ اَمْسِ مِنَ الظُّهْرِ اِلَي العَصْرِ. مَتَي تَجِيءُ اِلَيْنَا؟– غَدًا صَبَاحًا. هَلْ عِنْدَكَ كِتَابُ مَبْدَأ القِرَاءَة يَا سُـــلَيْمَانُ؟– لاَ يَـــا سَيِّدِي. لِمَ لاَ تَشْتَرِيْه هُوَ كِتَابٌ جَمِيلٌ جِدًّا. رَكِبْنَا القِطَارَ مِنْ مَحَطَّة اُورِنْبُورِغَ وَتَوَجَّهْنَا بَلْدَةَ قَازَانَ. ذَهَبْنَا اَمْسِ اِلَي الغَابِ. القِطَارُ يَمْشِي عَلَي السِّكَّة الحَدِيدِيَّة.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

28-машқ. Бугун жуда эрта турдим. Соат 8-00да турдинг. Кеча мадрасага соат 8-00да бордим. Қачон бизникига келасан? Бугун хуфтондан кейин. Қачон чой ичамиз? Қачон бозорга борамиз? Пешиндан олдин. Эртага бувамникига бораман. У мени жуда яхши кўради. Сенда қаламтарош борми? Ҳа, бор. Поездни кўрдингми? Кўрдим. Қаерда кўрдинг? Вокзалда.

الدَّرْسُ التَّاسِعُ وَالعِشْرُونَ

جَائِعٌ عَطْشَانُ كَرِيْمٌ بَخِيلٌ عَاصِمَةٌ

قَرْيَةٌ شُكْرٌ اِحْسَانٌ رُجُوعٌ بَقَاءٌ

أَقَارِبُ اَبْوَانِ رَخِيصٌ غَالٍ



اِحْتَرِمْ مُعَلِّمَكَ وَاشْكُرْهُ. الكَرِيْمُ مَحْبُوبٌ وَالبَخِيلُ مَمْقُوتٌ. هَذَا الكِتَابُ رَخِيصٌ وَهَذَا غَالٍ. هَذَا الرَّجُلُ بَخِيلٌ لاَ يُحْسِنُ اِلَي الفُقَرَاءِ. التِّلْمِيذُ الكَسْلاَنُ لاَ يُحِبُّهُ اَحَدٌ: لاَ مُعَلِّمُهُ وَلاَ اَبَوَاهُ وَلاَ اَقَارِبُهُ وَالتِّلْمِيذُ الْمُجْتَهِدُ يُحِبُّهُ كُلُّ النَّاسِ. قَازَانُ بَلْدَةٌ كَبِيرَةٌ. الْمَكَّةُ عَاصِمَةُ الإِسْلاَمِ. ذَهَبْنَا اَمْسِ فِي السَّاعَةِ الثَّالِثَةِ بَعْدَ الظُّهْرِ اِلَي الْمَحَطَّةِ فَرَكِبَ اَبُونَا القِطَارَ وَرَجَعْنَا نَحْنُ اِلَي البَيْتِ. قَرْيَتُنَا كَبِيرَةٌ. قَرْيَتُكُمْ صَغِيرَةٌ. اشْتَغِلْ بِدَرْسِكَ فَقَطْ. هَذَا الكِتَابُ غَالٍ يُسَاوِي خَمْسِينَ مَلِّيمًا. هَذَا جَائِعٌ وَهَذَا عَطْشَانُ. التِّلْمِيذُ الْمُؤَدَّبُ يَحْتَرِمُ مُعَلِّمَهُ وَيَشْكُرُهُ دَائِمًا. ذَلِكَ الرَّجُلُ كَرِيْمٌ. هَؤُلاَءِ اَقَارِبِي.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

تِلْمِـــيذِي يَشْـــكُرُنِي كَثِيرًا. نَذْهَبُ غَدًا صَبَاحًا اِلَي الغَابِ وَنَبْقَي فِيهِ اِلَي الْمَسَاءِ ثُمَّ نَرْجِعُ اِلَي الْبَيْتِ.

29-машқ. Булар менинг укаларим. Бу китоб жуда қиммат-дир. Бу китоб жуда арзондир. Ўқитувчингга ҳамиша раҳмат айт. Одобли ўқувчи суюклидир. Бизнинг қишлоғимиз кички-надир. Сизнинг қишлоғингиз каттадир. Сенинг отанг саҳий-дир. Унинг онаси бахилдир. Мен очман. Сен чанқагансан. Одобсиз ўқувчини ҳеч ким яхши кўрмайди. Дангаса ўқувчини яхши кўрмайман. Бу китоб неча сўм туради? 20 тийин. Жуда қиммат. Вокзалга бордим.

الدَّرْسُ الثَّلاَثُونَ

مُعَلِّمٌ مُعَلِّمَةٌ تِلْمِيذٌ تِلْمِيذَةٌ تَلاَمِيذُ تِلْمِيذَاتٌ

رَجُلٌ رِجَالٌ اِمْرَاَةٌ نِسَاءٌ هَذِهِ تِلْكَ كَبِيْرَةٌ مُؤَدَّبَةٌ

هَذَا رَجُلٌ. هَذِهِ امْرَأَةٌ. هَذَا تِلْمِيذٌ. هَذِهِ تِلْمِيذَةٌ. هَذَا مُعَلِّمٌ. هَذِهِ مُعَلِّمَةٌ. هَذَا التِّلْمِيذُ مُؤَدَّبٌ. هَذِهِ التِّلْمِيذَةُ مُؤَدَّبَةٌ. هَذِهِ الْمَرْأَةُ كَرِيْمَةٌ. هَذَا الْقَلَمُ جَمِـــيلٌ. هَذِهِ الْمَاسِكَةُ طَوِيلَةٌ. هَذِهِ النَّشَّافَةُ جَمِيلَةٌ. هَذِهِ الْمَدْرَسَةُ كَبِيْرَةٌ جِـــدًّا. مَدْرَسَـــتُكُمْ صَغِيْرَةٌ. اَيْنَ الْمُعَلِّمَةُ يَا فَاطِمَةُ؟– هُنَا فِي الْفَصْلِ يَا عَائِشَةُ. هَذِهِ الْمِمْحَاةُ جَمِيلَةٌ. مِقْلَمَتِي جَمِيلَةٌ جِدًّا. رَدْهَةٌ وَاسِعَةٌ. مِحْبَرَةٌ جَدِيـــدَةٌ. حُجْـــرَةٌ ضَيِّقَةٌ. كُرَةٌ كَبِيْرَةٌ. قِنِّينَةٌ صَغِيرَةٌ. فُرْشَةٌ جَمِيلَةٌ. مَتَي تَجِـــيءُ اِلَيْنَا؟– غَدًا فِي السَّاعَةِ الثَّانِيَةِ بَعْدَ الظُّهْرِ. مَعَ مَنْ تَجِيءُ؟– مَعَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

أُخْتِـــي الصَّغِيْرَةَ فَاطِمَةَ. مَنْ هَذِه يَا عُمَرُ؟– هَذِه أُخْتِي عَائِشَةُ يَا سَيِّدِي. هَذِه البَقَرَةُ غَالِيَةٌ وَتِلْكَ رَخِيصَةٌ. اِشْتَرَيْنَا هَذِه الدَّجَاجَةَ بِأَرْبَعِينَ مَلِّيمًا.

30-машқ. Бу ўқувчидир. Бу ўқувчи қиздир. Бу эркакдир. Бу хотиндир. Бу хотин камбағалдир. Бу ўқувчи қиз тиришқоқдир. Бу ўқувчи қиз одоблидир. Бу қалам янгидир. Бу мадраса каттадир. Бу синф кичкинадир. Муаллима қаерда? синфда. Бу кичкина қиз синглимдир. Кичкина хона. Катта хона. Кенг зал. Янги сиёҳдон. Эски сиёҳдон. Янги дафтарни бер. Эски сиёҳни ол.

اَلدَّرْسُ الحَادِي وَالثَّلاَثُونَ

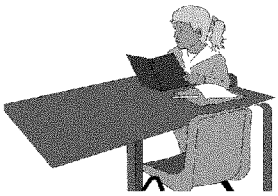

عَالِمٌ عُلَمَاءُ جَاهِلٌ جُهَلاَءُ

فَاضِلٌ فُضَلاَءُ تَقْرَأُ تَكْتُبُ هِيَ كُتَّابٌ

هَـــذَا الـــرَّجُلُ عَالِمٌ. هَذِه الْمَرْأَةُ عَالِمَةٌ. هَذَا الرَّجُلُ فَاضِلٌ. هَذِه الْمَرْأَةُ فَاضِلَةٌ. هِيَ جَاهِلَةٌ. هِيَ عَالِمَةٌ. هَذَا الْغَنِيُّ جَاهِلٌ. فَاطِمَةُ تَضَعُ الْكُتُبَ فِي الْمِحْفَظَةِ. بِنْتِي عَالِمَةٌ. بِنْتُكَ فَاضِلَةٌ. هَؤُلاَءِ الرِّجَالُ عُلَمَاءُ. هَؤُلاَءِ النِّسَاءُ فَاضِلاَتٌ. عَائِشَةُ تَقْرَأُ وَفَاطِمَةُ تَكْتُبُ. أُخْتِي فَاطِمَةُ تَقْرَأُ الدَّرْسَ فِي الْبَيْتِ وَأُخْـــتُكَ زُهْرَةُ تَلْعَبُ فِي الْجُنَيْنَةِ. تِلْكَ الْمُعَلِّمَةُ مُحْتَرَمَةٌ. اِحْتَرِمُوا هَذِه الْمُعَلِّمَـــةَ الفَاضِـــلَةَ. ضَعِ الأَقْلاَمَ فِي الْمِقْلَمَةِ. مَنْ فِي الْجُنَيْنَةِ؟– أُخْتِي

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الصَّغِيرَةُ كَرِيْمَةُ. هَلْ هِيَ تَلْعَبُ هُنَاكَ؟– نَعَمْ تَلْعَبُ مَعَ جَمِيلَةَ. مَنْ هَذِهِ يَا فَرِيدُ؟– هَذِهِ أُخْتِي حُبَيْبَةُ وَهِيَ تَتَعَلَّمُ فِي الْكُتَّابِ. هَؤُلَاءِ الْعُلَمَاءُ مُحْتَرَمُونَ. هَؤُلَاءِ التِّلْمِيذَاتُ الْمُجْتَهِدَاتُ مَحْبُوبَاتٌ. التِّلْمِيذَةُ الْمُؤَدَّبَةُ لَا تَكْذِبُ أَبَدًا. طَشْقَنْدُ بَلْدَةٌ كَبِيرَةٌ جِدًّا وَهِيَ عَاصِمَةُ الْأُزْبَكِسْتَانِ.

31-машқ. Фотима тиришқоқдир. Оиша одоблидир. Зуҳра дарсни ўқияпти. Жамила ҳовлида ўйнаяпти. Салима қаерда? Бу ерда дарсини ўқияпти. Фотима қаерда? Бу ерда ўқитувчисига хат ёзяпти. Бу эркак олимдир. Бу хотин нодондир. Олимлар ҳурматлидирлар. Боғда ким ўйнаяпти? Бу китоб каттадир. Фотима эшикни ёпяпти. Зуҳра деразани очяпти. Қизим чой ичяпти. Тошкент катта шаҳардир.

الدَّرْسُ الثَّانِي وَالثَّلَاثُونَ



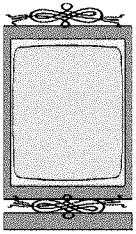

تَرَابِزَةَ هَا. كِ مِشْطٌ

مِرْآةٌ تَعَالِي تَمْشِيطٌ اُكْتُبِي يَا عَائِشَةُ

أَيْنَ الْمِرْآةُ يَا أُمِّي؟– هُنَا فَوْقَ التَّرَابِزَةِ يَا بِنْتِي. تَعَالِي يَا عَائِشَةُ أُمَشِّطُ شَعْرَكِ. اِقْرَئِي كِتَابَكِ يَا فَهِيمَةُ وَاحْفَظِي دَرْسَكِ جَيِّدًا. اِذْهَبِي إِلَيَّ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الكُتَّاب يَا سَلِيمَةُ الوَقْتُ جَاءَ. اُكْتُبِي مَكْتُوبًا الَي اَبِيك يَا زُهْرَةُ. اجْتَهِدِي كَـــثِيرًا يَـــا بِنْتِي. مَنْ هُنَاكَ فِي الحُجْرَةِ؟– اَنَا يَا اُمِّي، اُمَشِّطُ شَعْرِي. اَيْنَ كِتَابُك مَبْدَأُ القِرَاءة يَا حَلِيمَةُ؟ اشْرَبِي شَايَك. فَاطِمَةُ تَتَعَلَّمُ فِي مَدْرَسَتِنَا. شَـــعْرِي قَصِيرٌ وَشَعْرُ اُخْتِي فَاطِمَةَ طَوِيلٌ. كُلِي طَبِيخَك يَا فَرِيدَةُ. عَائِشَةُ تِلْمِيذَةٌ مُجْتَهِدَةٌ مُؤَدَّبَةٌ تُحِبُّهَا مُعَلِّمَتُهَا كَثِيرًا. اذْهَبِي الَي الكُتَّاب. اُكْتُبِي يَا عَائِشَةُ. اُنْظُرِي مِنَ الشُّبَّاك. هَؤُلاَء النِّسَاءُ فَاضِلاَتٌ. هَذِه الْمَاسِكَةُ غَالِيَةٌ تُسَاوِي خَمْسِينَ مَلِّيمًا وَتِلْكَ رَخِيصَةٌ تُسَاوِي خَمْسَ مَلِّيمَاتٍ.

32-машқ. Бу кўзгудир. Кўзгу қаерда? Тароқ қаерда? Эй Абдуллоҳ дарсингни ўқи. Эй қизим кўп ҳаракат қил. Эй Фотима тароғинг каттадир. Китобим қаерда эй қизим? Стол устида. Эй Салима! бизникига қачон келасан? Эртага, пешиндан кейин синглим Фотима билан келаман. Фотима жуда кўп ўқийди. Салима жуда оз ёзяпти. Зуҳра сочини тараяпти.

الدَّرْسُ الثَّالِثُ وَالثَّلاَثُونَ

تَنْظِيفٌ نَظِيفٌ يَكُونُ تَلْوِيثٌ وَسِخٌ اَمَّا

مَسْحٌ لِبَاسٌ هَاتِي كُنْ مَنْدِيلٌ فِرَاشٌ تَكْتُبِينَ

اَنْتِ تَقْرَئِيْنَ كَثِيْرًا يَا فَاطِمَةُ. اقْرَئِي كِتَابَك يَا بِنْتِي. الرَّجُلُ الكَرِيْمُ يَكُونُ مَحْـــبُوبًا وَالرَّجُلُ البَخِيلُ يَكُونُ مَمْقُوتًا. التِّلْمِيْذُ الْمُؤَدَّبُ لاَ يُلَوِّثُ لِبَاسَهُ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَبَــدًا وَيَكُــونُ دَائمًا نَظِيفًا. كُنْ دَائمًا نَظِيفًا وَلاَ تَكُنْ اَبَدًا وَسِخًا. هَلْ تَكْتُبِــيْنَ مَكْتُوبًا اِلَي اَبِيكِ؟– نَعَمْ اَكْتُبُ بَعْدَ سَاعَة. هَلْ تَذْهَبِيْنَ مَعِي اِلَي الْجُنَيْــنَة يَا سَعِيدَةُ؟– لاَ، لاَ اَذْهَبُ اَنَا مَشْغُولَةٌ جِدًّا. كُرَّاسِي نَظِيفٌ وَاَمَّا كُرَّاسُكَ فَوَسِخٌ. هَاتِي الْمِصْبَاحَ يَا فَرِيدَةُ.– خُذِي يَا اُمِّي. اشْرَبِي شَايَكِ. مَنْدِيلٌ نَظِيفٌ. هَاتِ الْفُرْشَةَ اَمْسَحُ لِبَاسِي. اَنْتِ تَجْتَهِدِينَ كَثِيْرًا يَا فَهِيمَةُ. حُجْــرَةٌ نَظِــيفَةٌ. حُجْرَتُكَ وَسِخَةٌ. فَاطِمَةُ تِلْمِيذَةٌ مُؤَدَّبَةٌ جِدًّا لاَ تُوَسِّخُ لِبَاسَهَا اَبَدًا وَتَكُونُ دَائمًا نَظِيفًا.

33-машқ. Кир бола суюксиздир. Озода бола суюклидир. Эй Саид юзингни юв. Фарид дарсини фаҳмлади. Эй Фотима нега бизникига келмайсан. Дастрўмолинг кир. Дастрўмолим тоза. Оиша каравотида ухлаяпти. Фотима дарсини ўқияпти. Эй Салим кўп ухлаяпсан. Эй синглим сен кўп тиришяпсан. Ҳалима тоза бўлгин, чунки одобли бола ҳамиша тоза бўлади. Кийимини ҳечам кир қилмайди.

الدَّرْسُ الرَّابِعُ وَالثَّلاَثُونَ



شَجَرٌ حَجَرٌ تَنْوِيمٌ اِحْضَارٌ لَبِنٌ

نَبَتْ لَعِبَتْ لَعِبْتِ مَا كَتَبْتُ بَعْدُ

اِعْطَاءٌ حَاضِنَةٌ وَلِيدٌ مَهْدٌ قَمْطٌ قِمَاطٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

فِي جُنَيْنَتِنَا يُوجَدُ اَشْجَارٌ كَثِيْرَةٌ. وَفِيهَا يَنْبُتُ التُّفَّاحُ وَالبُرْتُقَالُ وَالعِنَبُ. نَحْنُ نَلْعَبُ فِيهَا بَعْدَ مَجِيئِنَا مِنَ الكُتَّاب. الوَلِيدُ يَنَامُ فِي الْمَهْد. اَيْنَ مِحْفَظَتِي يَا اُمِّي؟– لاَ اَعْرِفُ، اَيْنَ وَضَعْتَهُ بَعْدَ مَجِيئِكَ مِنَ الكُتَّاب. هَلْ اَحْضَرْتِ دَرْسَكِ يَا فَرِيْدَةُ؟– نَعَمْ اَحْضَرْتُهُ. وَاَنَا مَا اَحْضَرْتُهُ بَعْدُ. هَؤُلاَءِ التِّلاَمِذَةُ يُحْضِرُونَ دُرُوسَهُمْ. هَلْ اَحْضَرْتِ دَرْسَكِ يَا زُهْرَةُ! لَعِبَتْ فَاطِمَةُ فِي الْجُنَيْنَةِ مَعَ اُخْتِهَا عَائِشَةَ. اَيْنَ القِمَاطُ؟ قَامَتْ عَائِشَةُ فَقَرَأَتْ دَرْسَهَا. سَقَطَتْ فَرِيدَةُ فِي الشَّارِعِ فَبَكَتْ كَثِيْرًا. تَكَلَّمْتِ كَثِيْرًا يَا بِنْتِي اُسْكُتِي. البَيْتُ يَبْنُونَهُ مِنَ الْحَجَرِ وَاللَّبِنِ وَالْخَشَبِ. اَيْنَ الوَلِيدُ؟– يَنَامُ فِي الْمَهْدِ. فَرِيدَةُ تَنَامُ فِي الْمَهْدِ. الْحَجَرُ يَبْنُونَ مِنْهُ البُيُوتَ. الْحَاضِنَةُ تَنَوِّمُ الوَلِيدَ. هَاتِي القِمَاطَ يَا فَاطِمَةُ اَقْمِطِ الوَلِيدَ.

34-машқ. Салим ҳозир қаерда? Нега ҳозир йиғлаяпти? Мен билан ўйнайсанми эй Саид? Ҳа ўйнайман. Эй Жамила! қачон сотиб олдинг бу «Араб тили дарслигини»? Кеча. Неча сўмга сотиб олдинг? Ўттиз тийинга. Эй қизим кўп ўйнадинг. Эй қизим аканга хат ёздингми? Йўқ ҳали ёзмадим. Бизнинг боғимизда олма ўсади. Ёғоч. Тош. Ғишт. Ғиштдан уй қурамиз. Қўлқопни бер.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَلدَّرْسُ الْخَامِسُ وَالثَّلاَثُونَ

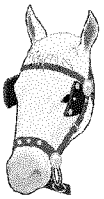



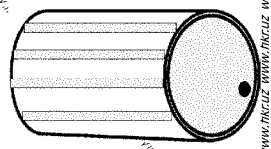

بَرْمِيلٌ قِدْرٌ كَمَّاشَةٌ مِبْرَدٌ مِجْرَفَةٌ لِجَامٌ

اَلْجَامٌ سَرْجٌ اِسْرَاجٌ حَدِيدٌ نُحَاسٌ قَصْدِيرٌ

فُولاَذٌ مُوسَي آلَةٌ صَنْعَةٌ مَاذَا ؟ وَغَيْرُ ذَلِكَ

بَرْمِيلٌ كَبِيْرٌ. اَيْنَ الْمَاءُ؟– فِي البَرْمِيلِ الصَّغِيْرِ. اَيْنَ الْمِبْرَدُ؟ سَرْجٌ جَمِيْلٌ. اِسْــرِجِ الفَــرَسَ اَيُّهَــا الْخَادِمُ. هَلْ اَلْجَمْتَ الفَرَسَ اَيُّهَا الْخَادِمُ؟– نَعَمْ اَلْجَمْــتُهُ. اَيْــنَ صَاحِبَتِي فَرِيدَةُ؟– هُنَا فِي الْحُجْرَةِ. مَاذَا تَصْنَعُ فِيهَا؟– تَحْضِــرُ دَرْسَهَا. مِنَ الفُولاَذِ يَصْنَعُونَ الْمِبْرَاةَ وَالْمُوسَي وَغَيْرَ ذَلِكَ مِنَ الآلاَتِ. اَيْــنَ تَذْهَبُ يَا يُوسُفُ؟–اِلَي اُخْتِي فَهِيمَةَ. مَاذَا تَصْنَعُ هُنَاكَ؟– اَلْعَبُ مَعَ ابْنِهَا فَرِيدٍ. سَعِيدٌ يُلْجِمُ فَرَسَهُ.



خُذْ هَذَا



اُقْعُدْ عَلَي



اَلْحَدِيــدُ يَصْــنَعُونَ مِــنْهُ الْمِقَصَّ وَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz



وَ الْكَمَّاشَةَ وَ



وَ

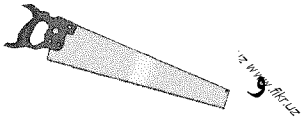

وَ

وَغَيْرَ ذَلِكَ مِنَ الآلاَتِ



مِنَ الشَّبَهِ

هَذَا الكَلْبُ



اللَّحْمَ

اِعْطِ



يُسَاوِي خَمْسًا وَثَلاَثِيْنَ مِلِّيْمًا

هَذَا

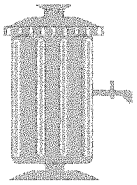

يَصْنَعُونَ



يَصْنَعُونَ

مِنَ النُّحَاسِ وَمِنَ الْحَدِيدِ الْمَصْبُوبِ

35-машқ. Бу нима?- темир. Бу нима?- омбир. Бу юган неча сўм туради? уч сўм туради. Темирдан нималарни ясайдилар?- болта пичоқ ва бошқа асбобларни ясайдилар. Қаерда пичоқ?- бу ерда ҳовлида. Сув қаерда? Қозонда. Отни юганладингми? Отни эгарладингми? Самаворни жездан /мисдан/ ясайдилар. Эговни бер. Чизғични бер.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَلدَّرْسُ السَّادِسُ وَالثَّلاَثُونَ

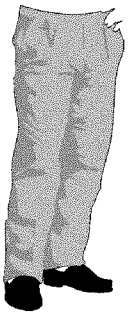

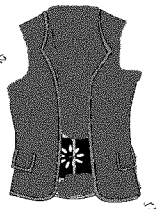

لِبَاسٌ اَلْبِسَةٌ قَمِيصٌ سِرْوَالٌ

طُرْبُوشٌ رِدَاءٌ قِمَاشٌ صُدْرَةٌ

بَانْطَالُونُ

دُرَّاعَةٌ تَغَدِّي تَعَشِّي غَدَءٌ

عَشَاءٌ لَمَّا اَكْبَرُ اَصْغَرُ لُبْسٌ نَزْعٌ تَقْدِيمٌ خِيَاطَةٌ

اَلْبَسْ رِدَاءَكَ. هَذَا الرِّدَاءُ طَوِيلٌ جِدًّا. هَذَا الطُّرْبُوشُ جَمِيلٌ. اِنْزَعْ صُدْرَتَكَ الْقَدِيمَةَ وَالْبَسْ صُدْرَتَكَ الْجَدِيدَةَ. فَرِيدٌ يَنْزَعُ صُدْرَتَهُ. اَلْبِسْتُكَ وَسِخَةٌ جِدًّا نَظِّفْهَا بِالْفُرْشَةِ. اَلْخَادِمَةُ تُنَظِّفُ الأَلْبِسَةَ بِالْفُرْشَةِ. اَلْبَسْ دُرَّاعَتَكَ. لَبِسْتُ صُدْرَتِي وَبَنْطَالُونِي وَدُرَّاعَتِي. تَعَشَّيْنَا فِي السَّاعَةِ الثَّامِنَةِ. هَاتِي الْعَشَاءَ اَيَّتُهَا الْخَادِمَةُ. جِئْتُ يَوْمَ الْخَمِيسِ مِنَ الْكُتَّابِ فِي السَّاعَةِ الثَّانِيَةِ عَشَرَ. وَبَعْدَ قَلِيلٍ رَجَعَتْ اُخْتِي عَائِشَةُ اَيْضًا مِنْ كُتَّابِهَا. وَكَانَتْ هِيَ اَكْبَرَ مِنِّي. وَكَانَتْ تُحِبُّنِي كَثِيرًا. وَفِي السَّاعَةِ الثَّانِيَةِ قَدَّمَتْ لَنَا اُمِّي غَدَأً. فَلَمَّا اَكَلْنَا خَرَجْتُ اَنَا مَعَ اَبِي اِلَى السُّوقِ وَبَقِيَتْ عَائِشَةُ فِي الْبَيْتِ. وَفِي السُّوقِ اشْتَرَي لِي اَبِي طُرْبُوشًا وَصُدْرَةً وَبَنْطَالُونَ وَلأُخْتِي عَائِشَةَ قِطْعَةَ قِمَاشٍ لِتَخِيطَ لَهَا اُمِّي قَمِيصًا.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

وَاشْتَرَيْنَا لِأَخِي الصَّغِيْرِ فَرِيدٍ فُرُسًا مِنَ الْخَشَبِ وَفِي السَّاعَةِ الْخَامِسَةِ رَجَعْنَا لِلَي الْبَيْتِ وَاَعْطَيْنَا عَائِشَةَ قَمَاشَهَا وَفَرِيدًا فَرَسَهُ.

36-машқ. Шалвар. Кўйлак. Камзул. Бу шалвар узундур. Бу нимча тордир. Бу материал қимматдир. Янги шимимни бер. Янги кўйлагингни кий. Янги шимимни кийдим. Бу мендан каттадир. Бу мендан кичикдир. Мен Фариддан кичикроқман. Сен Фотимадан каттароқсан. Бу менинг онамдир. Соат 8-00да кечки овқатни едик. Фарид нимчасини ечяпти. Кечки овқатни келтир, эй хизматчи аёл.

الدَّرْسُ السَّابِعُ وَالثَّلَاثُونَ



طَاقِيَّةٌ



خُفٌّ بَنِيقَةٌ اُبْنَةٌ

زَرٌّ قَلَنْسُوَةٌ عِمَامَةٌ جَيْبٌ حِذَاءٌ جُرْمُوقٌ زِرٌّ

اِمَامٌ مُؤَذِّنٌ اَرْخَصُ اَغْلَي سَمْعًا وَطَاعَةً

عِنْدَمَا عِنْدَمَا اَذْهَبُ فَرْوَةٌ عُرْوَةٌ

اَيْـــنَ قَلَنْسُوَتُكَ؟ اَيْنَ طَاقِيَّتُكَ؟ هَاتِ قَلَنْسُوَتِي الْجَدِيدَةَ. هَاتِ خُفِّي. اَيْنَ بُنَيَّتِي يَا اُخْتِي؟ اِلْبَسْ جُرْمُوقَكَ. سَقَطَ زِرُّ قَمِيصِي. مَحْمُودٌ يَزُرُّ صُدْرَتَهُ. زُرَّ قَمِيصَكَ. لاَ تُلَوِّثْ لِبَاسَكَ اَبَدًا. نَظِّفْ لِبَاسَكَ. هَذِهِ القَلَنْسُوَةُ اَكْبَرُ مِنْ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

تلْـــكَ. خُفُّكَ اَغْلَي مِنْ خُفِّي. طَاقِيَّتُكَ اَرْخَصُ مِنْ طَاقِيَّتِي. اَيْنَ طَاقِيَّتُكَ الْجَدِيدَةُ؟– في البَيْتِ. لِمَ لاَ تَلْبَسُهَا؟– اَلْبَسُهَا عِنْدَمَا اَذْهَبُ اِلَي الْمَدْرَسَةِ. هَـــلْ اَخَذْتَ مَنْدِيلَكَ يَا ابْني؟– نَعَمْ اَخَذْتُهُ. اَيْنَ هُوَ؟– في جَيْبِي. اَلْبَسِي قَمِيصَكِ الْجَدِيدَ يَا عَائِشَةُ نَذْهَبُ اِلَي الكُتَّاب. سَمْعًا وَطَاعَةً يَا اُخْتِي. هَذِهِ الفَـــرْوَةُ رَخِيصَةٌ وَتِلْكَ غَالِيَةٌ. اَلْبَسْ عِمَامَتَكَ اَيُّهَا الْمُؤَذِّنُ. اَيْنَ خِذَائِي يَا اُمِّي؟ ضَعْ مَنْدِيلَكَ في جَيْبِكَ. العِمَامَةُ يَلْبَسُهَا أَئِمَّةُ الْمَسَاجِدِ وَالْمُؤَذِّنُونَ. عُرْوَةُ قَمِيصِي صَغِيرَةٌ بَنِيقَةُ قَمِيصِي وَاسِعَةٌ وَبَنِيقَةُ قَمِيصِكَ ضَيِّقَةٌ.

37-машқ. Бу дарс қийиндир. Бу шим кичкинадир. Бу салла каттадир. Бу дўппи кичкинадир. Бу маҳси ана у маҳсидан арзондир. Бу дўппи ана у дўппидан қимматдир. Дастрўмолинг қаерда? Чўнтагимда. Менинг шалварим сенинг шалварингдан қимматроқдир. Кел, кундузги овқатни еймиз. Кел, кечки овқатни еймиз. Дастрўмолингни ол. Кавушингни ол. Менинг ёқам тордир. Кўйлагим янгидир.

اَلدَّرْسُ الثَّامِنُ وَالثَّلاَثُونَ





قُبَّعَةٌ نَقْدٌ نُقُودٌ قُطْنٌ

قُفَّازٌ

جَوْرَبٌ

دِفَاءٌ شَيَّالٌ صُوفٌ مَتَاعٌ

تَاجِرٌ دُكَّانٌ كُتُبَ كَسْرٌ يُقْرَأُ ذِرَاعٌ جِزْمَةٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

عِنْدي نُقُودٌ كَثِيْرَةٌ. عِنْدَكَ مَالٌ كَثِيْرٌ. كُتبَ الْمَكْتُوبُ. حُفِظَ الدَّرْسُ. يَفْتَحُ الشُّبَّاكُ. كُسِرَ الْقَلَمُ. كُسِرَتِ الْمِحْبَرَةُ. القَمِيصُ يُلْبَسُ تَحْتَ الصُّدْرَةِ. الفَرْوَةُ تُلْبَسُ اَيَّامَ الشِّتَاءِ. عَلَي اللَّوْحِ يُكْتَبُ بِالتَّبَاشِيرِ. العَالِمُ يُكْرَمُ. لُوِّثَ الكُرَّاسُ الْجَدِيدُ. هَذَا جَوْرَبُ قُطْنٍ وَهَذَا جَوْرَبُ صُوفٍ. جَوْرَبُ قُطْنٍ اَرْخَصُ مِنْ جَوْرَبِ صُوفٍ. هَذِهِ القُبَّعَةُ اَكْبَرُ مِنْ تِلْكَ القُبَّعَةِ. بَاعَ التَّاجِرُ الْمَتَاعَ. خَرَجْتُ اِلَي السُّوقِ فَدَخَلْتُ دُكَّانًا فَاشْتَرَيْتُ ثَمَانِيَةَ اَذْرُعٍ قِمَاشًا. اَلْبَسِ القُفَّازَ اَيَّامَ الشِّتَاءِ. العُلَمَاءُ يُكْرَمُونَ. القَلَنْسُوَةُ تُلْبَسُ فَوْقَ الطَّاقِيَّةِ. اَلْبَسُ الدِّفَاءَ. لَبِسْتُ جِزمَتِي. اَيْنَ شَيَّالِي يَا اُمِّي؟ هُنَا يَا وَلَدِي. لَبِسْتُ فَرْوَتِي فَخَرَجْتُ اِلَي الدَّارِ.

هَذَا 

وَهَذِهِ 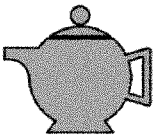

فَاطِمَةُ 

وَاَخُوهَا كَرِيمٌ 

هَذَا النَّجَّارُ 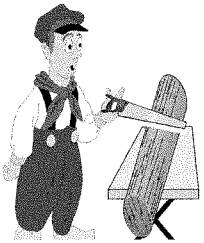

بِالْمِنْشَارِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

38-машқ. Дарс ўқилди. Дўппи кийилди. Сўз эшитилди. Кичкина дераза очилди. Катта қадаҳ синдирилди. Тўн қиш кунида кийилади. Муаллима ҳурмат қилинади. Кавуш тоза қилинди. Дафтаримни кир қилма. Дафтар кир қилинди. Савдогар молни сотди. Дўконда мол сотилди. Сиз ҳурмат қилинасиз. Биз ҳурмат қилинамиз. Пулларинг қаерда? Чўнтагимда. Кавушингни кий. Дўппингни кий.

اَلدَّرْسُ التَّاسِعُ وَالثَّلاثُونَ



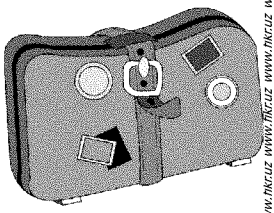

جَرَسٌ دَقَّ سَفَرٌ

مُسَافِرٌ سَاعَةُ الْجِدَارِ

حَقِيبَةٌ سَاعَةُ الْجَيْبِ جِدَارٌ سَقْفٌ سَاعَةٌ مُنَبِّهَةٌ

مِنْ زَمَانٍ أَ أَ انْتَ أَزَيْدٌ اَمْ اَمَا فَتَحَ

هَذَا جِدَارٌ وَهَذَا سَقْفٌ. هَذِه سَاعَةُ الْجَيْبِ وَهَذِه سَاعَةُ الْجِدَارِ. اشْتَرَيْتُ هَـذِه الْجِـزْمَةَ بِتِسْعِ رُوبِلاَتٍ وَاَرْبَعِيْنَ مَلِّيمًا. هَذِه الْحَقِيْبَةُ كَبِيْرَةٌ وَهَذِه صَـغِيْرَةٌ. دَقَّ الْجَرَسُ فَدَخَلَ التِّلاَمِذَةُ الْفُصُولَ. هَلْ دَقَّ الْجَرَسُ يَا عَبْدَ اللهِ؟– نَعَـمْ يَـا سَـيِّدِي دَقَّ مِنْ زَمَانٍ. اَمَا فَتَحْتَ الشُّبَّاكَ؟ هَلْ لَبِسْتَ دِفَـاءَكَ؟ اَمَا قَرَأْتَ دَرْسَكَ؟ أَ اَنْتَ وَسَّخْتَ هَذَا الْكُرَّاسَ؟ أَ اَنْتَ تَقُولُ هَـذَا الْقَوْلَ؟ كُنسَ الْبَيْتُ. يُفْتَحُ الشُّبَّاكُ. رَجَعَ الْمُسَافِرُ اِلَي بَلْدَتِه. اَمَا رَجَعَ كَرِيْمٌ مِنْ سَفَرِهِ؟ أَفَرِيدٌ كَتَبَ هَذَا الْمَكْتُوبَ اَمْ سَعِيدٌ. بِكَمِ اشْتَرَيْتَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

هَذِهِ الْحَقِيبَةُ؟– بِعَشْرِ رُوبِلاَتٍ يَا سَيِّدِي. اَمَا تَكْنُسُ الْبَيْتَ؟ اَيْنَ شَيَّالُكَ؟ هَذِهِ سَاعَةُ مُحَمَّد. اَسَعِيدٌ جَاءَ اِلَيْكُمْ اَمْ كَرِيْمٌ؟ هَذِهِ سَاعَةٌ مُنَبِّهَةٌ.

39-машқ. Қачон келдинг? Ҳозир. Келган киши Каримми ё Саид? Эшик очилди. Дераза очилди. Дўппи кийилди. Бу хатни сен ёздингми? Бу дафтарни сен кир қилдингми? Чамадонинг қаерда? Бу ерда, хонада. Соат қаерда? Саид сафардан қайтдими? Бу соат неча сўм туради? Беш сўм туради. Деворий соат қаерда? Ўйғотгич соат қаерда? Чўнтак соат стол устидадир. Бу сўзни сен айтдингми?

اَلدَّرْسُ الاَرْبَعُونَ

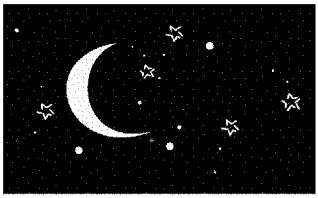

سَمَاءٌ اَرْضٌ شَمْسٌ مَطَرٌ

جَبَلٌ بَحْرٌ كَوْكَبٌ ثَلْجٌ

قَمَرٌ

بُحَيْرَةٌ نَهْرٌ طُلُوعٌ غُرُوبٌ نُزُولٌ صُعُودٌ

يَوْمٌ مُمْطِرٌ يَوْمٌ مُصْحٍ نَضْجٌ جُمُودٌ شَدِيدٌ بَرْدٌ حَرٌّ

طَلَعَ الْكَوْكَبُ. اَلقَمَرُ لاَ يُرَي فِي اللَّيْلِ الْمُمْطِرِ. نَزَلَ الْمَطَرُ. صَعِدْتُ الْجَبَلَ. هَؤُلاَءِ يَنْزِلُونَ مِنَ الْجَبَلِ. هَذَا الْجَبَلُ رَفِيعٌ جِدًّا. مَتَي تَجِيءُ اِلَيْنَا؟– غَدًا وَقْتَ غُرُوبِ الشَّمْسِ. فِي الصَّيْفِ يَطُولُ النَّهَارُ وَيَقْصُرُ اللَّيْلُ وَيَنْضَجُ الاَثْمَارُ كَالْبُرْتُقَالِ وَاللَّيْمُونِ وَالتُّفَّاحِ وَالعِنَبِ وَغَيْرِهَا. وَيَنْزِلُ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الاَمْطَارُ وَيَكُونُ الْحَرُّ شَدِيدًا. فِي الشِّتَاءِ يَقْصُرُ النَّهَارُ وَيَطُولُ اللَّيْلُ وَيَنْزِلُ الثُّلُوجُ وَيَجْمُدُ الاَنْهَارُ وَالبُحَيْرَاتُ وَيَكُونُ البَرْدُ شَدِيدًا جِدًّا. الكَوَاكِبُ لاَ تَطْلَعُ فِي اللَّيَالِي الْمُمْطِرَةِ. يَوْمٌ مُصْحٍ. يَوْمٌ مُمْطِرٌ. فِي البَحْرِ يَكْثُرُ السَّمَكُ. نَضِجَ الثَّمَرُ فِي حَدِيقَتِنَا. فِي اَيَّامِ الْحَرِّ نَغْتَسِلُ فِي الْبُحَيْرَةِ. السَّمَكُ كَثِيرٌ فِي نَهْرِنَا. ذَهَبْنَا يَوْمَ الْخَمِيسِ اِلَي الغَابِ وَكَانَ الْحَرُّ شَدِيدًا جِدًّا. فَاغْتَسَلْنَا فِي بُحَيْرَةٍ هُنَاكَ. وَبَقِيْنَا فِي الغَابِ اِلَي وَقْتِ الغُرُوبِ. ثُمَّ رَجَعْنَا اِلَي البَيْتِ. وَكَانَتْ اُمُّنَا اَحْضَرَتْ لَنَا عَشَاءً. فَتَعَشَّيْنَا وَشَرِبْنَا الشَّايَ. ثُمَّ صَلَّيْنَا العِشَاءَ. وَفِي السَّاعَةِ العَاشِرَةِ نِمْنَا عَلَي الفِرَاشِ.

40-машқ. Менинг тўшагим. Осмон. Ер. Тоғ. Ёмғир. Қор. Кўл. Дарё. Денгиз. Тоққа чиқдим. Ёмғир ёғди. Қор ёғди. Ёмғир кўп ёғди. Очиқ кун. Очиқ тун. Тоғдан тушдилар. Қуёш ботди. Қуёш ботгандан кейин боғга бораман. Бу ойдир. Бу юлдузлар. Сизнинг боғингизда мева кўпдир.

الدَّرْسُ الْحَادِي وَالاَرْبَعُونَ



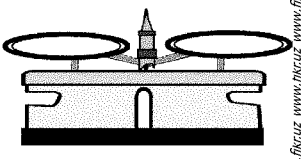

قَرِيبٌ بَعِيدٌ صَعْبٌ

سَهْلٌ وَزْنٌ مَسْئَلَةٌ

مِيزَانٌ

سَلَّةٌ

اِرَادَةٌ مُنْذُ قَطُّ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اِذَا اِذَا جَاءَ اَنْ يَجِبُ عَلَيْكَ يَجِبُ عَلَيْكَ اَنْ تَقْرَأَ دَرْسَكَ

اَيْـــنَ الْمِيزَانُ؟– هُنَاكَ فِي الدُّكَّان. وَزَنْتُ العِنَبَ بِالْمِيزَان. هَذه الْمَسْئَلَةُ صَـــعْبَةٌ جِدًّا وَهَذه سَهْلَةٌ. وَزَنْتُ التُّفَّاحَ. يُوزَنُ التُّفَّاحُ. فَرِيدٌ يَزِنُ التُّفَّاحَ بِالْمِيـــزَان. اَيْـــنَ وَضَعْتَ الْبُرْتُقَالَ؟– هُنَا فِي السَّلَّة. هَلْ رَأَيْتَ صَاحِبَكَ سَـــعِيدًا اليَوْمَ؟– لاَ، مَا رَأَيْتُهُ مُنْذُ خَمْسَة اَيَّام. هَلْ تَعْرِفُ مُعَلِّمَنَا يَا فَرِيدُ وَهَلْ رَأَيْتَهُ؟– لاَ، يَا سَيِّدِي لاَ اَعْرِفُهُ قَطُّ. دَرْسُنَا اليَوْمَ صَعْبٌ جِدًّا وَكَانَ دَرْسُ الأَمْـــسِ سَهْلاً جِدًّا. هَلْ تُرِيدُ اَنْ تَذْهَبَ مَعِيَ اِلَي السُّوق؟– نَعَمْ بِكُـــلِّ سُـــرُور. بَيْتِي قَرِيبٌ مِنَ السُّوق. بَيْتُكُمْ بَعِيدٌ مِنَ الْمَدْرَسَة. يَجِبُ عَلَـــي التِّلْمِـــيذ اَنْ يَحْتَرِمَ مُعَلِّمَهُ دَائِمًا. يَجِب عَلَيْنَا اَنْ نَحْتَرِمَ اَبَوَيْنَا. اِذَا اَرَدْتَ اَنْ تَكُـــونَ رَجُلاً عَالِمًا فَاجْتَهِدْ فِي دَرْسِكَ كَثِيرًا. يَجِبُ عَلَيَّ اَنْ اَقْـــرَأَ دَرْسِـــي. اِلْبَسِ الدِّفَاءَ اِذَا كَانَ اليَوْمُ بَارِدًا وَاِذَا اشْتَدَّ البَرْدُ فَالْبَسِ الفَـــرْوَةَ. خَرَجَتْ اُمِّي اِلَي السُّوق فَدَخَلَتْ دُكَّانًا فَاشْتَرَتْ ثَلاثَةَ اَرْطَال عِنَبًا وَبِطِّيخًا وَشَمَّامًا ثُمَّ رَجَعَتْ اِلَي البَيْت.

41-машқ. Олма саватда. Тарозу қаерда? Бу ерда. Олма қаерда? Мадрасага тўрт кундан бери бормадим. Сен дарсингни ёдлашинг керак. Бу дарс енгилдир. Бу дарс оғирдир. Бу масала жуда енгилдир. Буниси жуда оғирдир. Бизнинг уйимиз сизнинг уйингизга яқиндир. Сизнинг ўйингиз мадрасадан узоқдир. Салимни ҳеч кўрмадим. Ўқитувчингизни ҳеч кўрмадим. Олмани тарозуда тортдим. Усмонни кўрдингми? Йўқ уч кундан бери кўрмадим. /кўрганим йўқ/.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَلدَّرْسُ الثَّانِي وَلأَرْبَعُونَ

عَمٌّ عَمَّةٌ خَالٌ خَالَةٌ سُؤَالٌ جَوَابٌ خِتَنٌ



كُنْيَةٌ مَدْحٌ ذَمٌّ اِسْمٌ عَرِيسٌ عَرُوسٌ

وَحْدِي وَحْدَكَ وَحْدَهُ بَلْ اَحْيَانًا يُسَمَّي

سَأَلْتَ فَرِيدًا كِتَابًا زَوْجٌ زَوْجَةٌ سَأَلْتَ فَرِيدًا عَنْكَ

مَتَـــي تَجِيءُ اِلَيْنَا؟– غَدًا اِنْ شَاءَ اللهُ. تَجِيءُ وَحْدَكَ اَمْ مَعَ زَوْجَتِكَ؟– اَجِيءُ وَحْـــدِي. كَرِيمٌ زَوْجُ عَائِشَةَ. فَاطِمَةُ زَوْجَةُ عَبْدِاللهِ. هَذَا عَمِّي. هَذِهِ عَمَّتُكَ. هَـــؤُلاَءِ اَعْمَامُنَا. هَؤُلاَءِ خَالاَتِي. اَخْوَالِي يُحِبُّونَنِي كَثِيرًا. سَأَلْتُ فَرِيدًا كِتَابَهُ فَمَـــا اَعْطَانِـــي. مَا اسْمُكَ يَا وَلَدُ؟– عَبْدُ الْمُحْسِنِ. وَمَا اسْمُ اَبِيكَ؟– عَبْدُ الْكَرِيمِ. اَيْنَ اَبُوكَ الآنَ؟– هُوَ سَافَرَ اِلَي قَازَانَ. مَتَي يَرْجِعُ، اَلاَ تَعْرِفُ؟– لاَ، يَا سَيِّدِي لاَ اَعْرِفُ. مُعَلِّمِي يَمْدَحُنِي كَثِيرًا وَيُسَمِّينِي بِالتِّلْمِيذِ الْمُجْتَهِدِ وَاَمَّا اَخِـــي فَلاَ يَمْدَحُهُ. بَلْ يَذُمُّهُ اَحْيَانًا. هَذِهِ التِّلْمِيذُ يُسَمَّي مَحْمُودًا وَهَذَا اَحْمَدَ اِسْمُ هَذَا الوَلَدِ فَرِيدٌ. اِسْمُ هَذِهِ الْمَرْأَةِ زُهْرَةُ. سَأَلْتُكَ عَنْ مَسْئَلَةٍ فَمَا أَجَبْتَنِي. زَوْجَتِي مُعَلِّمَةٌ. زَوْجَةُ عُبَيْدِاللهِ اِمْرَأَةٌ صَالِحَةٌ. زَوْجُكِ مُعَلِّمٌ.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

42-машқ. Бу боланинг исми Абдулҳаким. Холамнинг эри Олимдир. Сендан Маҳмуд тўғрисида сўрадим жавоб бермадинг. Сеникига бир ўзим келдим. Эй ўқувчи исминг нима? Фарид. Кимнинг ўғлисан? Каримнинг ўғлиман. Фотима Абдуллоҳнинг хотинидир. Ўқитувчи Абдуллоҳни мақтади. Ўқитувчи Фаридни ҳамиша ёмонлайди. Умардан китобни сўрадим. Маҳмуд бизникига келди. Бу менинг амаким, буниси эса тоғам.

اَلدَّرْسُ الثَّالِثُ وَالأَرْبَعُونَ

صَحِيحٌ — طَبِيبٌ

مَرِيضٌ — دَوَاءٌ

دَاءٌ — مُعَايَنَةٌ

شِفَاءٌ — اِصَابَةٌ

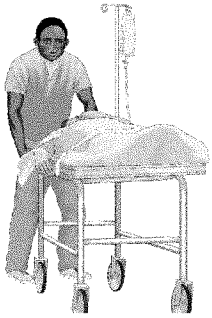

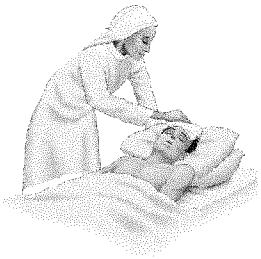

عِدَّةٌ اَثْنَاءَ مُسْتَشْفَي لَمْ يَكْتُبْ اَجْزَا خَانَةٌ (صَيْدَلِيَة)

اَنَـــا صَحِيحٌ وَاَنْتَ مَرِيضٌ. عَبْدُ اللهِ صَحِيحٌ وَاَخُوهُ عَبْدُ الرَّحْمَنِ مَرِيضٌ. اَعْطَـــي الطَبِيبُ الْمَرِيضَ دَوَاءً. اَيْنَ يُبَاعُ الأَدْوِيَةُ؟– فِي الأَجْزَاخَانَة. لاَ تَضْـــحَكُوا اَثْنَاءَ الدَّرْسِ. مَرِضَ عُثْمَانُ خَمْسَةَ اَيَّامٍ فَلَمْ يَذْهَبْ فِي اَثْنَائِهَا اِلَى الْمَدْرَسَة. اسْتَعْمِلِ الدَّوَاءَ اِذَا كُنْتَ مَرِيضًا. ذَهَبَ تِلْمِيذٌ اِلَى نَهْرٍ فِي

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

يَـــوْمٍ بَارِدٍ. فَاغْتَسَلَ هُنَاكَ فَأَصَابَهُ مَرَضٌ، فَأَخَذُوهُ اِلَي الْمُسْتَشْفَي، فَعَايَنَهُ الطَّبِيبُ فَكَشَفَ دَاءَهُ فَأَعْطَاهُ دَوَاءً. بَقِيَ التِّلْمِيذُ مَرِيضًا عَلَي فِرَاشِه عِدَّةَ أَيَّامٍ. وَكَانَ يَبْكِي كَثِيرًا. بَعْدَ ثَلاَثَةِ اَسَابِيعَ شُفِيَ التِّلْمِيذُ مِنْ مَرَضِه وَذَهَبَ اِلَـــي الْمَدْرَسَـــةِ. هَلْ سَأَلْتَ الْمُعَلِّمَ عَنْ هَذِه الْمَسْئَلَةِ الصَّعْبَةِ؟– لاَ، مَا سَأَلْتُهُ. لِمَ لَمْ تَسْأَلْهُ؟ كَانَ يَجِبُ عَلَيْكَ اَنْ تَسْأَلَهُ عَنْهَا.

43-машқ. Бу касалдир. Бу соғдир. Бу дори аччиқдир. Дори қаерда сотилади? дорихонада. Қаерга кетяпсан? дорихонага. Табиб касални қаради. Дорини истеъмол қил. Салим бугун мадрасага бормади. Мен соғломман. Фарид касал. Бир неча кун касал бўлдим. Касал шифо топди. Касалхонага бордим.

اَلدَّرْسُ الرَّابِعُ وَالأَرْبَعُونَ





شُجَاعٌ صَدِيقٌ عَدُوٌّ

جَبَانٌ لَيْسَ هُوَ لَيْسَ بِغَنِيٍّ

شَيْخٌ عَجُوزٌ

فَتَي اَنَا لَسْتُ بِفَقِيرٍ فَتَاةٌ

هَذَا الرَّجُلُ شَيْخٌ. هَذَا الرَّجُلُ شُجَاعٌ. هَؤُلاَءِ الرِّجَالُ شُيُوخٌ. هَذَا الشَّيَّالُ لَيْسَ بِغَالٍ. اَنَا شُجَاعٌ وَاَنْتَ جَبَانٌ. هَذِه الْعَجُوزُ فَاضِلَةٌ. هَذَا عَدُوُّكَ. هَذَا الـــرَّجُلُ لَـــيْسَ بِجَبَانٍ. هَذِه الْمَرْأَةُ لَيْسَتْ بِعَجُوزٍ. اَنْتَ صَدِيقِي. هَؤُلاَءِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَعْـــدَاؤُنَا. هَـــذه الفَتَاةُ بِنْتٌ تِلْكَ العَجُوزِ. صَدِيقُكَ عَالِمٌ. صَدِيقِي لَيْسَ بِمَـــرِيضٍ. عَدُوُّكَ لَيْسَ بِشُجَاعٍ. اَنَا لَسْتُ بِغَنِيٍّ. هُمْ لَيْسُوا بِفُقَرَاءَ. اَنْتِ لَسْـــتِ بِمُجْـــتَهِدَةٍ يَـــا زُهْرَةُ. اَنْتُمْ لَسْتُمْ بُبْخَلاَءَ. هَذِه الْحَقِيبَةُ لَيْسَتْ بِرَخِيصَـــةٍ. هُـــمْ لَيْسُوا بِكِرَامٍ. هَؤُلاَءِ النِّسَاءُ عَجَائِزُ. جَدِّي شَيْخٌ كَبِيرٌ. الشُّيُوخُ يُكْرَمُونَ. اَكْرِمِ الشَّيْخَ. اَكْرِمُوا العَجَائِزَ. هَذِه الفَتَاةُ مُعَلِّمَةٌ. هَذَا الفَتَي فَاضِلٌ. اَكْرِمُوا الشُّيُوخَ اَيُّهَا الفِتْيَانُ.

44-машқ. Бу менинг дўстим. Бу менинг душманим. Абдураҳмон камбағал эмас. Бу бахилдир. Бу бахил эмас. Сен қари эмассан. Улар бой эмаслар. Бу кампирдир. Бу киши қўрқоқдир. Бу эркаклар қўрқоқлардир. Бу қиз бизнинг мактабда муаллимадир. Қўрқоқ эркакни яхши кўрмайман. Сен дангасасан. Бу йигит олимдир. Мен дангаса эмасман. Дангаса бўлма. Дангаса ўқувчини ҳеч ким яхши кўрмайди. Сен қари эмассан.

اَلدَّرْسُ الْخَامِسُ وَالأَرْبَعُونَ

خَاتَمٌ فَصٌّ سِوَارٌ قُرْطٌ عِقْدٌ مَرْجَانٌ ذَهَبٌ

فِضَّةٌ مَعْدِنٌ لُؤْلُؤٌ اَلْمَاسٌ يَاقُوتٌ قَوِيٌّ

ضَعِيفٌ ظَنَّ اَظُنُّ فِي الفَصْلِ مِنْ فَضْلِكَ

خَاتَمِـــي مِنْ ذَهَبٍ وَفَصُّهُ مِنْ يَاقُوتٍ. فِي البَحْرِ يُوجَدُ اللُّؤْلُؤُ وَالْمَرْجَانُ. هَذَا الْخَاتَمُ غَالٍ جِدًّا يُسَاوِي ثَلاَثِيْنَ رُوبِلاً. هَذَا السِّوَارُ رَخِيصٌ يُسَاوِي خَمْسَ رُوبِلاَتٍ. اَيْنَ سِوَارِي يَا اُمِّي؟– اَظُنُّ فِي الْخِزَانَةِ. خَاتَمِي جَمِيلٌ.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

عِقْدي مِنْ لُؤْلُؤ. سِوَاري مِنْ فِضَّة وَخَاتَمي مِنْ ذَهَب. الْخَاتَمُ يُصْنَعُ مِنَ الـــذَّهَب وَالْفِضَّة وَغَيْر ذَلكَ منَ الْمَعَادن. هَذَا الرَّجُلُ قَويٌّ جدًّا هَؤُلاَءِ الـــرِّجَالُ أَقْوِيَاءُ. أَيْنَ قُرْطي يَا أُخْتي؟– لاَ أَعْرِفُهُ جَيِّدًا، اَظُنُّ في الْخزَانَة. أَنْتَ قَويٌّ وَأَنَا ضَعيفٌ. هَؤُلاَءِ الرِّجَالُ أَقْوِيَاءُ وَهَؤُلاَءِ ضُعَفَاءُ. بِنْتي تَلْبَسُ خَاتَم فِضَّة. الذَّهَبُ يَصْنَعُونَ منْهُ الأَسَاوِرَةَ وَالْخَوَاتمَ وَالسَّاعَات. لَبِسْتُ الْخَـــاتَمَ. هَـــذَا الْعِقْـــدُ جَميلٌ جدًّا. يَكُونُ الْفَتَي قَوِيًّا وَالشَّيْخُ ضَعِيفًا. الاَلْمَاسُ حَجَرٌ غَال جدًّا.

45-машқ. Узугим қаерда? Бу узук олтиндир. Бу ҳалқа кумушдир. Эй Саида билакузукни тақгин. Ҳалқамни қаерга қўйдинг. Мен кучлиман. Сен кучлисан. Бу узукнинг кўзи олмосдандир. Билакузук олтин ва кумушдан ясалади. Бу узук кимники? Меники. Узукни ол. Нега узукни олдинг?

الدَّرْسُ السَّادِسُ وَالأَرْبَعُونَ

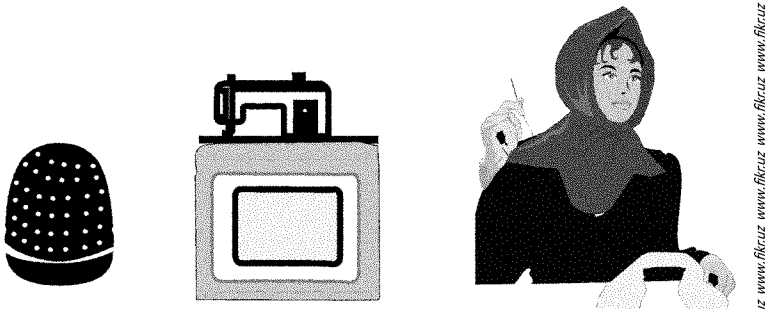

خَيَّاطَةٌ خَيْطٌ اِبْرَةٌ آلَةُ الْخِيَاطَةِ كُشْتُبَانٌ حَلاَّقٌ دُبُّـــوسٌ

نَجَّارٌ رَاتِبٌ مُسْتَخْدَمٌ اَحْمَرُ اَصْفَرُ لِمَنْ؟ لِمَنْ هَذَا الْقَلَمُ؟

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

أَيْنَ الْخَيْطُ؟ أَيْنَ الكُشْتُبَانُ؟ هَاتِ إِبْرَتِي. خُذْ آلَةَ الْخِيَاطَةِ. الْحَلاَّقُ يَحْلِقُ الشَّعَرَ بِالْمُوسَي. هَذَا الطُّرْبُوشُ أَحْمَرُ وَهَذَا أَبْيَضُ. النَّجَّارُ يَنْشُرُ الْخَشَبَ بِالْمِنْشَارِ. ذَهَبْتُ إِلَي الْخَيَّاطِ فَأَعْطَيْتُهُ قُمَاشًا لِيَخِيطَ لِي بَنْطَالُونَ وَصُدْرَةً. خَاطَتِ الْخَيَّاطَةُ قَمِيصًا لاِبْنَتِي حَمِيدَةَ. هَذَا الْقَمِيصُ أَصْفَرُ وَهَذَا أَبْيَضُ. لِمَنْ هَذَا الكُشْتُبَانُ؟ـ لِي يَا نَعِيمَةُ. احْلِقْ شَعَرِي مِنْ فَضْلِكَ. هَذَا الْمُسْتَخْدَمُ يَخْدِمُ عِنْدَنَا بِرَاتِبِ شَهْرِيٍّ قَدْرُهُ خَمْسُ جَنِيهَاتٍ. خَاطَتْ أُمِّي قَمِيصِي بِآلَةِ الْخِيَاطَةِ. لاَ تَخِيطِي قَمِيصِي بِالإِبْرَةِ. كَمْ رَاتِبُكَ؟ـ رَاتِبِي خَمْسُونَ رُوبِلاً. هَاتِي الدُّبُوسَ يَا فَهِيمَةُ. شَعْرُكَ طَوِيلٌ احْلِقْهُ بِالْمُوسَي.

46-машқ. Қизил кўйлак, оқ кўйлак. Ипни бериб, игнани ол. Сариқ кўйлак қаерда. Тикувчи шалвар тикди. Тикувчи аёл кўйлак тикди. Сартарош сочни олди. Бу менинг дўстим. Дурадгор ёғочни арралаяпти. Менинг шалваримни тик. Ангишвона қаерда. Тўғноғич /илгак/ қаерда.

الدَّرْسُ السَّابِعُ وَالأَرْبَعُونَ

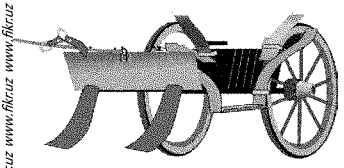

مِحْرَاثٌ



مِحَشٌّ



مِنْجَلٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

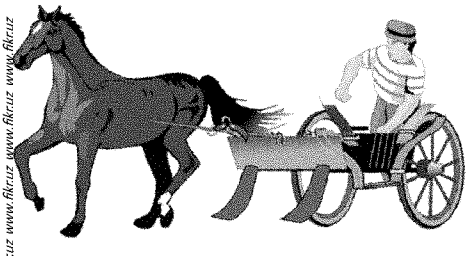

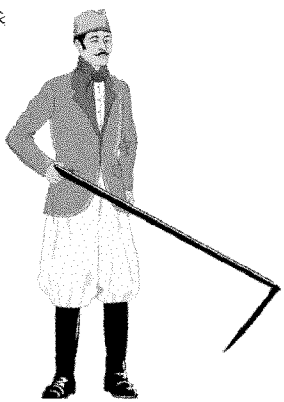

يَحْرِثُ

فَلاَّحٌ زَرْعٌ شَعِيرٌ قَمْحٌ

يَحُشُّ دَقِيقٌ نُخَالَةٌ حَشِيشٌ عُشْبٌ هُنَّ

اَنْتُنَّ يَكْتُبْنَ تَقْرَأْنَ اِفْهَمْنَ ذَهَبْنَ رَجَعْتُنَّ

اَلْفَلاَّحُ يَحْرِثُ الاَرْضَ بِالْمِحْرَاثِ. مِنْجَلِي حَادٌّ. اَلْفَلاَّحَةُ تَحْصُدُ الزَّرْعَ بِالْمِنْجَلِ. اِقْرَئِي دَرْسَكِ يَا فَاطِمَةُ. اِقْرَأْنَ دُرُوسَكُنَّ اَيَّتُهَا الْبَنَاتُ. مِنْجَلُكَ كَهَامٌ. هَذَا الْمِحَشُّ حَادٌّ جِدًّا. التِّلْمِيذَاتُ الْمُجْتَهِدَاتُ لاَ يَضْحَكْنَ اَثْنَاءَ الدَّرْسِ. اَخَوَاتِي يَكْتُبْنَ الْمَكْتُوبَ اِلَي اَبِي. الْفَرَسُ يَأْكُلُ الْعُشْبَ وَالْحَشِيشَ وَالشَّعِيرَ وَالنُّخَالَةَ. اَنْتُنَّ تَجْتَهِدْنَ اَيَّتُهَا الْبَنَاتُ؟ هَلْ قَرَأْتُنَّ دُرُوسَكُنَّ اَيَّتُهَا الْبَنَاتُ؟_ نَعَمْ قَرَأْنَاهَا. اَلْفَلاَّحُونَ يَشْتَغِلُونَ فِي الصَّيْفِ كَثِيرًا. يَحْرِثُونَ الاَرْضَ وَيَزْرَعُونَ وَيَحُشُّونَ الْحَشِيشَ وَيَحْصُدُونَ الزَّرْعَ. نَحْنُ نَلْعَبُ بَعْدَ الدَّرْسِ وَهَلْ تَلْعَبِينَ اَنْتِ يَا زُهْرَةُ؟

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

لِمَنْ هَذَا الْمِنْجَلُ؟ بِ  نَحْرِثُ الاَرْضَ وَبِ

  نَحْشُ الْحَشِيشَ وَبِ نَحْصُدُ الزَّرْعَ هَاتِ مِنْ فَضْلِكَ ذَلِكَ

غَالٍ

 يُوجَدُ فِي النَّهْرِ وَالبُحَيْرَةِ وَالبَحْرِ

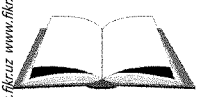 هَذَا

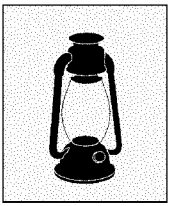 يُسَاوِي ثَلاَثَ رُوبِلاَتٍ

هَاتِي اَيَّتُهَا الفَتَاةُ فَاطِمَةُ تَقْرَأُ الدَّرْسَ وَاُمُّهَا

  وَ

 يُصْنَعُ

 وَ مِنَ الْحَدِيدِ

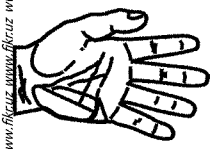 لِكُلِّ

خَمْسُ اَصَابِعَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

47-машқ. Бу ўқувчи ҳаракатчандир. Бу деҳқонлар ҳаракатчандирлар. Бу қизлар кўп интилувчилардир. Эй хизматчи аёллар деразаларни очдингизми? Бу ўроқ ўткирдир. Бу чалғи ўтмасдир. Эй ўқувчи қизлар дарсларни фаҳмлангиз. Ўқувчилар мактабга кетдилар. Деҳқон пичан ўряпти. Деҳқонлар ёздакўп шуғулланиб ерни ҳайдайдилар.

اَلدَّرْسُ الثَّامِنُ وَالأَرْبَعُونَ





اَلَّذِي اَلَّتِي

اَللَّذَينِ اَللَّوَاتِي

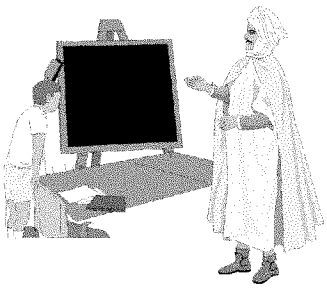

اَنَا الَّذِي اُعَلِّمُ هَذَا التِّلْمِيذَ اَنَا الَّتِي خِطْتُ هَذَا اللِّبَاسَ

اَنْتَ الَّذِي كَتَبْتَ هَذَا الْمَكْتُوبَ. اَنْتَ الَّذِي اشْتَرَيْتَ هَذَا الشَّالَ. اَنْتِ الَّتِي تُعَلِّمِينَ هَذِهِ التِّلْمِيذَةَ. اَنْتَ الَّتِي تُقَدِّمُ لَنَا الشَّايَ. هَلْ رَأَيْتَ التِّلْمِيذَ الَّذِي جَاءَنَا اَمْسِ. الْمَرْأَةُ الَّتِي تُعَلِّمُ التِّلْمِيذَاتِ تُسَمَّي مُعَلِّمَةً. الْخَيَّاطَاتُ هُنَّ اللَّوَاتِي يَخِطْنَ الثِّيَابَ. اِذَا لَمْ تَسْتَعْمِلِ الدَّوَاءَ الَّذِي اَعْطَاكَهُ الطَّبِيبُ لاَ تُشْفَي اَبَدًا. التِّلْمِيذَةُ الَّتِي لاَ تُطِيعُ مُعَلِّمَتَهَا لاَ تَكُونُ مَحْبُوبَةً. جَاءَنِي صَدِيقِيَ الَّذِي اُحِبُّهُ كَثِيرًا. يُقَالُ لِلرَّجُلِ الَّذِي لَيْسَ لَهُ زَوْجَةٌ عَذَبًا وَلِلْمَرْأَةِ الَّتِي لَيْسَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

لَهَا زَوْجٌ عَرَبَةً. يُقَالُ لِلرَّجُلِ الَّذي يُحْسِنُ اِلَي الفُقَرَاءِ كَرِيْمًا. اَلْمَرْأَةُ الَّتِي رَأَيْنَاهَا اَمْسِ فِي الْجُنَيْنَةِ هِيَ زَوْجَةُ عَلِيٍّ. اَلْفَتَاةُ الَّتِي رَأَيْنَاهَا اَمْسِ فِي الشَّارِعِ الْكَبِيرِ هِيَ ابْنَةُ مَحْمُود. التَّلاَمِذَةُ الَّذِينَ رَأَيْنَاهُمْ قَبْلَ الظُّهْرِ فِي الْجُنَيْنَةِ يَتَعَلَّمُونَ فِي الْمَدْرَسَةِ الْحُسَيْنِيَّةِ. الرَّجُلُ الَّذي يُعَلِّمُ الاَوْلاَدَ يُسَمَّي مُعَلِّمًا. الرَّجُلُ الَّذِي رَأَيْنَاهُ اَمْسِ فِي بَيْتِنَا هُوَ مُؤَذِّنُ الْمَسْجِدِ الْحُسَيْنِيِّ.

48-машқ. Кеча бизникига келган киши ўқитувчидир. Қизларни ўқитадиган аёлни муаллима деб айтилади. Бу ўқувчини ўқитувчиси менман. Бу китобни, дарсни яхши ўзлаштирган ўқувчига берамиз. Болаларни ўқитадиган одамни ўқитувчи деб айтилади. Камбағалларга эҳсон қиладиган одамни саҳий дейилади. Хотини йўқ кишини бева дейилади.

اَلدَّرْسُ التَّاسِعُ وَالأَرْبَعُونَ

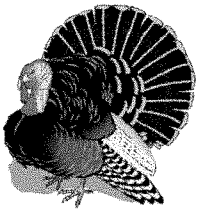

دِيكٌ رُومِيٌّ

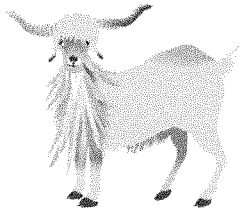

عَنْزَةٌ

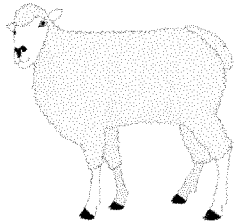

نَعْجَةٌ

اَهْلِيٌّ بَرِّيٌّ مِثْلُ طَيْرٌ طُيُورٌ حَيَوَانٌ حَيَوَانَاتٌ

اَرْنَبٌ جَمَلٌ ثَعْلَبٌ اَسَدٌ فَهْدٌ نَمِرٌ غَزَالٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

بَطٌّ حَمَامٌ بَبْغَاءُ عُصْفُورٌ بُومٌ نَسْرٌ

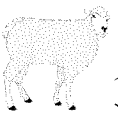


مِنَ الْحَيَوَانَاتِ مَا هُوَ اَهْلِيٌّ مِثْلُ البَقَرَةِ وَ وَ

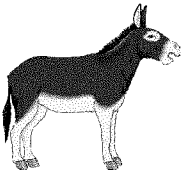



وَ وَالنَّعْجَةِ وَ وَالْهِرِّ وَ

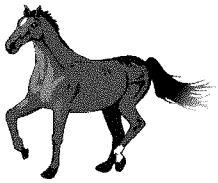

وَ وَمِنْهَا مَا هُوَ بَرِّيٌّ مِثْلُ الغَزَالِ

وَالاَرْنَبِ وَالثَّعْلَبِ وَالاَسَدِ وَالنَّمِرِ وَالدُّبِّ وَالذِّئْبِ وَالفَهْدِ



وَالطُّيُورُ مِنْهَا مَا هُوَ اَهْلِيٌّ مِثْلُ الدَّجَاجَةِ وَالدِّيكِ



وَالوَزِّ وَالطَّـــاوُوسِ وَالْحَمَامِ وَالبَبْغَاءِ وَالبُلْبُلِ



وَمِنْهَا مَا هُوَ بَرِّيٌّ مِثْلُ العُصْفُورِ وَ وَالنَّسْرِ




ذَنَبُ قَصِيرٌ وَاَمَّا ذَنَبُ فَطَوِيلٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz



فِي الغَابِ يُوجَدُ السِّنْجَابُ

وَالذِّئْبُ وَالثَّعْلَبُ وَالدُّبُّ وَالارْنَبُ



الكَلْبُ وَرَاءَ الارْنَبِ

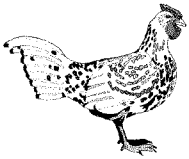

الدَّجَاجَةُ

مِنَ الطُّيُورِ الاَهْلِيَّةِ

49-машқ. Қуш, қушлар, каптар, чумчуқ, қуён, ўрдак, ғоз, тулки. Ўрдак сувда сузяпти. Қўй гўштини едим. Эчки уй ҳайвони. Куркани гўшти мазали. Бургут катта қушдир. Булбулнинг товуши ёқимлидир. Қуён қўрқоқ ҳайвондир. Товус чиройли қушдир. Арслон қўрқмас ҳайвондир. Бу ғоз, бу ўрдак.

الدَّرْسُ الْخَمْسُونَ

تِينٌ رُطَبٌ يُوسُف اَفَنْدِي رُمَّانٌ مِشْمِشٌ خِيارٌ قِثَّاءٌ

كُرُنْب بَاذِنْجَانٌ جَزَرٌ لِفْتٌ طَمَاطِمُ ثُومٌ فُلْفُلٌ بَطَاطِسُ

ثَمَرٌ فَاكِهَةٌ سَلَطَةٌ قَطْفٌ حُلْوٌ حَامِضٌ مَاضٍ اِضَافَةٌ

اَلْفَـــوَاكِهُ الَّتِـــي تُؤْكَلُ مِنْهَا مَا هُوَ حُلْوٌ كَالتُّفَّاحِ وَالعِنَبِ وَالتِّينِ وَالرُّطَبِ

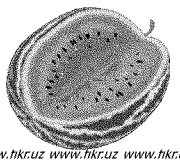

وَ

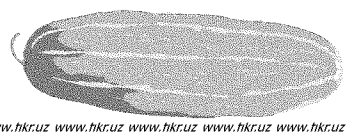

وَمِنْهَا مَا هُوَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

حُلْوٌ حَامِضٌ كَالْبُرْتُقَالِ وَالْيُوسُفِ اَفَنْدِي وَالرُّمَّانِ وَالْمِشْمِشِ. اَمَّا اللَّيْمُونُ فَهُوَ مِنَ الأَثْمَارِ الْحَامِضَةِ. وَمِنَ الْخُضْرَوَاتِ مَايُؤْكَلُ اَخْضَرَ اَوْ مَمْلُوحًا كَالْخِيَارِ وَالقِثَّاءِ. وَمِنْهَا مَايُؤْكَلُ مَطْبُوخًا اَوْ مَمْلُوحًا كَالْكُرُنْبِ وَالْبَاذِنْجَانِ.



وَمِنهَا مَا يُضافُ اِلَي الطَّبِيْخِ اَوِالسَّلَطَةِ كَالْجَزَرِ وَاللِّفْتِ وَالطَّمَاطِمِ



وَالثُّومِ وَ وَالْفُلْفُلِ اَمَّا البَطَاطِسُ فَيُؤْكَلُ مَطْبُوخًا فَقَطْ

فِي جُنَيْنَتِنَا يَنْبُتُ التُّفَّاحُ وَالبُرْتُقَالُ وَاليُوسُفُ اَفَنْدِي وَغَيْرُهَا مِنَ الاَثْمَارِ. ذَهَبْنَا يَوْمَ الْخَمِيسِ الْمَاضِي اِلَي الْبُسْتَانِ فَقَطَفْنَا فِيهِ كَثِيرًا مِنَ البِطِّيخِ وَالشَّمَّامِ وَالْخِيَارِ وَالْجَزَرِ وَاللِّفْتِ وَالبَصَلِ.

50-машқ. Бизнинг боғда олма, анор, узум ва бошқа мевалар бор. Мандарин ва лимонни жуда яхши кўраман. Ўтган душанба куни бозорга бориб узум сотиб олдим. Лимон аччиқдир. Чойингни лимон билан ич. Шалғамни емайсанми? Бераман. Мен саримсоқни яхши кўрмайман.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الدَّرْسُ الْحَادِي وَالْخَمْسُونَ

حَفِيدٌ إِنْزِعَاجٌ بَيْضٌ بَاضَتِ الدَّجَاجَةُ مَوْتٌ عَلَفٌ

تَكْثِيرٌ بُنَيٌّ اَحَدَ يَقْرَأُ اِنْ اِنْ جِئْتَنِي اَكْرَمْتُكَ

خَرَجَتْ فَاطِمَةُ اِلَي الدَّارِ وَاَخَذَتْ تَلْعَبُ مَعَ الكَلْبِ. فَرَأَتْهَا اُخْتُهَا الكَبِيرَةُ مِنَ الشُّبَّاكِ وَقَالَتْ لَهَا لاَ تَلْعَبِي يَا فَاطِمَةُ اُدْخُلِي البَيْتَ وَاقْرَئِي دَرْسَكِ. فَلَمَّا سَمِعَتْ فَاطِمَةُ قَوْلَ اُخْتِهَا عَائِشَةَ اَطَاعَتْهَا وَدَخَلَت البَيْتَ وَاَخَذَتْ تَقْرَأُ دَرْسَهَا. رَجَعَ فَرِيدٌ مِنَ الكُتَّابِ اِلَي بَيْتِه فَجَاءَتْ اِلَيْه اُخْتُهَا الصَّغِيرَةُ فَهِيمَةُ وَقَالَتْ لَهُ مَاذَا تَصْنَعُونَ يَا اَخِي فِي الكُتَّابِ؟ قَالَ نَتَعَلَّمُ. فَقَالَتْ مَاذَا تَتَعَلَّمُونَ؟ قَالَ نَتَعَلَّمُ القِرَاءَةَ وَالكِتَابَةَ وَالْحِسَابَ وَالرَّسْمَ. قَعَدَت امْرَأَةٌ عَجُوزٌ عَلَي الكُرْسِيِّ وَاَخَذَتْ تَخِيطُ القَمِيصَ. فَجَاءَ اِلَيْهَا حَفِيدُهَا عَلِيٌّ وَقَالَ لَهَا مَاذَا تَصْنَعِينَ يَا جَدَّتِي؟ قَالَتْ آكُلُ البِطِّيخَ يَا بُنَيَّ. فَقَالَ عَلِيٌّ لاَ، اَنْتِ تَخِيطِينَ القَمِيصَ. قَالَتْ وَلِمَاذَا تَسْأَلُ اِذَنْ وَتُزْعِجُنِي؟ امْرَأَةٌ كَانَتْ لَهَا دَجَاجَةٌ تَبِيضُ بَيْضَةً فِضَّةً. فَقَالَتْ اِنْ اَنَا كَثَّرْتُ عَلَفَهَا بَاضَتْ بَيْضَتَيْنِ. فَلَمَّا كَثَّرَتْ عَلَفَهَا مَاتَتْ.

51-машқ. Фарид ҳовлига чиқиб ўйнай бошлади. Опаси унга айтди. Эй укам ўйнама, кириб дарсингни ўқи. Фарид Фотиманинг гапига кириб дарсини ўқиди. Кичкина Карим Абдуллоҳга

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

айтди. Ўқишни ёзишни ҳисоблашни ва расм чизишни ўргана-миз. Фотима беш кундан бери касал эди. Фарид унинг хонаси-га кириб ўйнай бошлади. Унга онаси айтди. Эй ўғлим! синг-лингни безовта қилиб бу ерда ўйнама. Ҳовлига чиқиб ўйна. Фарид онасининг гапига қулоқ солиб ҳовлида ўйнай бошлади.

اَلدَّرْسُ الثَّانِي وَالْخَمْسُونَ

اَيٌّ اَيُّهُمْ اَيُّنَا اَكْثَرُ اجْتِهَادًا طَلَّاسَةٌ اَحَبُّ رَائِبٌ

سَمْنٌ جَرٌّ جَمِيعٌ حِرَاسَةٌ جِسْرٌ قِطْعَةٌ ظِلٌّ اَنَّ

اَنَّهُ آخَرُ اِخْتِطَافٌ رَمْيٌ بَدَلٌ

قَالَ الْمُعَلِّمُ لِتَلَامِذَتِه: اَيُّكُمْ يَا اَوْلَادِي يَعْرِفُ اَنْ يَكْتُبَ اسْمَهُ وَاسْمَ اَبِيه. قَـــالَ شَـــاكِرٌ اَنَا اَعْرِفُ يَا سَيِّدِي. فَقَالَ الْمُعَلِّمُ اِذَنْ اُخْرُجْ اِلَي اللَّوْحَةِ وَاكْتُبْ اسْمَكَ وَاسْمَ اَبِيكَ. فَخَرَجَ شَاكِرٌ اِلَي اللَّوْحَةِ وَمَسَحَهَا بِالطَّلَّاسَةِ ثُـــمَّ اَخَـــذَ التَّبَاشِـــيْرَ وَكَتَبَ شَاكِرُ بْنُ عَارِف. قَالَتْ زُهْرَةُ لِبَنَاتِهَا: اَيُّ الْحَيَوَانَاتِ اَحَبُّ اِلَيْنَا الْبَقَرَةُ اَمِ النَّعْجَةُ اَمِ الْفَرَسُ اَمِ الْكَلْبُ؟ قَالَتْ فَاطِمَةُ الْبَقَـــرَةُ اَحَبُّ اِلَيْنَا يَا اُمِّي لِاَنَّهَا تُعْطِينَا لَبَنًا وَرَائِبًا وَسَمْنًا. وَقَالَتْ عَائِشَةُ الـــنَّعْجَةُ اَحَـــبُّ لِاَنَّهَا تُعْطِي صُوفًا وَلَحْمًا. وَقَالَتْ فَرِيدَةُ الْفَرَسُ اَحَبُّ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الْحَـــيَوَانَات لاَنَّـــهُ يَحْـــرُسُ لَنَا الاَرْضَ وَيَجُرُّ الْمَرَاكِبَ. وَقَالَتْ كَرِيْمَةُ الكَلْـــبُ اَحَبُّ الْحَمِيْعِ لأَنَّهُ يَحْرِسُ لَنَا البَيْتَ. مَرَّ كَلْبٌ عَلَي جِسْرٍ وَفِي فَمِـــه قِطْعَةُ لَحْمٍ. فَرَأَى ظِلَّهُ فِى الْمَاءِ فَظَنَّ اَنَّهُ كَلْبٌ آخَرُ فِى فَمه قِطْعَةُ لَحْمٍ. فَاَرَادَ انْ يَخْتَطِفَهَا مِنْهُ وَرَمَي نَفْسَهُ فِي الْمَاءِ. فَسَقَطَتْ قِطْعَةُ اللَّحْمِ مِنْ فَمِه وَلَمْ يَجِدْ شَيْئًا بَدَلَهَا.

52-машқ. Ўқитувчи ўқувчиларга айтди. Болаларим! қайси биринглиз кечаги дарсни яхши ўзлаштирдингиз. Абдуллоҳ туриб айтди. Мен яхши ўзлаштирдим. Ўқитувчи Убайдуллоҳга айтди. Сен яхши ўзлаштирдингми? Убайдуллоҳ айтди. Йўқ мен яхши ўзлаштирганим йўқ. Ўқитувчи айтди. Нега? Убайдуллоҳ айтди. Чунки кеча мен касал эдим.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Қуйидаги жумлалардаги нуқталар ўрнига муносиб калима ёки жумлалар топиб қўйинг.

بِالْفِنْجَانِ... وَبِالْمِلْعَقَةِ ... الطَّبِيخَ. هَذَا غَنِيٌّ وَهَذَا...كَرِيْمٌ...وَاَخُوهُ يَبكِي. عَبدُ اللهِ يَأْكُلُ... وَاَخُوهُ عُبَيدُ اللهِ ...الشَّايَ اَنَا اَقرَأُ وَ...تَلعَبُ. اَنتَ مُعَلِّمٌ وَاَنَا ...شَرِبتُ فِنجَانًا... اِشرَبْ قَدَحًا... اَلعَبُ فِي اَلْجُنَينَةِ... اَلدَّرسُ. هَل حَفِظْتَ دَرسَكَ... التِّلمِيذُ...مُعَلِّمُهُ. اَنَا... مُعَلِّمِي

بِالقَلَمِ نَكتُبُ عَلَي... وَبِالتَّبَاشِيرِ...بِالْمَلاَعِقِ نَأْكُلُ... وَ... نَشرَبُ الشَّايَ. اِبنُكَ يَلعَبُ فِي اَلْجُنَينَةِ وَابْنِي.... الدَّرسَ فِي الْبَيْتِ. أَنَا اَشرَبُ الشَّايَ وَاَنتَ... الطَّبِيخَ كُلْ طَبِيْخَكَ ثُمَّ.... الْمَاءَ وَضَعْنَا الكُتُبَ فِي.... خَرَجْتُ اِلَي... فَاشتَرَيْتُ اَقْلاَمًا وَكَرَارِيسَ وَمَحَابِرَ ثُمَّ.... اِلَي ...الْبَيْتِ. خُذِ اَلْمِبْرَاةَ وَ... القَلَمَ. اِسْمَعْ... اَلْمُعَلِّمِ. لاَ تَلْعَبْ...الدَّرْسِ وَلاَ يَمِينًا وَشِمَالاً قَرَأْتُ... وَنِمتُ كَثِيرًا... قُومُوا وَ....دُرُوسَكُم اَيُّهَا الأَوْلاَدُ

البَابُ الصَّغِيرُ مَفتُوحٌ وَالْبَابُ الكَبِيرُ... التِّلمِيذُ اَلْمُجْتَهِدُ مَحبُوبٌ وَ.... مَمقُوتٌ. هَذَا القَلَمُ طَوِيلٌ وَذَلِكَ ... اَنتَ مُجْتَهِدٌ وَاَخُوكَ... اِبرِ قَلَمَكَ... الْحَادَّةِ. هَذَا الكِتَابُ قَدِيْمٌ... جَدِيدٌ البُرْتُقَالُ... جِدًّا . اِشرَبِ... بِاللَّيمُونِ. بِالفَأْسِ..نَقْطَعُ الْخَشَبَ وَبِالْمِنشَارِ.... الأَولاَدُ... آبَاءَهُم. اِخْوَتُكُم... فِي

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الْمَدْرَسَـــــةِ الْحُسَـــــينِيَّةِ. اقرَؤُوا... اَيُّهَـــا التَّلامِـــذَةُ... الْخَادِمُ الْبَيْـــــتَ. اَنَـــا جِئْـــتُ اِلَـــي الْمَدْرَسَـــةِ بَـــاكِرًا وَاَنَـــتَ....

فِـــي فَصْـــلِنَا يَتَعَلَّـــمُ اَربَعُـــونَ.... اشْـــتَغَلْتُ اليَـــومَ ثَمَـــانِيَ... فِي ...السَّـــاعَةِ سِـــتُّونَ... وَفِـــي الدَّقِيقَـــةِ سِـــتُّونَ... شَرِبتُ خَمسَـــةَ شَـايًا. هَذَا الْبُرْتُقَـــالُ... قِرشًا. ذَهَبتُ اِلَـــي السُّـــوقِ فَـ... خَمسَةَ اَرطَالٍ عِنَبًا وَتِســـعَةَ... تُفَّاحًا وَخَمسَـــةَ عَشَـــرَ بُرتُقَـــالاً ثُـــمَّ... اِلَي الْبَيـــتِ. ثَلاثَـــةٌ وَثَلاثَـــةٌ... فِـــي فَصـــلِ... نَلعَـــبُ فِـــي الْجُنَينَـــةِ فِـــي اَلنَّهَـــارِ وَنَشـــتَغِلُ وَ..... نَنَامُ. هَذَا الفَرَسُ يُسَـــاوِي مِئَـــةَ... جِئْتُ اِلَي الْمَدْرَسَةِ فِي السَّـــاعَةِ الثَّامِنَـــةِ. وَ... اَخِي فِي... التَّاسِـــعَةِ

بِالأُذُنِ... وَبِاللِّسَـــانِ نَتَكَلَّـــمُ وَبِـــالفَمِ... بِاليَـــدِ نُمسِـــكُ وَ... نَرَي شَـــعَرُ فَرِيـــدٍ... وَ... سَـــلِيمٍ قَصِـــيرٌ. هَؤُلاءِ التَّلامِـــذَةُ ... الْمَغرِبَ ..مَرَرتُ بِ... الْجَدِيدِ مَعَ صَـــاحِبِي كَـــرِيمٍ. شَعَرُكَ اَســـوَدُ وَشَـــعَرِي اَغسِلُ وَجهِي ثُـــمَّ... بِالْمِنشَـــفَةِ. الْمُعَلِّـــمُ... التَّلامِـــذَةَ... التِّلمِيـــذُ الكَســـلاَنُ لاَ يَحفَـــظُ.. اَنتَ تَركَبُ الفَـــرَسَ وَاَنَـــا ... الْحِمَارَ. فِي الغَابِ... الذِّئْبُ وَالـــدُّبُّ. بِكَم... هَذَا البِطِّيخُ؟ لِمَ... دُرُوسَكُمْ. التِّلمِيـــذُ الْمُجْتَهِدُ يَنظُرُ وَقـــتَ الـــدَّرسِ اَمَامَـــهُ دَائِمًـــا وَ... يَمِينًـــا وَشِـــمَالاً .هَذَا اَلقَلَمُ رَخِيصٌ وَذَلَـــكَ... اَخُوكَ عَبدُ اللهِ ... وَاَخِي مَحمُودٌ بَخِيـــلٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

...هَذَا التلميذُ لَـم يَفْهَـمْ... لا تُحَرِّكْ... وَقتَ الدَّرس. أَحسنوا الَـي كَيف... يَـا سَـعيدُ بِالمفتَـاحِ... البَابَ وَ... نُقفلُـهُ. هَات... اُقفـل البَابَ. اشتَغَلتُ أَمسِ مِنَ الظُّهر... العَصر. بِقَلَـمِ الرَّصَـاص نَكتُـبُ عَلَي الكُرَّاسِ وَ... عَلَي لَوحِ الأَردُوَاز. عَلَي السَّـرير نَنَـامُ وَعَلَـي ...الكُرْسِـيِّ... الكتَابُ فَـوقَ الكُرسِـيِّ وَالكُـرَةُ... لِـمَ تَضْـحَكُونَ. الأَولاَدُ. لِـمَ نَبكِـي... :كَـرِيمٌ... القَلَـمَ بِـالْمبرَاة

هَذَا تلميـذٌ وَ... تلميـذَةٌ. هَذَا مُعَلِّمٌ وَهَذه... هَـذه النَّشَّـافَةُ كَبِـيرَةٌ وَتلكَ ... التِّلميـذَةُ الْمُجتَهِـدَةُ مَحبوبَـةٌ وَ... مَمقُوتَةٌ. قَلَمُكَ طَوِيـلٌ ...وَقَلَمِي... هَذه النَّشَّافَةُ رَخِيصَـةٌ وَتلـكَ... هَذَا الرَّجُلُ غَنِيٌّ وَامرَاتُهُ ...اُكنس الْبَيْـتَ بِ... الكَبِيْـرَة. اشتَرَيتُ مَاسِـكَةً جَدِيـدَةً بِعَشَـر هَذه الْحُجْرَةُ وَاسِـعَةٌ وَتلـكَ... الْخَادمُ كَسْلاَنُ وَالْخَادمَـةُ... الْمسطَرُ جَدِيـدٌ وَالنَّشَّـافَةُ ... شَـارِبِي طَوِيـلٌ وَلِحيَتِـي...

أَخِي يَقْرَأُ دَرْسَهُ وَأُخْتِـي... فِي الدَّار. عَبْـدُالله يَتَوَضَّـأُ وَاخْتُـهُ ...فَاطِمَةُ... الْمَغْرِبَ. الْمُعَلِّـمُ يُعَلِّـمُ التَّلاَمِـذَةَ وَالْمُعَلِّمَـةُ التِّلْمِيـذَات. فَاطِمَـةُ تَفْتَـحُ الشَّـبَابِيْكَ وَاُخْتُهَـا... البَيْـتَ. اَنْتَ لاَ تَجْتَهِدُ اَبَـدًا وَاُخْتُـكَ عَائِشَـةَ ... كَثِـيراً. فَهِيـمٌ يَقْـرَأُ دَرْسَـهُ وَاُخْتُهُ كَرِيمَـةُ... عَلَى السَّـرِير. اُخْتِـي تَتَعَلَّـمُ فِـي الكُتَّـاب وَاَخِي... فِي الْمَدْرَسَـة. التِّلْمِيـذَةُ الْمُجْتَهِـدَةُ لا... وَقْتَ الدَّرْسِ اَبَـداً التِّلْمِيذُ الْمُـؤَدَّبُ... دَائِمًا نَظِيفًـا. التِّلْمِيذَةُ الْمؤَدَّبَةُ تَكُـونُ دَائِمـاً...

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الْبَســـى... يا فاطمَةُ ثُمَّ اذْهَبِى إلي الْكُتَّـــاب. نَحْنُ نَلْعَبُ وَهَلْ ... أنْت يَا عَائشَةُ؟ انْت مُجْتَهِـــدَةُ ... دُرُوسَـــكِ كَثِـــيرًا وَلاَ تَلْعَبِيـــنَ وَقْـــتَ الدَّرْسِ. رَأَيْتُ عَائشَـــةَ... الَى الْكُتَّـــاب. وَفى يَدِهَا محْفَظَتُهَـــا. ذَهَبْتُ أنَا وأَبى الَى السُوق. فـ ... خَمْسَةَ ...عنبًا وَخَمْسَـــةَ عَشَـــرَ بُرْتُقَـــالاً وَعشْرِينَ لَيمُونـــاً. هَذَا الْمنْدِيلُ نَظِيفٌ وَذَلِـــكَ... اسْمَاء... عَلَى فِرَاشِهَا

أَنَا أَحْضَرْتُ دَرْسِـــى وَهَـــلْ... أَنْت ايضًا يا زُهْـــرَةُ؟ الوَلِيـــدُ... فِي الْمَهْدِ وَامَامَهُ أُمُّهُ. نَظَّفَـــتْ فَهِيمَـــةُ... بالْفُرْشَـــةِ ثُـــمَّ ذَهَبَـــتْ الَـــى الْكُتَّـــاب. أَنْـــت كَنَسْـــت بَيْتَـــكَ وَانَـــا... بَعْدُ هَـــؤُلاءِ التَّلامِـــذَةُ... دُرُوسَهُمْ . نُسْـــرِجُ الأَفْـــرَاسَ ثُـــمَّ... فِـــى الشِّـــتَاءِ نَتَعَلَّـــمُ فِـــى الْمَدْرَسَـــةِ وَفِـــى ... نَسْـــتَرِيحُ. بَعْـــضُ النَّـــاسِ مُجْتَهِـــدُونَ وَبَعْضُـــهُمْ... يَنْبُـــتُ الأَشْـــجَارَ فِـــى... مِـــنَ الْفُـــولاَذ يَصْـــنَعُونَ ...الْمِبْـــرَاةَ وَالْمُوسَـــى وَالسِّـــكِّينَ وَالْمِقَـــصَّ وَغَيْـــرَ ذَلِـــكَ مِـــنَ

يَانْطَالُونَـــكَ وَسِـــخٌ... بِالفُرْشَـــةِ. رِدَائِى جَمِيـــلٌ وَأَمَّـــا رِدَاؤُكَ فـ...يَصْنَعُونَ سَخَّانَةَ الْمَاءِ مِـــنَ... اشْتَرَتْ أُمِّى عِشْـــرِينَ... عِنَبًا هَذِهِ القَلَنْسُوَةُ اغْلَى مِنْ تِلْـــكَ... نَزَعْتُ دُرَّاعَتِى القَدِيمَـــةَ وَ... دُرَّاعَتِى الْجَدِيدَةَ. ابْنَتِى غَالِيَةٌ وَأَمَّـــا ابْنَتُـــكَ فَ...مَحْمُودٌ... بَنِيقَـــةَ قَمِيصِـــهِ الْبَسْ جُرْمُوقَـــكَ... الَى الدَّارِ. تَغَـــدَّيْنَا فِـــى السَّـــاعَةِ الثَّانِيَـــةِ بَعْـــدَ الظُّهْرِ ثُـــمَّ... الَـــى الـــدَّارِ وَلَعِبْنَـــا. البَـــسْ عِمَامَتَـــكَ عِنْـــدَمَا فِـــى الصَّـــيفِ... النَّهَـــارُ وَيَقْصُـــرُ اللَّيْـــلِ. فِـــى الشِّـــتَاءِ... الثُّلُـــوجُ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

...وَ ...الأَنْهَارُ وَيَكُونُ البَرْدُ... جِداً . هَذهَ الْمَسْئَلَةُ سَهْلَةٌ وَتِلْكَ جِدًّا... يَجِبُ عَلَيكَ... دَرْسَكَ. يَجِبُ ... اَنْ نَحْتَرِمَ مُعَلِّمَنَا ...فِى الصَّيْفِ يَنْضَجُ... كَالْبُرْتُقَالِ وَالتُّفَّاحِ وَالْعِنَبِ الْمَطَرُ. فِى الشِّتَاءِ... الفَرْوَةُ. ذَهَبْتُ اِلَى الْمَدْرَسَةِ فِى السَّاعَةِ الثَّامِنَةِ صَبَاحًا وَ... فِي الثامِنَةِ بَعْدَ الظُّهْرِ

الْخَاتَمُ... مِنَ الذَّهَبِ وَالفِضَّةِ وَغَيرِ ذَلِكَ مِنَ الْمَعَادِنِ. عقْدى منْ لُؤْلُؤ وَ...منْ مرْجَانٍ. أَنْتَ غَنِىٌّ... وَانا... بِغَنِىٍّ.هَذَا شُجَاعٌ وَهَذَا... هَذَا ...السِّوَارُ... جِداً يُساوِى خَمْسِينَ رُوبِلاً.هَؤُلاَءِ الرِّجَالُ اقْوِياءُ وَهَؤُلاءِ بُوكَ مَرِيضٌ وَأَمَّا أَبِى فَلَيسَ ...لاَ تَضْحَكُوا... التَّلاَمِذَةُ... الدَّرْس

الرَّجُلُ... يُعَلِّمُ التَّلاَمِذَةَ يُسَمَّى مُعَلِّمًا. انَا... كَتَبْتُ هَذَا الْمَكْتُوبَ انْتِ... تُنَوِّمِيْنَ هَذَا الوَلِيدَ. التَّلاَمِذَةُ... رَأَيْنَاهُمْ اَمْسِ فِى الْجُنَينَةِ يَتَعَلَّمُونَ فِى الْمَدْرَسَةِ العَالِيَةِ.النِّسَاءُ اللَّوَاتِى يُعَلِّمْنَ التِّلْمِيذَاتِ يُسَمَّيْنَ... التَّلاَمِذَةُ... يَجْتَهِدُونَ يُحِبُّهُم الْمُعَلِّمُونَ. هَذِهِ النَّشَّافَةُ هِىَ... اشْتَرَيتُها امْسِ. هَذَا القَمِيصُ هُوَ...خَاطَتْهُ خَالَتِى اَسْمَاءُ.هَذَا هُوَ الْحِصَانُ... اشْتَرَاهُ اَبِى فِى السَّنَةِ الْمَاضِيَةِ بِمِئَةِ رُوبِلٍ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

برنجی قسمدهکی جمله لردن آری حرف برله ن یازلغان کلمه لرنی قالدروب واق حرف برله ن یازلغانلرینه ایکنجی قسمدکی جمله لردن مناسب کلمه یاخود جمله لرنی قوشکز

اینَ خَرَجَتْ فاطمَةُ. مَاذَا صَنَعَتْ اُخْتُهَا الکَبیرَةُ. بِمَاذَا اَجابَتْ فاطِمَةُ رَأْتْهَا وَقالَتْ لَهَا لاَ تَلْعَبی یَا فَاطِمَةُ اُدْخُلی البَیْتَ وَاقْرَئی دَرْسَكِ. الی الدَّارِ. اطاعَتْ اُخْتَها وَدَخَلَتِ البَیْتَ وَاخَذَتْ تَقْرأُ دَرْسَهَا

مِنْ اَینَ رَجَعَ فَرِیدٌ. مَنْ جَاءَتْ اَلَیْهِ وَمَاذَا قَالَتْ لَهُ. مَاذَا قَالَ فَرِیدٌ ماذا قالَتْ فاطِمَةُ. بِمَاذَا اَجَابَ فَرِیدٌ مِنَ الکُتَّابِ. اُخْتُهَا الصَّغِیرَةُ فَهِیمَةُ. مَاذَا تَصْنَعُونَ یَا اَخی فی الکُتَّابِ نَتَعَلَّمُ. نَتَعَلَّمُ القِرَاءَةَ وَالکِتابَةَ وَالْحِسَابَ وَالرَّسْمَ مَاذَا تَتَعَلَّمُونَ؟

مَاذَا صَنَعَتْ امْرَأَةٌ عَجُوزٌ. مَنْ جَاءَ اِلَیهَا. مَاذَا قالَتِ العَجُوزُ. مَاذَا قَالَ عَلِیٌّ. مَاذَا مَاذَا قَالَتِ الْعَجُوزُ

عَلِیٌ وَقالَ لَهَا مَاذَا تَصْنَعِینَ یَا جَدَّتي؟ آکُلُ البِطِّیخَ یَا بُنَیَّ قَعَدَتْ عَلَی الکُرْسِیِّ وَاخَذَتْ تَخیطُ القَمیصَ. لاَ، انْتِ تَخیْطِینَ القَمیصَ وَلِمَاذَا تَسْأَلُ اِذَنْ وَتُزْعِجُنِي؟

مَاذَا قَالَ الْمُعَلِّمُ لِتَلامِذَتِه. مَاذَا قَالَ شَاکِرٌ. فَمَاذَا قَالَ الْمُعَلِّمُ هَلْ خَرَجَ اَلَی اللَّوْحَةِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَنَا اَعْرِفُ يَا سَـــيِّدِى. إِذَنْ اُخْرُجْ اِلَى اللَّوحَةِ وَاكْتُبْ. اَيُّكُمْ يـــا اَوْلاَدِى يَعْرِفُ اَنْ يَكْتُبَ اسْمَهُ وَاسْـــمَ اَبِيْـــهِ؟ وَمَسَـــحَهَا بِالطَّلاَّسَـــةِ ثُمَّ اَخَذَ التَّبَاشِيرَ وَكَتَـــبَ شَـــاكِرُ بـــنُ عَـــارِف

مَاذَا قَالَتْ زَهْرَةُ لِبَنَاتِهَـــا. مَاذَا قَالَتْ فَاطِمَةُ. وَهَلْ قَالَتْ عَائِشَـــةُ شَـــيْئًا. وَمَاذَا قَالَتْ فَرِيـــدَةُ. وَبِمَاذَا اَجَابَتْ كَرِيْمَـــةُ

اَىُّ الْحَيوَانَاتِ اَحَبُّ اِلَينَـــا البَقَـــرَةُ اَمِ النَّعْجَـــةُ اَمِ الفَـــرَسُ اِمِ الكَلْبُ؟ النَّعْجَةُ اَحَبُّ لأَنَّهَا تُعْطِـــى صُـــوفًا وَلَحْمًـــا. البَقَرَةُ اَحَـــبُّ اِلَينَا يا اُمِّى لأَنَّهَـــا تُعْطِينَـــا لَبَنًـــا وَرَائِبًـــا وَسَـــمْنًا. الكَلْبُ اَحَبُّ الْجَمِيعِ لأَنَّهُ يَحْـــرِسُ لَنَـــا الْبَيْـــتَ. الفَرَسُ اَحَبُّ الْحَيوَانَـــاتِ لأَنَّـــهُ يَحْرِثُ لَنَا الأَرْضَ وَيَجُـــرُّ الْمَرَاكِـــبَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

14	لَا تُضْرَبْ			لَا تُضْرَبْ
3				لَا أُضْرَبْ
				لَا يُضْرَبْنَ
				لَا تُضْرَبْ
				لَا تُضْرَبَانِ
				لَا يُضْرَبُوا
				لَا تُضْرَبْ
				لَا تُضْرَبَانِ
				لَا يُضْرَبْ
				لَا تُضْرَبْنَ
				لَا تُضْرَبَانِ
				لَا تُضْرَبُوا
				لَا تُضْرَبِي
				لَا تُضْرَبَا
				لَا تُضْرَبُوا
				لَا تُضْرَبَا
				لَا تُضْرَبْ
3	مَضْرُوبٌ	مَضْرُوبَانِ	مَضَارِبُ	مَضَارِيبُ
3	مَضْرُوبٌ	مَضْرُوبَانِ	مَضَارِبُ	مَضَارِيبُ
9	أَضْرَبُ	أَضْرَبَانِ	أَضْرَبُونَ	ضُرْبَى
				ضُرْبَيَانِ
				ضُرْبَيَاتٌ

ثلاثي مجرد

باب	ماضي	مضارع	أمر	ماضي	مضارع	أمر
1	فَعَلَ	يَفْعِلُ	اِفْعِلْ	ضَرَبَ	يَضْرِبُ	اِضْرِبْ
2	فَعَلَ	يَفْعُلُ	اُفْعُلْ	نَصَرَ	يَنْصُرُ	اُنْصُرْ
3	فَعَلَ	يَفْعَلُ	اِفْعَلْ	مَنَعَ	يَمْنَعُ	اِمْنَعْ
4	فَعِلَ	يَفْعَلُ	اِفْعَلْ	سَمِعَ	يَسْمَعُ	اِسْمَعْ
5	فَعِلَ	يَفْعِلُ	اِفْعِلْ	نَعِمَ	يَنْعِمُ	اِنْعِمْ
6	فَعُلَ	يَفْعُلُ	اُفْعُلْ	شَرُفَ	يَشْرُفُ	اُشْرُفْ

ثلاثي مزيد

باب	ماضي	مضارع	أمر	مصدر	ماضي	مضارع	أمر	مصدر
1	أَفْعَلَ	يُفْعِلُ	أَفْعِلْ	إِفْعَالٌ	أَكْرَمَ	يُكْرِمُ	أَكْرِمْ	إِكْرَامٌ
2	فَعَّلَ	يُفَعِّلُ	فَعِّلْ	تَفْعِيلٌ	صَرَّفَ	يُصَرِّفُ	صَرِّفْ	تَصْرِيفٌ
3	فَاعَلَ	يُفَاعِلُ	فَاعِلْ	تَفْعِيلٌ	ضَارَبَ	يُضَارِبُ	ضَارِبْ	مُضَارَبَةٌ
4	اِنْفَعَلَ	يَنْفَعِلُ	اِنْفَعِلْ	اِنْفِعَالٌ	اِنْصَرَفَ	يَنْصَرِفُ	اِنْصَرِفْ	اِنْصِرَافٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

5	اِفْتَعَلَ	يَفْتَعِلُ	اِفْتَعِلْ	اِفْتِعَالٌ	اِكْتَسَبَ	يَكْتَسِبُ	اِكْتَسِبْ	اِكْتِسَابٌ
6	تَفَعَّلَ	يَتَفَعَّلُ	تَفَعَّلْ	تَفَعُّلٌ	تَصَرَّفَ	يَتَصَرَّفُ	تَصَرَّفْ	تَصَرُّفٌ
7	تَفَاعَلَ	يَتَفَاعَلُ	تَفَاعَلْ	تَفَاعُلٌ	تَضَارَبَ	يَتَضَارَبُ	تَضَارَبْ	تَضَارُبٌ
8	اِفْعَلَّ	يَفْعَلُّ	اِفْعَلَّ	اِفْعِلَالٌ	اِحْمَرَّ	يَحْمَرُّ	اِحْمَرَّ	اِحْمِرَارٌ
9	اِفْعَالَّ	يَفْعَالُّ	اِفْعَالَّ	اِفْعِيلَالٌ	اِحْمَارَّ	يَحْمَارُّ	اِحْمَارَّ	اِحْمِيرَارٌ
10	اِسْتَفْعَلَ	يَسْتَفْعِلُ	اِسْتَفْعِلْ	اِسْتِفْعَالٌ	اِسْتَخْرَجَ	يَسْتَخْرِجُ	اِسْتَخْرِجْ	اِسْتِخْرَاجٌ
11	اِفْعَوعَلَ	يَفْعَوعِلُ	اِفْعَوعِلْ	اِفْعِيعَالٌ	اِحْدَوْدَبَ	يَحْدَوْدِبُ	اِحْدَوْدِبْ	اِحْدِيدَادٌ
12	اِفْعَوَّلَ	يَفْعَوِّلُ	اِفْعَوِّلْ	اِفْعِوَّالٌ	اِجْلَوَّزَ	يَجْلَوِّزُ	اِجْلَوِّزْ	اِجْلِوَّازٌ

باب	رباعي مجرد							
1	فَعْلَلَ	يُفَعْلِلُ	فَعْلِلْ	فَعْلَلَةٌ	دَحْرَجَ	يُدَحْرِجُ	دَحْرِجْ	دَحْرَجَةٌ

باب	ماضي	مضارع	أمر	مصدر	ماضي	مضارع	أمر	مصدر
	رباعي مزيد							
1	تَفَعْلَلَ	يَتَفَعْلَلُ	تَفَعْلَلْ	تَفَعْلُلٌ	تَدَحْرَجَ	يَتَدَحْرَجُ	تَدَحْرَجْ	تَدَحْرُجٌ
2	اِفْعَنْلَلَ	يَفْعَنْلِلُ	اِفْعَنْلِلْ	اِفْعِنْلَالٌ	اِبْرَنْشَقَ	يَبْرَنْشِقُ	اِبْرَنْشِقْ	اِبْرِنْشَاقٌ
3	اِفْعَلَلَّ	يَفْعَلِلُّ	اِفْعَلِلَّ	اِفْعِلَالٌّ	اِقْشَعَرَّ	يَقْشَعِرُّ	اِقْشَعِرَّ	اِقْشِعْرَارٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Исмни раф (замма қилиб ўқиладиган) ўринлари 6 та

1- فاعل: لَعِبَ الوَلَدُ، اقْتَتَلَ الْجَيشَانِ، قَدِمَ الْمُسَافِرُونَ، ذَهَبَ أَبُوكَ

2- نَائب فَاعِل: كُسِرَ القَلَمُ، يُحْتَرَمُ الوَالِدَانِ، يُكْرَهُ الْمُسَافِرُونَ، أُكْرِمَ أَخُوكَ

3- مُبْتَدَا: العِلْمُ نُورٌ، خَالِدٌ أَخُوهُ مُسَافِرٌ، التِّلْمِيذَانِ مُؤَدَّبَانِ

4- خَبَرْ: العِلْمُ نُورٌ، خَالِدٌ أَخُوهُ مُسَافِرٌ، التِّلْمِيذَانِ مُؤَدَّبَانِ

5- اسمُ كَانَ: كَانَ البَرْدُ شَدِيدًا، لَيسَ الظَّالِمُ مَحْبُوبًا

6- خَبَرُ إِنَّ: إِنَّ مُحَمَّدًا مُجْتَهِدٌ، لَعَلَّ أَبَاكَ حَاضِرٌ

Исмнинг насб (фатҳа қилиб ўқиладиган) ўринлари 11 та

1- مَفْعُولٌ بِه : ضَرَبَ مُحَمَّدٌ فَرِيدًا، ضَرَبْتُ أَخَاكَ، ضَرَبَتِ الْمُعَلِّمَةُ تِلْمِيذَتَيْنِ

2- مَفْعُولٌ مُطْلَق : كَسَرَتِ الْخَادِمَةُ صَحِيفَةَ كَسْرًا، نَامَ الوَلِيدُ نَومًا خَفِيفًا، دَقَّتِ السَّاعَةُ دَقَّتَيْنِ

3- مَفْعُول لأَجْلِه : زُيِّنَ البَيتُ اكْرَامًا للضُّيُوفِ

4- مفعول فيه : حَفِظَ مُحَمَّدٌ الدَّرْسَ صَبَاحًا أَمَامَ الْمُعَلِّمِ

5- مَفْعُولٌ مَعَه : حَفِظْتُ الدَّرْسَ وَالْمِصْبَاحَ

6- حَال : قَرَأَ مُحَمَّدٌ الدَّرْسَ قَائِمًا، شَرِبَ فَرِيدٌ الْمَاءَ رَائِقًا

7- تَمْيِيز : اشْتَرَيتُ عِشْرِينَ كِتَابًا، أَنَا أَصْغَرُ مِنْكَ سِنًّا

8- مُنَادَي : يَا طَالِبَ العِلْمِ، يَا رَسُولَ اللهِ

9- مُسْتَثْنَي : خَرَجَ التَّلَامِيذَةُ مِنَ الكُتَّابِ الاَّ فَرِيدًا

10- خَبَرُ كَانَ: كَانَ الْبَرْدُ شَدِيدًا، لَيسَ الظَّالِمُ مَحْبُوبًا

11- إِسْمُ إِنَّ : إِنَّ مُحَمَّدًا مُجْتَهِدٌ، لَعَلَّ أَبَاكَ حَاضِرٌ

Исмни жар (касра қилиб ўқиладиган) ўринлари 2 та

1- بعد حرف الْجرّ : أَطْلُبُ العِلْمَ مِنَ الْمَهْدِ إِلَي اللحْدِ

2- الْمضاف إليه : كِتَابُ مَحْمُودٍ

حُرُوفُ الْجَرِّ :مِنْ، إِلَي، عَنْ، عَلَي، فِي، رُبَّ، بَاءُ، كَاف، لاَمُ، وَاو، تَاءُ، مُذْ، مُنْذُ، حَتَّي، خَلاَ، عَدَا، حَاشَا

أَفْعَالُ نَاقِصَة : كَانَ، أَصْبَحَ، أَضْحَي، ظَلَّ، بَاتَ، أَمْسَي، مَا زَالَ، مَا بَرِحَ، مَاانْفَكَّ، مَا فَتِئَ، مَادَامَ، صَارَ، لَيسَ

حُرُوف مُشَبَّهَةٌ بِالْفِعْلِ : إِنْ، أَنَّ، كَأَنَّ، لَكِنَّ، لَيتَ، لَعَلَّ

حُرُوفُ العَطْف : وَاو، فَاءُ، ثُمَّ، أَوْ، أَمْ، بَلْ، لاَ، لَكِنْ، حَتَّي

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Арабча сўзларнинг таржималари

1

дафтар	كُرَّاس
чизғич	مِسْطَر
перо	رِيْشَـــة
қоғоз	وَرَق
бу	هٰذَا
қаерда	اَيْنَ
нима	مَا
ол	خُذْ
келтир	هَات
босма	نَشَّـــافَة

2

синф	فَصْـــل
ёзув курсиси	مَكْتَبُ الْمُعَلِّـــمِ
сиёҳ	حِبْر
ўчирғич	مِمْحَاةٌ
ручка	مَاسِكَة
курси	كُرْسِـــيّ
бу ерда	هُنَا
...да (қўшимча)	فِـ ى
синфда	فِى الْفَصْـــلِ
ўқияпти	يَقْـــرَأُ

ўқувчи	تِلْمِيـــذ
ёзяпти	يَكْتُـــبُ

3

қаламдон	مِقْلَمَـــة
чироқ	مِصْبَاح
гугурт	كِبْرِيـــت
хона	حُجْرَة
бўр	تَبَاشِـــير
устида	عَلَى –
	اُكْتُبْ على
тахтага ёз	اللَّـــوحِ
ким	مَنْ
ўқи	اقْرَأْ
кир	اُدْخُلْ
тушун	افْهَمْ
ўтир	اُقْعُـــدْ
дераза	شُـــبَّاك

4

уй	بَيـــت
ҳовли	دَار
токча	رَفّ
бола	وَلَد

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

طَبِيــخ	овқат
شَاى	чой
قَهْوَة	кофе, қаҳва
سُــكَّر	шакар
يَأْكُــلُ	еяпти
يَشْــرَبُ	ичяпти
يَا	эй
يَا فَرِيــد	эй фарид
بِ	билан

5

قَلَمُ الرَّصَــاصِ	бўёқ қалам
قَلَمُ الأَرْدُوازِ	тош қалам
هُنَاكَ	у ерда
رَدْهَة	зал
لَحْــم	гўшт
خُبْز	нон
تَعَــالَى	кел
اِحْفَــظْ	ёдла
بَابٌ	эшик
يَنَــامُ	ухлаяпти

6

يَــرْكُضُ	югуряпти
دَجَاجَة	товуқ
عِجْل	бузоқ

أَنَــا	мен
أَنْــتَ	сен
هُوَ	у
مَــتَى	қачон
مِنْ	дан (қўшимчаси)
أُخْرُجْ مِنَ	
الْمَدْرَسَــةِ	мадрасадан чиқ
يَصِــيحُ	қичқиряпти
مُهْر	тойчоқ

7

يَسْــبَح	сузяпти
كُرَة	тўп
هَلْ	...ми
هَلْ يَكْتُــبُ ؟	ёзяптими ?
سَمَك	балиқ
مَاء	сув
لَبَــن	сут
بَعْــدَ	кейин
بَعْدَ الــدَّرْسِ	дарсдан кейин
قَبْــلَ	олдин
يَقُــومُ	гуряпти
يَنْظُــرُ	қараяпти
يَلْعَــبُ	ўйнаяпти
نَعَــمْ	ҳа

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

سُـــكُوت	сукут қилмоқ
لِمَ	нима учун
يَضْـــحَكُ	куляпти
يَبْكِـــى	йиғлаяпти

11

قَطْـــع	кесмоқ
عَطَش	чанқамоқ
كَثِـــير	кўп
قَلِيـــل	оз, кам
غَنِـــىّ	бой
فَقِـــير	камбағал
رَجُل	эркак киши
ذَلِكَ	ана у
اَمامَ	олдида
وَرَاءَ	орқасида

12

مَسَاطِر	чизғичлар
كَرَارِيس	дафтарлар
اَلْوَاح	тахталар
دُرُوس	дарслар
نَشَّـــافَات	босмалар
تَلَامِـــذَة	ўқувчилар
اَبْوَاب	эшиклар
نَحْنُ	биз

8

قَلَمُ مَحْمُود	Маҳмуднинг қалами
هُ	унинг
كَ	сенинг
ى	менинг
يُحِـــبُّ	яхши кўради
يُطِيـــعُ	итоат қилади

9

غَاب	ўрмон
جُنَيْنَـــة	боғ
الى	...га (қўшимча)
الى الْمَدْرَسَةِ	мадрасага
فَأْر	сичқон
هِرٌّ	мушук
يُوجَدُ	бор, топилади
فَتَـــحَ	очди
رَكِبْـــتُ	миндим
ذَهَبْتَ	кетдинг
حِصَان	айғир от

10

طَبَق	лаган
مِلْح	туз
فَـــوقَ	устида
تَحْـــتَ	остида

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

сизлар	أَنْتُمْ
улар	هُمْ
ўқингизлар	إِقْرَأُوا
жойнамозлар	مُصَلَّيَات
мисвоклар	مَسَاوِيكُ

13

бобо	جَدّ
боболар	جُدْاد
буви, момо	جَدَّة
бувилар	جَدَّات
оталар	آبَاء
оналар	أُمَّهَات
ака -укалар	أَخْوَة
опа-сингиллар	أَخَوَات
шаҳар	بَلْدَة
синфлар	فُصُول
деразалар	شَبَابِيك
ўғиллар	اِبْنَاء
қизлар	بَنَات
болалар	أَوْلَادُ
қоғозлар	أَوْرَاق
мадрасалар	مَدَارِسُ
эй!	أَيُّهَا
эй ўқувчи	أَيُّهَا التِّلْمِيذُ

булар	هَؤُلَاءِ
уларнинг	هُمْ
сизларнинг	كُمْ
бизнинг	نَا

14

пиёлалар	فَنَاجِين
пичоқлар	سَكَاكِين
отлар	أَفْرَاس
итлар	كِلَاب
ҳам, яна	أَيضًا
мен ҳам ёздим	أَنَا أَيْضًا كَتَبْتُ
юрмоқ	مَشْى
қўймоқ	وَضْع
у ч л а м о қ (қаламни)	بَرْى
келмоқ	مَجِيءٌ
ўрганмоқ	تَعَلُّم

15

курсилар	كَرَاسِيّ
ўқитувчилар	مُعَلِّمونَ
сотиб олмоқ	اِشْتِرَاء
сотмоқ	بَيْع
ҳозир	الآنَ
фақат	فَقَط
фақат ҳозир	الآنَ فَقَط

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

رُؤيَة	кўрмоқ
صَاحِب	соҳиб, ўртоқ
مَعَ	бирга
كُتُبْـــا	ёздик
قـــرأتُمْ	ўқидингиз
ذَهَبُوا	кетдилар
ثُـــمَّ	кейин, сўнг

16

طَبَّـــاخ	ошпаз
مَطْبَـــخ	ошхона
طَبْـــخ	пиширмоқ
سُوق	бозор
اِلْتِفـــات	қарамоқ
اِحْتِرام	ҳурмат қилмоқ
قَول	сўз айтмоқ
سَمَاع	эшитмоқ
دَائِما	доимо, ҳамиша
يَمِيـــن	ўнг
شِمَال	чап, сўл
مَحَابِرُ	сиёҳдонлар
لَا تَلْعَـــبْ	ўйнама
لَا تَلْعَبُـــوا	ўйнамангиз
خَادِم	хизматчи
حِجْرٌ	бия

17

مُجْتَهِد	тиришқоқ
كَسْـــلان	дангаса
كَبِيْـــر	катта
صَـــغِيْر	кичкина
طَوِيل	узун
قَصِـــيْر	қисқа
جَدِيد	янги
قَـــدِيْم	эски
حَادّ	ўткир
كَهام	ўтмас
كَنْـــس	супурмоқ
مِطْرَقَة	болға

18

مِفْتَـــاح	калит
مَفَـــاتِيحُ	калитлар
رَفِيـــع	баланд
وَضِـــيع	паст
وَاسِع	кенг
ضَـــيِّق	тор
مُطِيع	итоатлик
عَاص	осий
مُؤَدَّب	одобли
غَيرُ مُؤَدَّب	одобсиз

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

جَمِيل	чиройли
قَبِيـــح	хунук
اِقْفال	қулфламоқ
نَشْـــر	ёрмоқ, араламоқ
خَشَب	ўтин
هُ	уни
كَ	сени
نِـــى	мени
19	
شَارِع	кўча
مُرُور	ўтмоқ
باكِرا	эрталаб
مُتَـــأَخِّرا	кечикиб
مَفْتُـــوح	очиқ
مَقْفُـــول	ёпиқ
اليَومَ	бугун
اللَّيْلَـــة	бугун кечаси
مَحْبُوب	суюкли
مَمْقوت	суюксиз
جَيِّـــدا	яхши
سُـــقُوط	тушмоқ
20	
تُفَّـــاح	олма
بُرْتُقَـــال	апелсин

لَيمُون	лимон
عِنَب	узум
جِدّا	жуда
رَطْل	қадоқ
لَذِيذ	лаззатли
مُرّ	аччиқ
بِكُلِّ ارْتِيـــاح	жоним билан
بِكُلِّ سُـــرُور	жуда хурсандлик билан
لِ	учун
لِيَكْتُـــبَ	ёзмоқ учун
21	
وَاحِد	1
اثْنَـــان	2
ثَلاثَـــة	3
اربَعَة	4
خَمْسَة	5
سِـــتَّة	6
سَـــبْعَة	7
ثَمَانِيَـــة	8
تِسْـــعَة	9
عَشْرَة	10
مِلِّيـــم	тийин
رُوبِـــل	сўм
قِـــرْش	танга (чақа)

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

секунд, сония	ثَانِيَـــة
баҳор	رَبِيـــع
ёз	صَـــيف
куз	خَرِيف
қиш	شِـــتاء
15	خَمْسَةَ عَشَـــرَ
23	ثَلاثَة وَعِشْـــرُون
100	مِئَة
1000	اَلْف
фасл	فَصْـــل

24

таҳорат оляпти	يَتَوَضَّـــأُ
намоз ўқияпти	يُصَـــلِّي
тос тоғора	طَسْـــت
совун	صَـــابُون
ювмоқ	غَسْـــل
артмоқ	تَنْشِـــيف
бет юз	وَجْه
намоз	صَلاَة
бомдод	فَجْـــر
пешин	ظُهْر
аср	عَصْر
шом	مَغْـــرِب
хуфтон	عِشَاء

олтин (сўм)	جَنِيـــه
баҳоси	قِيمَـــة
қанча?	كَمْ
туради	يُسَـــاوِي

22

кутубхона	مَكْتَبَـــة
китоб сотувчи	كُتُبِـــيّ
ишламоқ, шуғулланмоқ	اِشْـــتِغال
20	عِشْرُونَ
30	ثَلاثُـــونَ
40	اَرْبَعُونَ
50	خَمْسُونَ
60	سِـــتُّونَ
70	سَـــبْعُونَ
80	ثَمَـــانُونَ
90	تِسْـــعُونَ

23

йил	سَـــنَة
ой	شَهْر
ҳафта	اُسْـــبُوع
кун	يَوم
кундузи	نَهار
минут, дақиқа	دَقِيقَـــة
кечаси	لَيْـــل

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَنْمُل	бармоқ учи
ظُفْـــر	тирноқ
شَارِب	мўйлов
فَخِـــذ	сон
تَحريـــك	ҳаракатлантирмоқ
اَبَدا	ҳамиша
لا	йўқ
لا يَكْذِبُ	ёлғон гапирмайди
اَسْوَدُ	қора
اَبْيَـــضُ	оқ

27

لِحْيَـــة	соқол
يَد يُمْـــنى	ўнг қўл
يَد يُسْـــرى	чап қўл
شَفَة عُلْيـــا	тепа лаб
شَـــفَة سُـــفْلى	остки лаб
رِجْل	оёқ
قَدَم	тўпиқдан пастки оёқ (қўл ёки оёқ) ичи
راحَة	ошиқ
كَعْـــب	тирсак
مِرْفَق	тизза
رُكْبَـــة	тиш
ســـنّ	ҳар ким
كلُّ اَحَد	

25

اِنْسَان	инсон
نَاس	инсонлар
رَأْس	бош
شَـــعْر	соч
جَبْهَة	пешона
حَاجِب	қош
شَـــفَة	лаб
اَنْف	бурун
فَـــم	оғиз
لِسان	тил
يَد	қўл
اِصْـــبَع	бармоқ
اِمْسَاك	ушламоқ
كَذِب	ёлғон
لِـى	мен учун
لَكَ	сен учун
بَعْـــض	баъзиси
كُـــلّ	ҳаммаси

26

جَفْـــن	қовоқ
هَدْب	киприк
كَـــفّ	кафт
عُنُـــق	бўйин

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

пойтахт	عَاصِمَة
қишлоқ	قَرْيَـــة
раҳмат айтмоқ	شُكْر
яхшилик қилмоқ	اِحْسَان
қайтмоқ	رُجُوع
қолмоқ	بَقَـــاء
арзон	رَخِيـــص
қиммат	غَالٍ
ота-она	اَبَوَان
қариндошлар	اَقَارِب

30

ўқитувчи (киши)	مُعَلِّم
ўқитувчи (аёл)	مُعَلِّمَة
ўқувчи	تِلْمِيـــذ
ўқувчи (қиз)	تِلْمِيـــذَةٌ
ўқувчилар	تَلَامِيـــذُ
ўқувчи қизлар	تِلْمِيـــذات
эркак	رَجُل
эркаклар	رِجَال
аёл	اِمْرَأَة
хотинлар	نِسَـــاء
бу (аёл)	هَذِه
ана у	تِلْـــكَ
катта (аёл)	كَبِـــيرَةٌ

ўқимади	مَا قَرَأَ
ҳеч ким фаҳмламади	مَا فَهِمَ اَحَد
ҳеч ким келмади	مَاجَاءَ اَحَدٌ

28

эрталаб	صَـــبَاحًا
кечаси	مَسَاءً
эртага	غَدًا
кеча	اَمْسِ
қандай?	كَيْفَ
ҳолинг қандай?	كَيْفَ حَالُكَ ؟
поезд	قِطَار
Аллоҳ сени сақласин	حَفِظَـــكَ اللهُ
саййидим	سَـــيِّدِى
менда	عِنْـــدِى
сенда	عِنْـــدَكَ
унда	عِنْدَهُ
вокзал	مَحَطَّة
йўналмоқ	تَوَجُّـــه
темир йўл	سِكَّة حَدِيدِيَّـــة

29

оч (киши)	جَائِع
ташна,чанқоқ (киши)	عَطْشَان
саҳий	كَـــرِيْم
бахил	بَخِيـــل

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

31	
у (аёл)	هِيَ
мактаб	كِتَـــاب
ёзяпти (аёл)	تَكْتُـــبُ
32	
стол	طَـــاوِلَةٌ
ёз	اَكْتُبِى يَـــا اَيْ
Оиша	عَائِشَةُ
унинг (аёл)	هَا
сенинг (аёл)	كِ
кел	تَعَـــالِى
тарамоқ	تَمْشِـــيط
33	
тозаламоқ	تَنْظِيـــف
ифлос қилмоқ	تَلْوِيـــث
суртмоқ, ишқаламоқ	مَسْـــح
тозаламоқ	نَظِيْـــف
кир	وَسِخ
кийим	لِبَـــاس
бўлади	يَكُـــونُ
бўл	كُنْ
аммо	اَمَّا
келтир, бер	هَاتِى
дастрўмол	مَنْـــدِيل

кўрпа, тўшак	فِـــرَاش
ёзяпсан	تَكْتُبِيـــنَ
34	
дарахт	شَـــجَر
ухлатмоқ	تَنْـــوِيم
ғишт	لَبِـــن
ўсмоқ	نَبَـــت
тайёрламоқ	اِحْضَار
бермоқ	اِعْطَاء
ўйнади (аёл)	لَعِبَـــتْ
ҳали ёзмадим	مَا كَتَبْتُ بَعْـــدُ
бола	وَلِيـــد
болага қаровчи (энага)	حَاضِنَة
бешик	مَهْد
беламоқ	قَمْـــط
қўлбоғич	قِمَاط
35	
эгар	سَـــرْج
эгарламоқ	اِسْـــرَاج
юганламоқ	اَلْجَام
темир	حَدِيـــد
асбоб	آلَة
ясамоқ ишламоқ	صَـــنْعَة
нима	مَاذَا

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

тикмоқ	خِيَاطَة
келтирмоқ	تَقْـــدِيْم
куртка	دِراعَة
37	
дўппи	طَاقِيَّـــة
салла	عِمَامَة
кисса, чўнтак	جَيْـــب
қимматроқ	اَغْلَـــى
арзонроқ	اَرْخَصُ
эшитдим ва итоат қилдим	سَمْعا وَطَاعَة
борган вақтимда	عِنْدَما اَذْهَبُ
тўн чопон	فَـــرْوَة
тугмаламоқ	زرّ
ёқа	بَنِيقَـــة
бўйинтуриқ	اُبْنَـــة
калиш	جُرْمُوق
петла	عُرْوَة
тугма	زِرّ
махси, этик	خُـــفّ
38	
шляпа	قُبَّعَـــة
пул	نَقْـــد
пуллар	نُقُـــود
пахта	قُطْـــن

ундан бошқа	وَغَيرُ ذَلِكَ
қозон	قِـــدْر
мис	نُحَـــاس
оқ қўрғошин	قَصْـــديرٌ
пўлат	فُـــوْلاذ
писка	مُوسَـــى
эгов	مِعْـــوَل
курак	مِجْرَفَـــة
36	
жубба (устки кийим)	رِدَاء
кийимлар	اَلْبِسَـــة
куйлак	قَمِيـــص
иштон	سِرْوَال
тарбуш (ҳожи дўппи)	طَرْبُوش
газмол	قُمَـــاش
кундузги овқатни емоқ	تَغَـــدّى
кечки овқатни емоқ	تَعَشّـــى
кундузги овқат	غَدَاء
кечки овқат	عَشَـــاء
вақтики (қачонки)	لَمَّـــا
каттароқ	اَكْبَـــرُ
кичикроқ	اَصْـــغَر
киймоқ	لُبْـــس
ечмоқ	خَـــلْع

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

қуёш	شَـمْس
юлдуз	كَوكَـب
ёмғир	مَطَر
қор	ثَلْج
тоғ	جَبَـل
денгиз	بَحْـر
кўл	بُحَيْـرَة
дарё	نَهْر
чиқмоқ	طُلُوع
ботмоқ	غُرُوب
тушмоқ	نُزُول
минмоқ, кўтарилмоқ	صُـعُود
совуқ	بَرْد
иссиқ	حَرّ
ёмғирли кун	يَوم مُمْطِر
очиқ кун	يَوم مُصِحّ
пишмоқ	نَضْـج
музламоқ	جُمُود
қаттиқ	شَـدِيد
ой	قَمَر
41	
яқин	قَرِيـب
узоқ	بَعِيـد
қийин	صَـعْب

палто	دِفْـاء
жун, юнг	صُـوف
мато	مَتَـاع
савдогар	تَاجِر
шайёл (иштон боғич)	شَـيَّال
дўкон	دُكَّان
газ (узунлик ўлчови)	ذِرَاع
синдирмоқ	كَسْـر
ёзилди	كُتِـبَ
ўқилади	يُقْـرَأُ
этик, ботинка	جِزْمَة
39	
қўнғироқ	جَرَس
чалмоқ	دَقّ
девор	جِدار
шифт	سَـقْف
кўпдан бери	مُنْذُ زَمان
сен	أَنْتَ
Зайдми?	أَزَيْدٌ
ёки	أَمْ
очмадими?	أَما فَتَحَ
40	
осмон	سَمَاء
ер	أَرْض

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

осон	سَـــهْل
вазн	وَزْن
дан бери	مُنْـــذُ
15 кундан бери	مُنْذُ خَمْسَةِ اَيَّـــامٍ
ҳеч	قَطّ
агар	اِذَا
агар келса	اِذَا جَاءَ
сенга вожиб бўлади	يَجِبُ عَلَيـــكَ
сенга дарсингни ўқишлигинг во-жиб бўлади	يَجِبُ عَلَيـــكَ اَنْ تَقْرأَ دَرْسَـــكَ

42

амаки	عَمّ
амма	عَمَّة
келин	كَنَّـــة
тоға	خَال
хола	خَالَة
куёв	خَتَـــن
эр	زَوْج
эринг	زَوجُك
хотин	زَوجَة
мақтамоқ	مَدْح
ёмонламоқ	ذَمّ
бир ўзим	وَحْدِى
бир ўзинг	وَحْدَك

бир ўзи	وَحْدَه
балки	بَـــلْ
баъзида	اَحْيَانا
номланади	يُسَـــمَّى
Фариддан китоб-ни сўрадим	سَأَلْتُ فَرِيـــدًا كِتَابًـــا
Фариддан сен хақингда сўрадим	سَأَلْتُ فَرِيـــدًا عَنْـــكَ

43

соғлом	صَـــحِيح
касал	مَرِيْض
дори	دَوَاء
дард, оғриқ	دَاءٌ
тузатмоқ	شِـــفَاء
қарамоқ	مُعَايَنَـــة
етмоқ	اِصَابَة
бир неча	عِدَّة
асносида	اَثْنَاء
ёзмади	لَـــمْ يَكْتُـــبْ
дорихона	اَجْزَاخَانَة

44

ботир, шижоатли	شُجَاع
дўст	صَدِيق
душман	عَدُوّ
қўрқоқ	جَبَان

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

эмас	لَيْسَ
у бой эмас мен	هُوَ لَيْسَ بِغَنِيٍّ
камбағал эмасман	اَنَا لَسْتُ بِفَقِيرٍ
чол, қария	شَيْخ
йигит	فَتَى
кампир	عَجُوز
қиз	فَتَاة

45

халқа	قُرْط
шода	عِقْد
тилла	ذَهَب
узук	خَاتَم
маржон	مَرْجَان
билак узук	سِوَارٌ
кўмиш	فِضَّة
ёқут	يَاقُوت
дур	لُؤْلُؤ
олмос	اَلْمَاس
узукнинг кўзи	فَصّ
кучли	قَوِيّ
кучсиз	ضَعِيف
гумон қилмоқ	ظَنّ
синфда деб гумон қиляпман	اَظُنُّ فِى الفَصْلِ
илтимос, марҳамат қилиб	مِن فَضْلِكَ

46

ип	خَيْط
игна	اِبْرَة
сартарош	حَلاَّق
дурадгор	نَجَّار
маош	رَاتِب
хизматчи	مُسْتَخْدَم
қизил	اَحْمَر
сариқ	اَصْفَر
ким учун, кимники?	لِمَنْ ؟
тўғнағич (илгак)	دَبُّوس

47

чалғи	مِحَشٌّ
деҳқон	فَلاَّح
экмоқ	زَرْع
буғдой	قَمْح
арпа	شَعِيْر
ун	دَقِيق
кепак	نخالَة
пичан	حَشِيش
ўт-ўлан	عُشْب
улар (аёл)	هُنَّ
ўқияпсан	تَقْرأن
фаҳмлангиз	اِفْهمن

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

чумчуқ	عُصْـفُور
бойўғли	بوم
бургут	نَسْـر
йўлбарс	نَمِـرٌ
шундайики	مَا
ҳайвонлар-дан уй ҳайвон бўлганлари бор	مِنَ الْحَيوانَات ما هُوَ اَهْلِىّ

50

анжир	تِيْـن
хурмо	رَطَب
мандарин	يُوسف اَفَنْـدى
анор	رُمَّان
ўрик	مِشْـمِش
бодринг	خِيَـار
тарра	قِثَّـاءٌ
карам	كَرَنْـب
бақлажон	بَاذِنْجَـان
сабзи	جزْر
шалғам	لِفْـت
помидор	طَماطِمُ
сармсоқ	ثَـوم
қалампир	فُلْفُـلٌ
картошка	بَطَـاطِسُ
мева	ثَمَـر

кетдилар	ذَهَبْـنَ
қайтдингиз	رَجَعْتُـن

48

шундай кишики	اَلَّذى
шундай аёлки	اَلَّـتى
шундай кишиларки	اَلَّـذِيْنَ
шундай аёлларки	اَللَّوَاتـى
мен бу ўқув-чини ўқитаман	اَنَا الَّذى اُعَلِّمُ هَذَا التِّلْمِيـذَ

49

уй ҳайвони	اَهْلِى
ёввойи	بَرِّىّ
каби	مِثْـلُ
кийик	غَزال
қуш	طَيْـر
қушлар	طُيُور
қуён	اَرْنَب
туя	جَمَل
тулки	ثَعْلَـب
арслон, шер	اَسَد
қоплон	فَهْـد
ўрдак	بطّ
каптар	حَمام
тўти	بَبْغَـاء

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

ҳосил, мева	فَاكِهَــة
аччиқ чучук	سَـلَـطَة
узмоқ	قَـطْـف
ширин	حُـلْــوّ
нордон	حَامِض
ўтган	مَاضِ
қўшмоқ	اِضَــافَة

51

набира	حَفِيــد
ўлмоқ	مَوت
ҳайвоннинг еми	عَلَف
кўпайтирмоқ	تَكْثِــير
безовта қилмоқ	زَعَاج
тухум қўймоқ	بِيض
тухум	بَيضَــة
товуқ тухум қилди	بَاضَتِ الدَّجَاجَةُ
ундай бўлса	اِذَن
ўғилча	بُنَــيّ
бошлади	اَخَذَ
ўқий бошлади	اَخَذَ يَقْرَأُ
агар	اِنْ
агар менга келсанг	اِنْ جِئتَــنِى
мен сени ҳурмат қиламан	اُكْرِمُتُــكَ

қайси	اىٌّ
қайсилари	اَيُّهُم
қайси биримиз тиришқоқроқмиз	اَيُّنَا اكْثَرُ اجْتهــاداً
латта	طَلَّاسَــة
яхшироқ	اَحَبُّ
қатиқ	رَائِبٌ
сарёғ	سَــمَنٌ
тортмоқ	جَرّ
хаммаси	جَمِيــع
қўриқламоқ, сақламоқ	حِرَاسَة
кўприк	جِسْــر
бўлак	قِطْعَــة
соя	ظِلّ
бошқа, иккинчи	آخَــرُ
тортиб олмоқ	اِختِطَاف
отмоқ	رَمْى
ўрин, эваз	بَـدَل
унинг ўрнига	بَدَلَــه

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

صنعة الله بيكبولاط

مبدأ القراءة

МАБДАЪ УЛ-ҚИРОАТ

(ЎҚИШ АСОСЛАРИ)

طشـــقند

« ما وراء النهر»

2005

«Fikr-media» масъулияти чекланган жамияти матбаа бўлимида чоп этилди. Босмахонага 2005 йил 24 майда топширилди. Босишга 2005 йил 10 июнда рухсат этилди. Бичими 42X30 $^{1}/_{8}$. Адади 1000 нусха. Офсет қоғози. 38-сон буюртма.

Баҳоси келишилган нархда.

Тошкент шаҳри, Комил Ёрматов кўчаси, 14.
“Fikr-media” Масъулияти чекланган жамияти.

www.fikr.uz
fikrmedia@list.ru

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz